अंतिम समय में अभिषिक्त लोग

 सुप्रभात, श्रोतागण। आइए अब हम हमारे प्रभु से बात करें।

2 महान परमेश्वर, स्वर्ग और धरती के सृष्टिकर्ता, जिसने इस प्रात: हमें आपकी आराधना करने के लिए दैविक रूप से ठहराया है। और होने पाए, प्रभु, हम अपने ह्रदयो में अपने आप को पूरी तरह से आपकी दिव्य इच्छा के लिए समर्पित करे और पवित्र आत्मा हम में काम रहा हो, ताकि उस बात को आगे लाये जिस बात को आप चाहते हैं कि हम जाने। हमारी इच्छा बेहतर मसीही और आप का बेहतर प्रतिनिधित्व बनने की है। क्या आप आज सुबह हमें इसे प्रदान करेंगे, जैसा कि आप पर रुके हुए हैं, हम यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

3 बैठ जाये। [कोई कहता है, "प्रार्थना के वस्त्र उठा ले? "—सम्पा।] हां। हम आज सुबह यहां फिर से होने के लिये बहुत खुश हैं, उस महान राजा की सेवा में—में। और हमें खेद है, हम, फिर से, कि हमारे पास लोगों को बैठाने के लिए स्थान नहीं है, लेकिन हमारे पास बस... हम कोशिश करेंगे और परिस्थितियों में हम जितना अच्छा कर सकते हैं, करेंगे।

4 अब, बहुत से लोगों के पास रूमाल और विनंतीयां है, जो यहां प्रार्थना करवाने के लिए रखी हुई है। और मैं बस उन्हें एक तरफ रख रहा हूं; ऐसा नहीं है कि मैं उन्हें अनदेखा कर रहा हूं, लेकिन मैं बाद में उनके लिए प्रार्थना करूंगा... मैं मुख्य रूप से पसंद करता हूं... और आज रात को, मैं इसे सुबह को करूंगा, और फिर से आज रात को करूंगा, जब, फिर मैं प्रार्थना करूंगा और चंगाई सभा के लिए परमेश्वर के आत्मा पर रुका रहूंगा। यही वो समय है जब मैं इन—इन रूमालों और चीजों पर प्रार्थना करना पसंद करता हूं।

5 और जहाँ तक विशेष प्रार्थना के निवेदनों की बात है, बिली ने वे सारे मुझे दे दिए हैं। लगभग तीन सौ निवेदन हैं, और मैं अभी–अभी उस कमरे से बाहर आया हूँ। आप देखिए, मैं जितना हो सके उतनी तेजी से देख रहा हूं, और एक–एक करके उन्हें देख रहा हूँ। और मैं जितनी जल्दी हो सके उन तक पहुँचने की कोशिश करूँगा। लेकिन शायद मैं सभी तक न पहुँच

पाऊँ। बस हाथ बढ़ाकर एक को लेना होगा और कहूंगा, "प्रभु, क्या *यह* वो एक होगा, या *यह* एक होगा?" बिल्कुल ऐसे ही, क्योंकि हर एक निवेदन बहुत ज़रूरतमंद और सच्चा है; कुछ तो, कोई संदेह नहीं, जिसके बारे में हमें एक साथ बात करनी चाहिए। और मैं... इतना नहीं, आप जानते हैं, कभी–कभी पवित्र आत्मा किसी एक के लिए कह सकता है, जो मैं पढ़ता हूं, यह मेरे हृदय पर बना रहता है; मैं फिर से उस पर वापस जाता हूं, और वहां उसमें से होते हुए तब तक ढूंढता हूं जब तक कि मिल नहीं जाता। अन्यथा, बस उन्हें यूँ ही ले लेता हूं।

6 अब, हम आज सुबह यह भी कहना चाहते हैं, और उन लोगों को शुभकामानाये देना चाहते हैं जो देश के दूसरे भागों से हैं। आज सुबह हम इस टेलीफोन संपर्क के जरिये से जुड़े हुए लोगों को शुभकामाना देना चाहते हैं, न्यूयॉर्क शहर के लिए; ब्यूमोंट, टेक्सास; प्रेस्कॉट, एरिज़ोना; ट्यूसान, एरिजोना; सैन जोस, कैलिफोर्निया; कनेक्टिकट; गेनेसविले, जॉर्जिया; और न्यू अल्बानी, इंडियाना; सारे राष्ट्र भर से। हम प्रभु यीशु के नाम में आपको शुभकामानाएं देते हैं।

7 आज सुबह, इंडियाना में, यह एक अच्छी सुबह है। कल रात को बारिश हुई थी जिसने मौसम को ठंडा कर दिया। और हम... आराधनालय पूरा भरा हुआ है, और हर कोई सन्डे स्कूल के पाठ के लिए बड़ी अपेक्षा के साथ प्रतीक्षा कर रहा है। और मैं भरोसा करता हूं कि वहां परमेश्वर की बहुतायत आशीषे आप पर होगी।

8 और हम आशा कर रहे हैं, जितनी जल्दी संभव हो सके, कि एक—एक मार्ग को बना ले जो हमारे पास हो सकता है, जहां हम सभी को एक साथ ला सके, हो सकता है एक बड़े तंबू के नीचे, जहां मैं वास्तव में अच्छा महसूस करूं कि बाईबल में इन सात अंतिम कटोरों पर प्रचार कर सकूं।

9 सो अब, तो हम आज सुबह एक महान विषय पर अधिक समय नहीं लगाये... मैंने प्रभु से मांगा है, यह सोचते हुए, "मैं किस पर बोल सकता हूं?" यह जानते हुए कि यह हमारी अंतिम सभा हो सकती है जो हमारे पास कभी होगी। प्रभु का आगमन बहुत ही निकट है!

10 मैं देखता हूं, कैलिफोर्निया में की गई भविष्यवाणी के बाद, वहां पर जो घर हैं, और जो स्थान है, तीस इंच प्रति घंटे की दर से नीचे धंसते जा रहा है, लकड़ियों के बीम फटकर अंदर की ओर गिर रहे है। और वे नहीं जानते

कि यह क्या हो रहा है। हम अंत में हैं। सैकड़ों हजार डॉलर के घर डूब रहे हैं। अखबारों में मेरे बारे में बड़ी सुर्खियां, तस्वीरें छपी है, जिसे मैं आज रात लाने की आशा करता हूं, जैसा कि मैं आज रात उस पर कुछ बोलना चाहता हूं।

11 और, फिर, आज रात हमारे पास बीमारों के लिए प्रार्थना है। इस दोपहर बाद पांच, छह बजे या जब भी यह होता है। हम जल्दी आरंभ करने जा रहे हैं, मैं समझता हूं, ताकि लोग जल्दी निकल सके, और अपने प्रार्थना कार्ड को ले सके। और आज रात प्रभु ने चाहा तो हम बीमारों के लिए प्रार्थना करेंगे।

12 अब, प्रार्थनापूर्वक सोचते हुए, "मुझे क्या करना चाहिए? " यह जानते हुए कि किसी दिन मुझे यहां जो मैं कहता हूं उसके लिए इसका उत्तर देना होगा... और मैंने निर्णय लिया है, या महसूस किया है कि पवित्र आत्मा की अगुवाई में आज सुबह मैंने भविष्यवाणी पर बोलने की अगुवाई महसूस की, ताकि हमें एक प्रकार से जानकारी मिल सके। समझे? यह कुछ तो ऐसा है कि हम... यदि हमें सूचित नहीं किया जाता है, और कुछ भी बस अकस्मात रूप से हो जाता है, तो हमें इस बारे में जानना चाहिए। पवित्र आत्मा ने इसे हमें दिया है, ताकि हम आने वाले बातों के लिए लोगों को चेतावनी दे सकें। आप जानते हैं, कि बाईबल ने कहा, कि, "परमेश्वर कुछ नहीं करेगा, जब तक वो पहले अपने सेवकों को ना दिखा दे, अर्थात भविष्यव्यक्ताओं को।" और—और किस तरह से यीशु ने लोगों को चेतावनी दी, कि क्या बात जगह लेगी; किस तरह से भविष्यव्यक्ताओं ने लोगों को चेतावनी दी, यह बात जगह लेगी। और अब यह हमारे लिए आवश्यक है, इस महान घड़ी में जिसमें हम रह रहे हैं, यह देखने के लिए कि हम किस युग में रह रहे हैं, और क्या हो–... और इस युग में क्या घटित होने जा रहा है। तो इनमें से एक अनोखा विषय है जिसे शायद हमने बहुत बार पढ़ा है, इस सुबह मैं इस विषय में लोगो से बात करने के लिए—के लिए अपने ह्रदय पर महसूस करता हूं।

13 अब आइए हम अपनी बाईबलो में मत्ती के 24वें अध्याय को निकाले, और वचन के एक भाग को पढ़ेंगे [भाई ब्रन्हम अपना गला साफ़ करते हैं—सम्पा।] (मुझे क्षमा करें।) जिससे एक तरह से—से हमारे पाठ और विषय के लिए एक संदर्भ को प्राप्त कर सके।

14 अब, याद रखें, हम इसे एक बाईबल की कक्षा के रूप में सिखाने जा रहे हैं, धीरे से। अपनी पेंसिल और कागज को उठा ले। मेरे पास यहां बहुत से वचन लिखे हुए हैं, जिससे—जिससे की आप इन्हे लिख सकें! फिर घर जाकर और उनका अध्ययन करें, क्योंकि यह बिल्कुल संडे स्कूल की कक्षा की तरह है, जिससे कि हम जान सके, और चेतावनी दी जाये और उस घड़ी के लिए तैयार रहे जिसमें हम रह रहे हैं।

15 संत मत्ती की पुस्तक में, [भाई ब्रन्हम अपना गला साफ़ करते हैं—सम्पा।] (मुझे क्षमा करें।) 24वां पद, या, मेरा मतलब 24वां अध्याय, 15वें पद से आरंभ करते हुए, मैं उसके वचन के एक भाग को पढ़ना चाहता हूं।

> *और इसलिए जब तुम उस उजाड़ने वाली घृणित वस्तु को जिसकी चर्चा दानिय्येल भविष्यद्वक्ता के द्वारा हुई थी, पवित्र स्थान में खड़ी हुई देखो, (जो पढ़े, वह समझे:)*
>
> *तब जो यहूदिया में हों वे पहाड़ों पर भाग जाएं:*
>
> *वो जो घर की छत पर हो—घर की छत पर हो वह अपना सामान लेने को ना उतरे कुछ भी लेने घर से बाहर ना निकले:*
>
> *और वो जो खेत में हो, वह अपना कपड़ा लेने को पीछे न लौटे।*
>
> *और उन दिनों में जो गर्भवती, और वो जिसका बालक है और उसे दूध पिलाती होंगी उनके लिए हाय, हाय!*
>
> *लेकिन तुम प्रार्थना करो कि तुम्हें जाड़े में ना भागना पड़े या ना ही सब्त के दिन भागना पड़े:*
>
> *क्योंकि उस समय ऐसा भारी महासंकट होगा, जैसा कि जगत के आरंभ से लेकर न अब तक हुआ, नहीं, और न कभी होगा।*
>
> *और यदि वे दिन घटाए न जाते,* तो कोई प्राणी *न बचता: परन्तु चुने हुओ के कारण वे दिन घटाए जाएंगे।*
>
> *उस समय यदि कोई तुम से कहे, कि देखो, मसीह यहां है, या वहां है; तो विश्वास न करना।*
>
> *क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता* उठ *खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएंगे; कि, यदि हो सके, तो* चुने हुओं *को भी भरमा दें।*
>
> *देखो, मैंने पहले से तुम से यह सब कुछ कह दिया है।*

इसलिए यदि वे तुम से कहें, देखो, वह जंगल में है; तो बाहर न निकल जाना: देखो, वह गुप्त कोठरियों में है; तो विश्वास न करना।

क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलकर, और पच्छिम तक चमकती जाती है; वैसा ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।

क्योंकि जहां कहीं भी लोथ होगे, वहां उकाब इकट्ठा होंगे...

16 अब, एक विषय के लिए, मैं 24वां पद लेना चाहता हूं, इस पद पर जोर देने के लिए आज सुबह हमारे संडे स्कूल के पाठ के लिए। और ध्यान से सुने, जब मैं इसे फिर से पढ़ता हूं।

क्योंकि झूठे मसीह और झूठे भविष्यद्वक्ता उठ खड़े होंगे, और बड़े चिन्ह और अद्भुत काम दिखाएंगे; यहाँ तक कि, यदि हो सके, तो वे चुने हुओं को भी भरमा दे।

17 अब आज सुबह एक विषय के लिए, या एक मूल पाठ के लिए, मेरा मतलब, मैं लेना चाहता हूं: *अंतिम समय में अभिषिक्त लोग* हैं। यही वो विषय है जिस पर मैं बोलना चाहता हूं, या मूल पाठ: *अंतिम समय में अभिषिक्त लोग*।

18 मैं विश्वास करता हूं कि हम अंत समय में जी रहे हैं। मैं सोचता हूं कि लगभग हर कोई जो... वचन का पढ़ने वाला, या यहां तक कि एक—एक विश्वासी, ये जानता है कि अब हम संसार के इतिहास के अंत में हैं। इसे लिखने का कोई फायदा नहीं होगा, क्योंकि इसे पढ़ने के लिए कोई भी नहीं होगा। यह समय के अंत में है। अब ये कब होगा, मैं नहीं जानता। बस यह कितने समय तक चलता रहेगा, स्वर्ग के दूत भी उस मिनट या घड़ी को नहीं जानते है। लेकिन हमें प्रभु यीशु के द्वारा बताया गया है, कि, जब ये बातें जो हम अभी देखते हैं घटित होना आरंभ हो, तो हमारे सिरो को ऊपर उठाये क्योंकि हमारा छुटकारा निकट आ रहा है। अब, "निकट आ रहा है" का क्या अर्थ है, मैं नहीं जानता। इसका मतलब हो सकता है...

19 जैसा कि वैज्ञानिकों ने उस दिन टेलीविजन पर कहा था, उस बड़े हजारों–हजारों मील की दूरी के लिए बोल रहे है जो पृथ्वी में है जो डूबने जा रहा है। उससे प्रश्न पूछा गया था, "ये वहां डूब सकता है? " यह लॉस एंजेलिस है, अर्थात पश्चिमी तट। और आप में से कई लोगों ने देखा होगा कि कैसे उन्होंने रडार से इसका पीछा किया, और वहां से होते हुए... सैन

जोस के नीचे से होते हुए निकला, उस पार अलास्का में चला गया, वहां अल्यूशियन द्वीपों में से होते हुए, लगभग दो सौ मील की दूरी में समुद्र के अंदर, और वापस नीचे सैन डियागो के अंदर आ गया, घूमकर पीछे लॉस एंजेलिस के पास चला गया, और वहां पर आ गया, एक बड़ा घेरा।

20 और ये सारे भूकंप जो हमारे यहाँ होते आ रहे हैं ये ज्यालामुखी गतिविधि के इस विशाल खोखले गर्त जैसी संरचना से टकराने का परिणाम हैं। मैं उसका नाम नहीं ले पा रहा हूँ जो वे—वे इसे बोलते है। हालाँकि, जब यह हिलता है, तो वे भूकंपों को उत्पन्न करता है जो हमारे यहाँ वर्षों से पश्चिमी तट पर होते आ रहे हैं। अब इसमें चारों ओर से पूरी तरह से दरार हो चुकी है। और वैज्ञानिकों ने कहा, एक...

उस व्यक्ति ने दूसरे से कहा, "क्या यह गिर सकता है? "

उसने कहा, "'ना ही गिर 'सकता,' है लेकिन यह गिरेगा।"

कहा, "लेकिन शायद हमारी पीढ़ी में नहीं? "

कहा, "अगले पांच मिनट में होगा, या अगले पांच वर्षों में। हम नहीं जानते कि कब।"

21 इस सप्ताह, मुझे अखबार का एक मुख्य समाचार भेजा गया था, बड़े–बड़े सौ–हजार डॉलर के घरों में दरारे पड़ने और फटने की बात लिखी थी, लोग दूर जा रहे हैं। और वे नहीं जानते कि इसे कैसे रोका जाए। इसे रोकने का कोई तरीका ही नहीं है। देखो, परमेश्वर जो चाहे कर सकता है, और वहां कोई भी उसे नहीं बता सकता है कि इसे कैसे करना है।

22 आप घर बनाते हैं, आप वैज्ञानिक चीजों से इसे बना सकते हैं, और परमेश्वर विज्ञान का सृष्टिकर्ता है। आप उसे कैसे रोकेंगे? यदि वो चाहे तो आज सुबह पिस्सुओं के द्वारा पृथ्वी को नष्ट कर सकता है। क्या आप समझ रहे हैं, वह शब्द बोलकर पिस्सू को अस्तित्व में ला सकता है, और आधे घंटे के समय में वे चालीस मील वहां दूर तक होंगे, देखो, वहां ना... और लोगों को सीधा जमीन पर से खड़े–खड़े खा जायेंगे। वह परमेश्वर है। वो बस वैसा ही करता है जैसा वह चाहता है। वह स्वयं में सर्वोच्च अधिकार रखता है।

23 अब, इस सारे प्रमाण के एक साथ देखते हुए, कि जिस घडी में अब हम जी रहे हैं, मैं सोचता हूँ कि इन बातों को फिर से दोहराना और उन्हें

विस्तार से सामने लाना अच्छी बात है, जब से मोहरे खोली गई हैं, और इन बातों की सच्चाई का पता लगाना, क्योंकि परमेश्वर अपने अनुग्रह के द्वारा, हमें इन चीजों को दिखाने में, हमारे प्रति बहुत ही विश्वासयोग्य रहा है।

24 मैं चाहता हूं कि आप यहां मत्ती 24 में ध्यान दें, यीशु ने "मसीहों," शब्द का प्रयोग किया, सी–एच–आर–आई–एस–टी–एस, "मसीहों।" ना ही मसीह, लेकिन "मसीहो," बहुवचन, एकवचन नहीं। "मसीहों।" इसलिए, *मसीह* शब्द का अर्थ होता है "एक जो अभिषिक्त है।" और फिर यदि यह "अभिषिक्त" हुए है, तो वहां केवल एक ही नहीं होगा, लेकिन बहुत से अभिषिक्त लोग होंगे, "अभिषिक्त लोग।" देखा?

25 अन्यथा, यदि वो इसे खोलकर बताना चाहता जिससे कि हम कुछ हद तक इसे अच्छी तरह से समझ सके, वह कहता, "अंत के दिनों में वहां झूठे, अभिषिक्त लोग उठ खड़े होंगे।" अब, इस "अभिषिक्त" शब्द को देखकर, देखो, यह लगभग असंभव सा प्रतीत होता है, देखो। लेकिन ठीक उसके अगले शब्दों पर ध्यान दें, "और वे झूठे भविष्यव्यक्ता," पी–आर–ओ–पी–एच–ई–टी–एस बहुवचन।

26 अब, *एक जो अभिषिक्त है,* ये, "एक उस संदेश के साथ है।" और केवल एक ही तरीका है कि संदेश को बाहर लाया जा सकता है, जो एक *अभिषिक्त* के द्वारा आता है, और वह एक भविष्यव्यक्ता होगा, अभिषिक्त, "वहां झूठे अभिषिक्त शिक्षक उठ खड़े होंगे।" एक भविष्यव्यक्ता शिक्षा देता है कि उसका संदेश क्या है। अभिषिक्त शिक्षक, लेकिन अभिषिक्त लोग झूठी शिक्षा के साथ होते है। अभिषिक्त लोग, "मसीहों," बहुवचन; "वे भविष्यव्यक्ता," बहुवचन। और यदि वहां एक—एक मसीह के जैसी कोई चीज है, एकवचन, उसके बाद ये "अभिषिक्त लोग," होंगे, कि उनकी भविष्यवाणी जिसकी वे शिक्षा दे रहे थे, वो अलग ही होगी, क्योंकि वे अभिषिक्त लोग है, अभिषिक्त।

27 अब, यह एक संडे स्कूल का पाठ है, हम चाहते हैं कि—कि इसे वचनों के द्वारा सच्चे निर्णायक रूप में लाने की कोशिश करेंगे, ना ही किसी और ने इसके बारे में क्या कहा, लेकिन केवल वचनों को पढ़कर।

आप कह सकते हैं, "यह कैसे हो सकता है? क्या वो अभिषिक्त लोग... ? वे क्या थे? "

"वे मसीह," सी–एच–आर–आई–एस–टी–एस। "वे अभिषिक्त मसीह और वे झूठे भविष्यद्वक्ता।" अभिषिक्त लोग, लेकिन झूठे भविष्यद्वक्ता!

यीशु ने कहा, कि, "वर्षा धर्मी और अधर्मी दोनों पर पड़ती है।"

28 अब, कोई तो मुझसे कह सकता है, "क्या आप विश्वास करते हैं कि उन लोगों पर अभिषेक का अर्थ है कि यह पवित्र आत्मा का अभिषेक है? " जी हाँ, महाशय, परमेश्वर का सच्चा पवित्र आत्मा एक व्यक्ति पर होता है, और फिर भी वे झूठे होते हैं।

29 अब ध्यान से सुने और देखे कि उसने क्या कहा। "और वे चिन्ह और अद्भुत कार्य को दिखाएंगे, इतना तक कि यह चुने हुओ को भी भरमा दे, यदि यह संभव हो तो।" और वे सच्चे पवित्र आत्मा से अभिषिक्त होते हैं। मैं जानता हूं कि यह बहुत ही मूर्खतापूर्ण सा सुनाई पड़ता है, लेकिन हम समय को लेंगे और इसे वचन के द्वारा समझाएंगे, कि यह पूरी तरह से **यहोवा यों कहता है**, अर्थात सच्चाई है।

30 अब आइए हम अपनी बाईबल में, बस एक मिनट के लिए, मत्ती के 5वें अध्याय की ओर, और वहां—वहां 45वें पद से आरंभ करेंगे, और अब देखते हैं जैसा कि जब हम इन वचनों को कुछ क्षणों के लिए पढ़ते हैं। और फिर, हमारे यहां पहुंचने के बाद, क्यों, हम आपको देंगे... इसलिए आप, यदि हम उन सभी को पढ़ने से चूक जाते हैं, तो आप अपनी बाईबल को लेकर; और—और आप भी उन्हें पढ़ सकते हैं जब हम यहां से निकलकर और आप घर जाते हैं, और—और आप पढ़े कि बाईबल इसके बारे में क्या कहती है।

31 अब हम अपने समय को लेंगे, एक—एक बुनियादी सच्चाई को समझने के लिए, क्योंकि मैं यहां एक बयान को दे रहा हूं जो चौकने वाला है। कैसे पवित्र आत्मा एक झूठे शिक्षक का अभिषेक कर सकता है? लेकिन यही है जो यीशु ने कहा जो घटित होगा।

अब, मत्ती, 5वां अध्याय, 45वां पद, आइए अब पढ़ते हैं। आइए इसे लेते हैं, इसके थोड़ा पहले के पद से आरंभ करते हैं, 44वां पद।

> *परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं, कि अपने बैरियों से प्रेम रखो, और अपने सतानेवालों के लिए प्रार्थना करो, उन्हें आशिष दो, जो तुमसे घृणा करते है,... अपने बैरियों से प्रेम रखो, और अपने सतानेवालों के लिए प्रार्थना करो;*

जिससे कि तुम अपने पिता की जो स्वर्ग में है संतान ठहरोगे: क्योंकि वह भलों और बुरों दोनों पर अपना सूर्य उदय करता है, और धर्मी और... अधर्मी दोनों पर मेंह बरसाता है। (बारिश बुरों पर भी पड़ती है, वैसे ही जैसे भलों पर भी पड़ती है।)

32 अब इस पर आगे बढ़ते हुए, इससे संबंधित एक और भविष्यवाणी के लिए, आइए अब हम इब्रानियों के 6वां अध्याय को निकालें, इससे जुड़े हुए अगले पद के लिए, जहां पौलुस उसी बात को वापस याद दिला रहा है जिसे यीशु ने कहा था। पौलुस, अब बोल रहा है। जबकि आप लोग इसे ढूंढ़ रहे हैं... और आप जो प्रसारण से जुड़े हुए है, अपनी बाईबल को अपने पास रख ले और एक कागज का टुकड़ा ले, और अब इसकी ओर देखें। इब्रानियों, 6वां अध्याय, पौलुस इब्रानियों को लिख रहा है, उन्हें प्रतिछाया और नमूनों को दिखा रहा है, उन्हें यहूदीवाद के नीचे से मसीहत के अंदर ला रहा है, उन्हें दिखाते हुए कि कैसे सारी पुरानी बातें बस आने वाली चीजों की पूर्वछाया को दिखा रही है। पौलुस अब बोल रहा है, इब्रानियों 6।

इसलिए मसीह की शिक्षा की आरम्भ की बातों को छोड़कर (सी–एच–आर–आई–एस–टी, मसीह एकवचन), *आओ हम सिद्धता की ओर आगे बढ़ते जाएं; फिर से पश्चाताप करने... मरे हुए काम, और परमेश्वर के* प्रति *विश्वास की बुनियाद को ना डाले।*

उस... बपतिस्मे की शिक्षा, और हाथों को रखना और मरे हुओं के जी उठने, और अनन्त न्याय की शिक्षा।

और यह हम करेंगे, यदि परमेश्वर अनुमति देता है।

क्योंकि जिन्होंने एक बार ज्योति पाई है, और जो स्वर्गीय दान का स्वाद चख चुके हैं उनके लिए ये असंभव है, और पवित्र आत्मा *के भागीदार बनाये गए थे,*

33 मैं बस एक मिनट के लिए आपको ध्यान दिलाना चाहता हूँ। क्या आपने ध्यान दिया? यह "दान" है; और ना ही "बहुत से दान, स्वर्गीय दानों के भागीदार"; लेकिन, "स्वर्गीय दान," एकवचन है; "मसीह," एकवचन है; "दान," एकवचन है।

... स्वर्गीय दान, और... पवित्र आत्मा *के भागीदार बनाए गए,*

और... परमेश्वर के वचन का स्वाद चख चुके है,... (क्या चख चुके है?)... *परमेश्वर का वचन, और आने वाले संसार की* सामर्थ का,

यदि वे भटक जायें, तो उन्हें पश्चाताप के लिये फिर से नया बनाना असंभव है; देखते हुए कि वे परमेश्वर के पुत्र को अपने लिये फिर से क्रूस पर चढ़ाते हैं और प्रगट में उस पर कलंक लगाते हैं।

क्योंकि, (सुनना) *जो भूमि... वर्षा के पानी को जो उस पर बार–बार पड़ता है, इसे पी पीकर, जिन लोगों* के लिये *वह जोती–बोई जाती है, उनके काम का साग–पात उपजाती है, वह परमेश्वर से* आशीष *पाती है:*

पर यदि वह झाड़ी... और ऊंटकटारे उगाती है, तो निकम्मी और श्रापित होने पर है, और उसका अन्त जलाया जाना है।

34 अब इसकी तुलना मत्ती 5:24 से फिर से करें। ध्यान दे, यीशु ने कहा वर्षा और सूर्य धरती पर आते है, जिसे परमेश्वर धरती के लोगों के लिए इसे भोजन और चीजों को तैयार करने के लिए भेजता है। और वर्षा को भोजन के लिए भेजा जाता है, जड़ी–बूटियों के लिए। लेकिन जंगली पौधे, जंगली घास, वहां भूमि में होते है, वे उसी चीज को पाते हैं। वही बारिश जो गेहूं को बढ़ने को लगाती है ये वही बारिश है जो जंगली घास को भी बढ़ने को लगाती है।

35 मैंने किस तरह से एक समय इस पर एक विषय को लिया था, जब मैं पहली बार पेंटीकोस्टल लोगों से मिला था! और यह मेरे लिए एक बड़ी शिक्षा थी। मैंने दो व्यक्तियों को देखा था, एक... मैंने पहले कभी भी अन्य ज़ुबान में बोलते हुए नहीं सुना था। एक व्यक्ति अन्य ज़ुबान में बोलता था, दूसरा एक इसका अनुवाद करता था, उसके बाद इसका उल्टा होता था। और वह सत्य को बताएगा, यह कहे, "यहां बहुत से ऐसे लोग है जिन्हें आज रात पश्चाताप करना चाहिए। वहां स्त्री और पुरुष सम्मिलित है।" और लोग उठकर और वेदी पर जाने लगते।

मैंने सोचा, "कितना महिमामय है!"

36 और फिर पवित्र आत्मा के छोटे से दान के साथ, मैंने उन लोगों से बात की, बस, आप तो जानते हैं कि कैसे, विचारो को परखने में, पता लगाने

का बस एक छोटा सा तरीका होता है। और उनमें से एक सच्चा मसीही था, और वह मसीह का सच्चा सेवक था, और दूसरा एक जो था वो ढोंगी था। और उनमें से एक, वो एक जो ढोंगी था, एक अश्वेत महिला के साथ रहता था, एक सुनहरे रंग के बाल वाली स्त्री के साथ घूमता–फिरता था और उस स्त्री से बच्चे थे। तो, यह ठीक वहां दर्शन में था; इसे इन्कार नहीं किया जा सकता था। और मैंने उससे इस विषय में बात की। उसने मेरी ओर देखा और भवन की ओर चला गया।

37 अब मैं पूरी तरह से उलझन में था। मैंने सोचा था कि मैं दूतों के पास आया हूं, तब मैं सोचने लगा कि क्या मैं शैतानों के बीच में नहीं हूं। ऐसा कैसे हो सकता है? मैं इसे नहीं समझ सका। और वर्षों से मैंने अपने हाथों को इस बात से दूर रखा, उस एक दिन तक जहां...

जॉर्ज स्मिथ, वो लड़का जो मेरी बेटी के साथ जाता है, हम कल उस पुरानी मील के स्थान पर गए थे, जहां मैं प्रार्थना करने जाता हूं।

38 और वहां कुछ दिनों तक रहने के बाद, पवित्र आत्मा ने इस वचन को मेरे लिए वापस लाया: "क्योंकि जो भूमी वर्षा के पानी से जो उस पर बार–बार पी–पीकर साग–पात उपजाती है, लेकिन कंटीली झाड़ी उसी वर्षा से जीवित रहती हैं, और जिसका अंत जलाया जाना है।" वे परमेश्वर के उसी जीवन देने वाले साधन के द्वारा जी रहे हैं। तब मैं समझ गया कि, "उसी के द्वारा," यीशु ने कहा, "उनके फलों के द्वारा वे जाने जाते हैं।"

39 अब, इसलिए, वर्षा धरती के प्राकृतिक वनस्पतियों के ऊपर गिरती है, ये एक आत्मिक वर्षा का नमूना है जो अनन्त जीवन को देता है, कलीसिया के ऊपर गिरती है, क्योंकि हम इसे पहली वर्षा और अंतिम वर्षा कहते हैं। और यह एक वर्षा है, जो परमेश्वर के आत्मा से, उसकी कलीसिया पर उंडेला जा रहा है।

40 ध्यान दे, यह यहाँ पर बहुत ही विचित्र बात है। देखा? जब वे बीज जमीन के अंदर जाते है, जैसे भी हो वे वहां पर होते है, वे आरंभ से ही कांटे थे। लेकिन वहां गेहूं का दाना जो जमीन में चला गया, और साग–पात, वे आरंभ से ही साग–पात थे। और प्रत्येक साग–पात अपने आप को उत्पन्न करते है, बार–बार, यह दिखाता है कि यह मूल आरंभ में था।

41 "और यदि संभव हो तो वे चुने हुओं को भी भरमा देते," क्योंकि वे उसी वर्षा को ले रहे है, वही आशीष, उन्हीं चिन्हों को दिखा रहे हैं, वही अद्भुत

कार्य। देखा? "वे भरमायेंगे, या यदि हो सके तो चुने हुओ को भी भरमा देंगे।" अब, एक काँटा, काँटा होने से अपने आप को रोक नहीं सकता, और न ही गेहूँ, गेहूँ होने से अपने आप को रोक सकता है; यही है जो सृष्टिकर्ता ने हर एक को आरंभ में निर्धारित किया था। यही चुना हुआ होता है। वही वर्षा!

42 सुबह का सूर्य उदय होता है और सारी धरती पर फैलता है, जैसे इस धरती पर किया था और जिस दिन में हम रह रहे हैं। और सूर्य, वही सूर्य जो पूर्व में उगता है ये वही सूर्य है जो पश्चिम में डूबता है। और उस सूर्य को धरती पर दाने को पकाने के लिए भेजा गया है, जिससे हमारे शरीर बने हैं।

43 हम मरे हुए पदार्थ के द्वारा जी रहे हैं। केवल यही तरीका है कि आप जी सकते हैं। और यदि किसी चीज को हर दिन मरना होता है जिससे कि आप स्वाभाविक रूप से जी सके, तो क्या यह सच नहीं है कि यदि आपके—आपके शरीर को मरे हुए पदार्थ के द्वारा जीना है, स्वाभाविक जीवन के लिए, तब आपके पास मरने के लिए कुछ तो आत्मिक रूप से होना है, ताकि आपके आत्मिक जीवन को बचाये। और परमेश्वर, भौतिक बन गया, शरीर, और मर गया जिससे कि हम जी सके। वहां ऐसी कोई कलीसिया नहीं है, संसार में कोई और चीज नहीं है जो आपको बचा सके सिवाय परमेश्वर के। केवल यही एक चीज है जिसके द्वारा वे जीते हैं।

44 अब वचनों को निकाले। यीशु वचन है। "आदि में वचन था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में वास किया। आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था। और वचन देहधारी हुआ, और जो हमारे बीच वास किया।" "और मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा," शारीरिक के लिए, "लेकिन हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" तब, आप देखिए, हम वचन के द्वारा जीते हैं, और यही परमेश्वर है।

45 अब सूर्य सामने आता है और दाने को पकाता है। अब, ये इसे एक ही बार में नहीं पका सकता है। जैसे–जैसे यह आगे बढ़ता है, बहुत तेज होता जाता है, यह लगातार पकता रहता है, जब तक कि यह पूरी बाली न बन जाए।

46 ऐसा ही आज, कलीसिया के साथ है। यह इसकी प्रथम अवस्था में आरंभ हुई, पहले के अंधकार युग में, जहां यह भूमि के नीचे था। यह अब परिपक्वता के अंदर बढ़ गई है। और हम इसे सिद्ध रूप से देख सकते हैं,

कैसे परमेश्वर प्रकृति में से होते हुए हमेशा...

47 आप प्रकृति से छेड़–छाड़ नहीं कर सकते। आज यही मामला है। हम बम बरसा रहे हैं, और वहाँ उस समुद्र में परमाणु बमों से उसे तोड़ रहे हैं, और तहस–नहस कर रहे हैं। आप हर समय उस मिट्टी का और अधिक हिस्सा तोड़कर उसमें गिरा रहे हैं। आप पेड़ों को काट देते हो; तूफान आपको ले जाएगा। नदी पर बने हुए बांध; इससे बाढ़ आ जाएगी।

48 आपको उन चीजों को करने के लिए परमेश्वर के काम करने के तरीके को पता लगाना होगा और उसी में बने रहना होगा। हम कलीसियाओ और संगठनों में सांप्रदायिक लोग है; देखो हमें क्या मिला है! इसके परमेश्वर के प्रदान किए गए मार्ग में बने रहे।

49 लेकिन, आप देखो, "वह वर्षा को भेजता है," हमारे विषय पर वापस आते है, "धर्मी और अधर्मी दोनों पर।" यीशु आपको अब यहाँ बताता है, मत्ती 24 में, यह अंत समय का एक चिन्ह होगा।

50 अब, यदि यह चिन्ह केवल अंत समय में ही ज्ञात होना है, तब यह उन मोहरो के खुलने के बाद होगा। देखा? यह एक अंत का चिन्ह है। यह ज्ञात होगा, जब ये बातें घटित होंगी, यह अंत समय पर होगा। और अब यह एक चिन्ह होगा, इसलिए चुने हुए लोग इन बातों में उलझन में नहीं पड़ेंगे। आप इसे समझ रहे हैं? फिर, इसे प्रकट होना ही है, उजागर होना ही है।

ध्यान दें, गेहूं और जंगली दाने दोनों ही स्वर्ग से एक ही अभिषेक के द्वारा जीते हैं। वे दोनों इस पर आनंदित होते हैं।

51 मुझे यह याद है, कि मैं इस घटना का उल्लेख कर रहा था, उस दिन वहां पर ग्रीन मिल में। मैंने—मैंने उस दर्शन को आते देखा। और वहां एक बड़ी धरती थी, और वह पूरी तरह से जोत कर तैयार किया गया था। और वहां पर पहले एक बोने वाला सामने आया। मैं इसे आपके सामने रखना चाहता हूं। देखो कि पहले आगे कौन आगे जाता है, फिर उसके बाद क्या होता है। और जैसे यह मनुष्य श्वेत वस्त्र पहने हुए धरती पर बीज बोते हुए सामने आया, उसके बाद उसके पीछे एक मनुष्य आता है, जो काले वस्त्र पहने हुए था, बहुत ही चुपके से देखा, और दबे पाँव उसके पीछे–पीछे चल रहा था, जंगली पौधे के बीजों को बो रहा था। और जैसे ही इस बात ने जगह ली, तब मैंने दोनों फसलों को ऊपर आते देखा। और जैसे ही वे ऊपर आए, एक गेहूं था और दूसरा एक जंगली पौधा था।

52 और वहां पर एक अकाल पड़ा, जब, ऐसा दिखाई दिया, उन दोनों ने अपने सिर नीचे झुका दिए थे, बस वर्षा के लिए पुकार रहे थे। उसके बाद धरती के ऊपर एक बड़ा बादल आया, और वहां वर्षा हुई। और गेहूं उठकर खड़ा हो गया और कहा, "प्रभु की स्तुति हो! प्रभु की स्तुति हो!" और जंगली पौधा उठकर खड़ा हुआ और जोर से चिल्ला उठा, "प्रभु की स्तुति हो! प्रभु की स्तुति हो!" वही परिणाम। वे दोनों ही नष्ट हो रहे थे, वे दोनों ही दूर जा रहे थे। और फिर गेहूं ऊपर आता है और प्यासा होता है। और क्योंकि यह उसी खेत में था, उसी वाटिका में, उसी स्थान में, उसी पानी की बौछार के नीचे, वहां गेहूं ऊपर आता है और वहां उसी चीज के द्वारा जंगली पौधे को ऊपर लाता हैं। ध्यान दें, वही अभिषेक का जल गेहूं को उत्पन्न करता है, जंगली पौधे को उत्पन्न करता है।

53 वही पवित्र आत्मा जो कलीसिया को अभिषेक करता है, जो उन्हें प्राणों को बचाने की इच्छा देता है, जो उन्हें आश्चर्य कर्मों को करने की सामर्थ देता है, यह धर्मी के समान ही अधर्मी पर भी उतरता है। वही आत्मा! अब, आप इसे किसी और तरीके से बना कर और मत्ती 24:24 को नहीं समझ सकते हैं। उसने कहा, "झूठे मसीह उठ खड़े होंगे," झूठे, अभिषिक्त लोग। सच्ची चीज के साथ अभिषिक्त, लेकिन वे इसके झूठे भविष्यद्वक्ता होंगे, इसके झूठे शिक्षक होंगे।

54 ऐसी कौन–सी बात है जो किसी मनुष्य को उस सत्य बात का झूठा शिक्षक बनने के लिए प्रेरित करेगी? अब हम कुछ ही मिनटों में पशु की छाप पर जाएंगे, और आप देखेंगे कि यह संप्रदाय है। देखा? झूठे शिक्षक; एक झूठा अभिषेक। अभिषिक्त मसीह, लेकिन झूठे शिक्षक। केवल यही तरीका है कि आप इसे देख सकते हैं।

55 जैसे यहाँ कुछ समय पहले, मैंने इसका उल्लेख किया। मैं इसका हवाला दे सकता हूं क्योंकि हम सारे राष्ट्र भर से जुड़े हुए हैं। एक दिन मैं अपने एक मित्र से बात कर रहा था, आज सुबह जहां यह एरीजोना में आ रहा है। और उसके पास एक—एक खट्टे फलों का खेत था। और उसके पास वहां एक पेड़ था जो कि एक नारंगी का पेड़ था जिसमें अंगूर, और नींबू, चकोतरा, संतरे उग रहे थे। और मैं भूल गया कि उस एक पेड़ पर कितने अलग–अलग फल लगे हुए थे। और मैंने उस—उस—उस व्यक्ति से कहा, मैंने कहा, "यह किस तरह से है? यह किस प्रकार का एक पेड़ है? "

उसने कहा, "ये पेड़, अपने आप में, एक नारंगी का पेड़ है।"

मैंने कहा, "इस पर अंगूर क्यों लग गए हैं? इस पर नींबू क्यों लग गए है? "

उसने कहा, "वे इसमें सांटे गए हैं।"

56 मैंने कहा, "ऐसा है। तो ठीक है, अब," मैंने कहा, "अब, अगले वर्ष जब वह पेड़ फल की दूसरी फसल के साथ आता है," जो कि वे फल सभी लगभग एक ही समय पर पकते हैं, मैंने कहा, "तब यह पूरी तरह से नारंगी को लेकर आएगा। यदि यह एक नाभि से नारंगी का पेड़ है, तो यह नाभि से नारंगी को उत्पन्न करेगा, क्या ऐसा नहीं होगा, महाशय? "

उसने कहा, "नहीं, महाशय। हर एक डाली अपनी जाति के अनुसार लेकर आएगी।"

मैंने कहा, "आपका मतलब है कि नींबू की दाखलता उस संतरे के पेड़ से एक नींबू को लेकर आएगी? "

उसने कहा, "जी हां, महाशय।"

"क्या अंगूर उस संतरे के पेड़ से एक अंगूर को निकालेगा? "

उसने कहा, "जी हां, महाशय। यही उस डाली का स्वभाव है जो इसमें सांटी गई है।"

मैंने कहा, "परमेश्वर की स्तुति हो!"

उसने कहा, "आपका क्या अर्थ है? "

मैंने कहा, "एक और सवाल। अब, क्या वह संतरे का पेड़ कभी फिर से संतरे को लेकर आएगा? "

57 उसने कहा, "जब यह एक और डाली को निकालता है।" जब *यह* दूसरी डाली को लेकर आएगा, ना ही जब इसमें एक डाली को सांटा जाता है। लेकिन, वे सभी खट्टे फल हैं, और वे खट्टे जीवन से जी रहे हैं जो कि खट्टे फल के पेड़ में है।

58 मैंने कहा, "आप वहां हो! मेथोडिस्ट हर बार मेथोडिस्ट को हो लेकर आयेगा। बैपटिस्ट हर बार बैपटिस्ट को ही लेकर आयेगा। कैथोलिक हर बार कैथोलिक को लेकर आएगा। लेकिन जीवित परमेश्वर की कलीसिया मसीह को उत्पन्न करेगी जो जड़ से है, हर बार वचन को, यदि यह कभी अपनी स्वयं की एक और दाखलता को उत्पन्न करता है।"

59 अब, आप इसे वहां पर सांट सकते हैं, आप देखो। हर एक अंगूर, नींबू, चकोतरा, संतरा, जो कुछ भी वे खट्टे फल होते हैं, उनमें से हर एक उस पेड़ में जीवित रह सकता है; लेकिन पेड़ की झूठी गवाही को दे रहा है, पेड़ के द्वारा जीते हुए। आपने इसे समझ गए? वे उस वास्तविक जीवन पर जी रहे हैं और फल–फूल रहे है जो उस पेड़ में है।

60 अब, वहां मत्ती 24:24 है, उसी जीवन के द्वारा जी रहे है, लेकिन वे आरंभ में ही सही नहीं थे। वे उस पेड़ की झूठी गवाही को दे रहे हैं! यह एक नारंगी का पेड़ है, मगर यह एक खट्टे फल का पेड़ है। और वे कहते हैं, "यह कलीसिया, यह संप्रदाय मसीह की गवाही को दे रहा है।" और एक झूठा बपतिस्मा लेते है, वचन की झूठी गवाही को, यह कहने की कोशिश करते है कि परमेश्वर की सामर्थ केवल चेलो के लिए ही थी?

61 यीशु ने स्वयं कहा, "तुम सारे संसार में जाकर और सुसमाचार का प्रचार करो हर एक डाली के लिए जो कभी... पेड़ से कभी भी उत्पन्न होगी, हर एक डाली जो पेड़ में होगी। और ये चिन्ह सच्ची डालियों के पीछे–पीछे जाएंगे।" कहां? जब तक यह एक पेड़ है, जब तक कि यह संसार के अंत तक डलियों को लेकर आ रहा है। "मेरे नाम से वे दृष्ट आत्माओं को निकालेंगे; नई–नई भाषाएं बोलेंगे; सांपों को उठा लेंगे; नाशक वस्तु पी लेंगे; बीमारों पर हाथ रखेंगे और वे चंगे हो जाएंगे।" उस घड़ी को देखा जिसमें हम जी रहे हैं? देखा यीशु ने क्या कहा?

याद रखें, यह अंत के समय पर था, ना ही पीछे वेस्ली के समय में और वहां पीछे। अब, अंत के समय में, इस बात को जगह लेना था।

62 अब वचनों पर ध्यान दे; उन्हें गवाही देने दो। यीशु ने कहा, "वचनों में ढूंढो, क्योंकि उनमें तुम सोचते हो, या विश्वास करते हो, कि तुम्हारे पास अनन्त जीवन है, और वे ही हैं जो मेरी गवाही देते हैं।" दूसरे शब्दों में, यदि यह पेड़ कभी एक डाली को लेकर आता है... "मैं दाखलता हूं, पेड़ हूं; तुम डालियां हो। वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह भी करेगा," संत यूहन्ना 14:12।

अब, "वह जो मुझ में बना रहता है, वह जो... वह जो मेरी आरंभ में जड़ में था।"

63 यही कारण है कि यीशु दाऊद का मूल और वंश दोनों था। वह दाऊद से पहले था, दाऊद में, और दाऊद के बाद, सभी दाऊद का मूल और वंश;

भोर का तारा, शारोन का गुलाब, घाटी की कुमुदनी, अल्फा और ओमेगा; पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा। "उसमें परमेश्वरत्व की देह की परिपूर्णता वास करती है।" सभी दाऊद की मूल और वंश!

64 "वह जो चुना हुआ जीवन है, पहले से ठहराया हुआ जीवन, जो मुझ में है," और वो वचन है, "आरंभ से; जब वह आगे आता है, तो वह मेरे फलों को लाएगा।" संत यूहन्ना 14:12।

लेकिन दूसरे भी उसी चीज के द्वारा जीवित रहेंगे, अपने आप को मसीही और विश्वासी कहते हुए। "ना ही वे सब जो 'प्रभु, प्रभु,' कहते है, उसमें प्रवेश नहीं करेंगे।"

अब, यह बात जगह लेनी है और अंत के दिनों में प्रकट होना है, "जब परमेश्वर के रहस्य समाप्त हो जाएंगे," जैसा कि हम इसे थोड़ी देर बाद ले लेंगे।

65 ये पेड़, सच्ची दाखलता और झूठी दाखलता! आपने मुझे उस पर प्रचार करते सुना है, वर्षों पहले, कैसे वे एक साथ बढ़ गए थे। उन्हें व्यक्तिगत रूप से लाया और दिखाया कि, कैन और हाबिल से, दो दाखलताएं जो एक वेदी पर मिलीं; वे दोनों धार्मिक थे, वे दोनों अभिषिक्त थे, वे दोनों जीवन की इच्छा रखते थे, और एक ही परमेश्वर की आराधना करते थे। और एक को अस्वीकार कर दिया गया था और दूसरे को स्वीकार किया गया था।

66 और केवल एक ही तरीके से उस एक को स्वीकार किया गया था वह अपने भाई से कुछ भिन्न कर सकता था: यह उस पर प्रगट हुआ। क्योंकि बाईबल ने कहा, "विश्वास के द्वारा... " इब्रानियों, 11वां अध्याय, "विश्वास ही से हाबिल ने कैन से बढ़कर उत्तम बलिदान को परमेश्वर के लिए चढ़ाया, जिसकी परमेश्वर ने गवाही दी कि वह धर्मी था।"

यीशु ने कहा, आत्मिक प्रकाशन कि वह कौन था! "लोग मुझ मनुष्य के पुत्र को क्या कहते है? "

उसने कहा, पतरस ने कहा, "तू जीवित परमेश्वर का पुत्र मसीह है।"

67 "धन्य है तू, शमौन—शमौन, योना के पुत्र; मांस और लहू ने इसे तुम पर कभी भी प्रकट नहीं किया। मेरा पिता जो स्वर्ग में है, उसने इसे प्रकट किया है। इस चट्टान पर मैं अपनी कलीसिया को बनाऊंगा," (क्या?) वचन का सच्चा प्रकाशन। वहां फिर से सच्ची दाखलता है। "हाबिल, विश्वास के द्वारा!"

आपने कहा, "यह एक प्रकाशन नहीं था।"

68 विश्वास क्या है? विश्वास कुछ ऐसा है जो आप पर प्रगट हुआ है; यह अभी तक नहीं है, लेकिन आप विश्वास करते हो कि यह होगा। विश्वास परमेश्वर की इच्छा का एक प्रकाशन है। इसलिए, प्रकाशन के द्वारा!

69 और आज यहाँ तक कलीसियाये आत्मिक प्रकाशन में भी विश्वास नहीं करती। वे किसी व्यवस्था के मत–सिद्धांत की शिक्षा में विश्वास करते हैं। "प्रकाशन के द्वारा हाबिल ने परमेश्वर को कैन से उत्तम बलिदान चढ़ाया, जिसकी परमेश्वर ने गवाही दी कि वह धर्मी था।" आमीन। मैं आशा करता हूं कि आप इसे समझेंगे। देखा हम कहाँ पर रह रहे हैं? इस घड़ी को देखा?

मैं कुछ समय पहले मैं एक—एक सज्जन व्यक्ति से बात कर रहा था, एक मसीही विद्वान और सज्जन व्यक्ति। उसने कहा, "महाशय ब्रन्हम, हम सभी प्रकाशनों को अस्वीकार करते हैं।"

मैंने कहा, "तब तो आपको यीशु मसीह को अस्वीकार करना होगा, क्योंकि वह परमेश्वर का प्रकाशन है, परमेश्वर मनुष्य देह में प्रकट हुआ।" जब तक आप इसे देख नहीं लेते, आप नाश हुए हैं।

70 यीशु ने कहा, "यदि तुम यह विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूं, तुम अपने पाप में मर जाओगे।" वो परमेश्वर का प्रकाशन है, परमेश्वर का आत्मा मनुष्य के रूप में प्रकट हुआ। आप इसका विश्वास नहीं कर सकते, आप नष्ट हो गए हैं। यदि आप परमेश्वर को छोड़ कोई एक तीसरा व्यक्ति, दूसरा व्यक्ति, और कोई और व्यक्ति मान लेते है, तो आप नष्ट हुए हैं। "जब तक तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वही हूं, तुम अपने पापों में मर जाओगे।" एक प्रकाशन!

71 कोई आश्चर्य नहीं कि वे उसे नहीं देख सके। "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे ना खींच ले। और वे सब जो पिता ने मुझे दिया है," जड़ों में, "मेरे पास आयेंगे।" देखा? आप इसे पकड़ पा रहे है? ओह, हमें कैसे उससे प्रेम करना चाहिए, उसकी आराधना करनी चाहिए, उसकी स्तुति करना चाहिए; कि अंत के दिनों में आत्मा के फल को देखकर, और दुल्हन के पेड़ को समय के ऊपर परिपक्व होते हुए देखकर!

72 सच्ची दाखलता और झूठी दाखलता, दोनों के पास एक ही अभिषेक था। पानी उन दोनों पर गिरा। कोई आश्चर्य नहीं कि उसने हमें चेतावनी दी, "यदि संभव हो तो यह चुने हुए को भी भरमा देगा।"

ध्यान दें, वे एक से दिखते हैं। वे एक ही तरह से अभिषिक्त हैं। लेकिन ध्यान दें, "उनके फलों के द्वारा... " आप इसे कैसे जानते हैं?

73 आप कैसे जानते हैं कि यह एक नारंगी नहीं है? क्योंकि यह अंगूर को उत्पन्न कर रहा है। वह दाखलता तो सही है, यह पेड़ में जीवित रहती है, लेकिन यह एक अंगूर को ला रही है। यह पहली डाली के जैसी नहीं है।

74 और यदि एक कलीसिया कहती है कि वे "यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं, वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, " और उसकी सामर्थ का इन्कार करते है, उसके कामों का इन्कार करते है, उसके वचन का इन्कार करते है; यदि—यदि... कलीसिया जो यीशु मसीह में विश्वास करती है, यीशु मसीह के कामो को करेगी, उसमें यीशु मसीह का जीवन होगा। और यदि ऐसा नहीं है, कोई फर्क नहीं पड़ता यदि जीवन को इसमें उंडेला भी जा रहा है, यदि यह पहले से ठहराई हुई नहीं है, तो यह हर बार अंगूर के फल को उत्पन्न करेगा, या कुछ तो भिन्न फलों को। लेकिन यदि यह पहले से ठहराया हुआ जीवन है, जड़ों में, यह यीशु मसीह को कल, आज और युगानुयुग को उत्पन्न करेगा, यदि यह वचन जड़ में से होकर ऊपर आ रहा है। जो कि, वो जड़ है, समय का आरंभ है।

75 ध्यान दें, लेकिन जो वे उत्पन्न करते हैं, वही आपको अंतर बताता है। "उनके फलों से," यीशु ने कहा, "तुम उन्हें पहचानोगे।" "मनुष्य ऊंटकटारे से अंगूर को एकत्र नहीं करते है," भले ही वह ऊंटकटारे ठीक अंगूर की दाखलता में हो। यह संभव हो सकता है, लेकिन इसका फल ही बता देगा।

76 फल क्या है? वचन, क्योंकि वो–... उस ऋतु के फल। यही है ये, जो उनकी शिक्षा है। किस बात की शिक्षा? ऋतु की शिक्षा, कि यह कौन सा समय है। मनुष्य का सिद्धांत, सांप्रदायिक सिद्धांत, लेकिन, या इस ऋतु के लिए परमेश्वर का वचन?

77 अब, समय इतनी जल्दी निकल जाता है, कि हम इसे लंबे समय तक ले सकते है। लेकिन मुझे यकीन है कि आप जो यहां उपस्थित हैं, और मुझे यकीन है कि आप पूरे राष्ट्र भर में, इसे समझ सकते हैं, जो मैं आपको बताने की कोशिश कर रहा हूं, क्योंकि हमारे पास इस पर बने रहने के लिए अधिक समय नहीं है।

78 लेकिन आप देख सकते हैं कि अभिषेक अधर्मी पर आता है, झूठे

शिक्षको पर, और उन्हें ठीक वही करने का कारण बनता है जो परमेश्वर ने उन्हें नहीं करने से मना किया था; लेकिन वे इसे किसी भी तरह से करेंगे, जो भी हो। क्यों? वे ऐसा करने के लिए ख़ुद को रोक नहीं सकते। कैसे एक काँटेदार पौधा होने के अलावा कुछ भी और क्या बन सकता है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उस पर कितनी अच्छी बारिश हुई हो, इसे तो एक काँटेदार पौधा ही होना है। यही वो कारण है कि यीशु ने कहा, "वे इतने एक समान होंगे कि यह चुने हुओ को भी भरमा दे," जो कि जड़ों में है, "यदि यह संभव होता था," लेकिन यह संभव नहीं है। एक गेहूँ कुछ भी नहीं कर सकता गेहूँ को उत्पन्न करने के अलावा; ये यही सब उत्पन्न कर सकता है।

79 ध्यान दें। याद रखें, परमेश्वर संगठन का रचयिता नहीं है। शैतान संगठन का रचयिता है। मैंने इसे वचन के द्वारा साबित किया है, यहाँ–वहाँ से, और बार–बार और बार–बार; मुझे आज सुबह उसमें नहीं जाना पड़ेगा। हम जानते हैं कि परमेश्वर ने कभी भी लोगों को इस तरह से एक साथ संगठित करके, कोई संगठन को नहीं बनाया। अंतिम चेले की मृत्यु के सैकड़ों वर्षों बाद, इससे पहले कि उनके पास कभी पहला संगठन होता था। यह हमेशा ही असफल साबित हुआ है। यदि ऐसा नहीं है, तो आज हम मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, कैथोलिक और सभी प्रेम में क्यों नहीं हैं? परमेश्वर के कार्य हमारे पीछे–पीछे क्यों नहीं आ रहे हैं, जबकि, हर एक कलीसिया उसी बात पर है, अर्थात वचन पर? वे बातें जो मनुष्य को अलग करती है, भाईचारे को... हम पहले से कहीं अधिक परमेश्वर से दूर हो गए हैं, वे कलीसियाये, जिसके बारे में बोल रही है।

80 अब, हमें यह बताया गया है, "सारी पुरानी बातें हमारे उदाहरण के लिए घटित हुई, हमारी शिक्षा के लिए, फटकार, चेतावनी के लिए है।" जो पुराने नियम की सारी पुरानी बातें घटित हुई, पूर्वछाया थी, यह देखने के लिए कि नए नियम में क्या होगा, हमारे दिनों में।

81 ठीक वैसे ही जैसे यदि आपने अपना कभी हाथ न देखा हो, और आप ऊपर की ओर देखते है और आप दीवार पर हाथ की एक छाया को देखते है, जैसे मेरा हाथ प्रकाश से बनाएगा। यदि उस छाया में (जब नेगेटिव में) पाँच उंगलियाँ दिखाई दें, और आप अपने हाथ को आगे बढ़ाये (पॉजिटिव बनाते हुए), नेगेटिव की ओर—की ओर बढ़ायें, तो उसमें भी पाँच उंगलियाँ

ही होंगी।

82 जैसा कि बाईबल हमें बताती है, कि, "पुराना नियम एक छाया है, नई चीजों का नमूना है, या वे चीजें जो आने वाली थी; ना ही वे चीजें जो है, लेकिन यह एक छाया है, उन चीजों का एक नमूना जो आने वाली है।"

83 आइए हम पीछे जाकर और देखें कि क्या यह चीज कभी किसी और युग में थी। क्या आप इच्छुक है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो हम जानेंगे, ताकि इसे साबित करे, यहां–वहां से और पीछे, वचन के द्वारा; ना ही किसी मनुष्य के विचार के द्वारा, ना किसी मत–सिद्धांत के द्वारा।

84 मैं परवाह नहीं करता कि वह कौन है; कोई दूसरा व्यक्ति, मैं ख़ुद या कोई भी और हो, "यदि वो व्यवस्था और भविष्यद्वक्ताओं के अनुसार नहीं बोलता है, तो उसमें कोई उजियाला नहीं है।" समझे? यही है जो बाईबल ने कहा। "हर एक मनुष्य का शब्द झूठा ठहरे, और मेरा सच्चा ठहरे," चाहे वह कोई भी हो।

अब आइए हम पीछे जायेंगे और देखेंगे कि क्या ऐसा कभी हुआ है, कि हमें एक उदाहरण को दिखाए।

85 हम अब वापस निर्गमन की किताब में जा सकते हैं, और मूसा नाम के एक चरित्र के बारे में बात करेंगे, जो कि परमेश्वर का भेजा हुआ एक अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता था, जो उसकी पीढ़ी के लिए परमेश्वर के वचन और परमेश्वर की इच्छा के साथ था। जैसा कि परमेश्वर का वचन हमेशा निरंतरता में चलता है, उसने कहा, "वो कुछ भी नहीं करता जब तक वो इसे पहले अपने भविष्यवक्ताओं पर प्रकट ना कर दे।" तब उसने इसे किया। उह–हुंह।

अब, वह झूठ नहीं बोल सकता। वह झूठ बोलकर और परमेश्वर नहीं हो सकता। नहीं, महाशय। उसे सच्चा बना रहना ही है। उसमें कोई झूठ नहीं है। वह...

86 और वह इसे बदल नहीं सकता। यदि वह बदलता है, तो फिर वह परमेश्वर नहीं है; उसने एक गलती की। उसे अनंत होना ही है। और अनंत कोई गलती नहीं कर सकता है। समझे? तो जो कुछ भी परमेश्वर कभी कहता है, वह अनंत काल के लिए सही होता है। देखा? और उसने इसकी

प्रतिज्ञा की है। इसलिए, ध्यान दे, बाईबल में ऐसा कहीं कोई स्थान नहीं है जहाँ वो बात निरंतरता में आगे बढ़ते हुए ठीक उसी सत्य से न जुड़ती हो।

87 अब, परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि उसका बीज एक—एक पराए देश में चार सौ वर्षों के लिए अजनबी होकर रहेगा, और तब वह उसे एक बड़े शक्तिशाली और सामर्थी हाथों के द्वारा बाहर निकालेगा, लोगों के बीच अपने चिन्ह और अद्भुत कार्यो को दिखाएगा जिनके साथ वे रहते थे। प्रतिज्ञा का समय नजदीक आ गया। लोग इसके बारे में भूल गए थे। उनके पास फरीसी और सदूकी लोग, और इत्यादि, संप्रदाय थे। लेकिन, अचानक से, वहां पर अकेला परमेश्वर आया और उनमें से किसी भी चीज से, बाहर, दूर ले गया।

88 परमेश्वर ने कभी भी, किसी भी दिन या किसी भी समय में, कभी भी एक भविष्यव्यक्ता को एक संप्रदाय में से नहीं लिया। नहीं, महाशय। वह इतना उलझा हुआ होता है, वो इसे नहीं कर सकता; उसे उस संप्रदाय के साथ ही बने रहना होगा।

89 मूसा, परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक मनुष्य था, परमेश्वर के वचन के साथ, और इस्राएल को प्रतिज्ञा के देश में ले जाने की अपनी यात्रा पर, सख्ती से परमेश्वर की आज्ञा के साथ, वह दूसरे भविष्यव्यक्ता से मिला, एक और अभिषिक्त मनुष्य जिस पर उसी पवित्र आत्मा का सच्चा अभिषेक था वही जो मूसा पर था। यह सही है। वह एक भविष्यव्यक्ता था। पवित्र आत्मा इस मनुष्य पर था। उसका नाम बालाम था। हम सभी उससे परिचित हैं। तो ठीक है, वही बातें, वही, वे बातें—वे बातें जो उस मनुष्य ने कही, अब भी जगह ले रही है, लगभग अट्ठाईस सौ वर्ष पहले। "तू एक गेंडे के समान है, हे इस्राएल। जो कोई तुझे आशीष देगा वो आशीषित होगा। जो कोई भी तुझे शाप देगा, वह शापित होगा। हे याकूब, तेरा बल, शक्ति, तेरे तंबू कितने धर्मी है!" देखो, वह अपनी सहायता नहीं कर सकता था। वह अपने ह्रदय में इस उद्देश्य से आया था कि लोगों को शाप दे।

90 ओह, तुम झूठे शिक्षकों जो इन सारे वर्षों में इन टेपों को सुन रहे हो, और देखते हुए परमेश्वर ठीक वही पुष्टि करता है जो उसने कहा, और आप अपने अध्ययन में बैठकर और जानते हो कि यह सच्चाई है; और आपके संप्रदायिक मतभेदों के कारण, तुम उनसे विवाद करते हैं और अपने लोगों को यह बताते हो कि वे ऐसे नहीं हैं। तुम पर हाय! तुम्हारा समय निकट है।

91 बालाम, उसी आत्मा से अभिषिक्त था जो मूसा पर था। क्या अंतर था? मूसा की शिक्षा सिद्ध थी। बाईबल ने यहां दूसरे पतरस में कहा, कि यह "बालाम की शिक्षा" थी जिसे इस्राएल ने ग्रहण किया, जिसे परमेश्वर ने कभी क्षमा नहीं किया। ना क्षमा होने वाला पाप! उनमें से एक भी नहीं बचा, हालांकि वे परमेश्वर की आशीषों के नीचे से बाहर आए थे, और इस सामर्थी भविष्यद्वक्ता के द्वारा परमेश्वर के हाथ को काम करते हुए देखा, और इसे ठीक-ठीक परमेश्वर के द्वारा प्रमाणित होते देखा। और, क्योंकि, एक और भविष्यव्यक्ता के विपरीत एक शिक्षा के साथ अंदर आया, और मूसा के साथ वाद-विवाद किया, और लोगों को यह साबित करने की कोशिश की कि मूसा गलत था। और दातान, कोरह, और उनमें से बहुत से लोग, उसके साथ सहमत हुए और इस्राएल के बच्चों को व्यभिचार करना सिखाया, उसके संगठन के पीछे जाने के लिए, कि, "हम सभी एक समान हैं।"

"चाहे हम मेथोडिस्ट हो, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, या पेंटीकोस्टल, और जो भी हो, हम सभी एक समान हैं।"

92 हम एक समान नहीं है! आप एक अलग किए हुए लोग हो, प्रभु के लिए पवित्र, वचन और परमेश्वर की आत्मा के प्रति समर्पित, ताकि इस दिन में उसकी प्रतिज्ञा के फल को उत्पन्न करे। और आप उनमें से नहीं है! मैं जानता हूं कि यह बहुत ही सख़्त है, लेकिन यह सच्चाई बस बिल्कुल उसी तरह से है। इस अंतिम दिनों में एक सेवा के लिए समर्पित! "इसमें से बाहर आओ।"

93 अब, "बालाम की शिक्षा," ना ही बालाम की भविष्यवाणी। यह सब ठीक था। यह परमेश्वर था। कितने लोग यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] बालाम की भविष्यवाणी बिल्कुल सही थी, क्योंकि वह और कुछ भी नहीं बोल सकता था। परमेश्वर का अभिषेक कुछ भी और नहीं बोलेगा, और परमेश्वर ने इसे साबित करने के द्वारा प्रमाणित किया कि यह सत्य था। लेकिन यह "बालाम की शिक्षा" थी।

अब इसकी तुलना मत्ती 24:24 से करें। अभिषिक्त जन, लेकिन उनकी शिक्षा झूठी है। त्रिएकता, और इस तरह की सारी चीजें; गलत, मसीह विरोधी है!

94 मैं आशा करता हूं कि आपकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंची है। और

उसे बंद मत करना, उन फोन को बंद मत कर देना। और उठकर और बाहर मत जाना। बस शांत बैठे रहे, और आइए देखें कि क्या पवित्र आत्मा इसे हम पर प्रकट नहीं करेगा, और इसे हमारे लिए साबित नहीं करेगा। कहते है, "लेकिन यह... " बस आप जो भी विश्वास करते हैं, बस शांत बैठे रहे और सुनें। और परमेश्वर से मांगे कि आपके ह्रदय को खोले, तब आप पायेंगे कि क्या आप एक जंगली पेड़ है, या एक ऊंटकटारे, या जहाँ कहीं भी आप खड़े हुए हैं। समझे?

95 अब, यहां तक कि यहूदा, "वो दोषी ठहराने के लिए पहले से ठहराया गया था," वहां यीशु के सामने बैठा हुआ था। और यीशु ने उसे बताया, "तू ही वो एक है। जो कुछ भी तुम करने जा रहे हो, और जो कुछ भी तुमको करना है, जाकर इसे जल्दी से करो।" वह जानता था कि वह क्या कर रहा है, लेकिन, उन चांदी के तीस सिक्कों के लिए, और लोकप्रियता के लिए, प्रभु यीशु मसीह को बेच दिया। उसके चेलों में से एक, कलीसिया का खजांची, यीशु ने उसे अपना "मित्र" कहा। समझे? बाईबल ने कहा, "वह विनाश का पुत्र होकर जन्मा था," ठीक वैसे ही जैसे यीशु परमेश्वर का पुत्र होकर जन्मा था। "यदि संभव हो तो चुने हुओ को भी भरमा दे।"

96 और अधिक ध्यान देना जब हम अध्ययन करते है। हम एक और उदाहरण को लेंगे, राजाओं की किताब में से। वहां एक—एक भविष्यव्यक्ता था, और उसका नाम मिकायाह था। वह इम्ला का पुत्र था, और वह एक भविष्यव्यक्ता था। वो था।

97 और वहां एक और भविष्यव्यक्ता था, जो भविष्यव्यक्ताओं के एक संगठन का प्रमुख था, अभिषिक्त लोगों का। बाईबल ने कहा कि वे "भविष्यव्यक्ता" थे, बिल्कुल उसी तरह जैसे उसने कहा कि बालाम एक भविष्यव्यक्ता था, अभिषिक्त लोग।

और उनमें से एक मिकायाह नाम का मनुष्य था, जिसे परमेश्वर ने अभिषिक्त किया था और परमेश्वर के द्वारा भेजा गया था, परमेश्वर के वचन के साथ।

98 वहां एक था, सिदकिय्याह, जिसने सोचा कि उसे परमेश्वर के द्वारा भेजा गया था। वह परमेश्वर का अभिषिक्त था, लेकिन उसकी शिक्षा परमेश्वर के वचन के विपरीत थी। "उठो, झूठे मसीहो, बड़े–बड़े चिन्ह दिखाओ, यदि संभव हो तो चुने हुए को भरमा दो।"

99 ध्यान दें, वे दोनों ही, वे दोनों ही अभिषिक्त थे। अब, आप कैसे बता सकते हैं कि कौन सही है, और गलत है? देखो वचन ने आहाब के लिए क्या प्रतिज्ञा की है। वह भविष्यव्यक्ता जो उसके सामने था, जो कि एलिय्याह था, उस युग के महानतम भविष्यव्यक्ताओ में से एक, जो एक प्रमाणित भविष्यवक्ता था। उस प्रमाणित नबी ने कहा, कि, "क्योंकि आहाब ने यह दृष्टता के काम को किया था, कि कुत्ते उसके लहू को चाटेंगे; नाबोत के जीवन को लेते हुए। और कि वे कुत्ते इजेबेल को खायेंगे, और... उसकी लोथ को खेतों में खाद की तरह फेंका जाएगा।" अब, आप कैसे आशीषित कर सकते हैं जिसे परमेश्वर ने शापित किया है? या आप कैसे शाप दे सकते हैं, जैसा कि बालाम ने कहा, जिसे परमेश्वर ने आशीषित किया है? देखा?

100 लेकिन ये भविष्यव्यक्ता सच्चे थे। इसमें कोई संदेह नहीं था लेकिन वे क्या ही भले मनुष्य थे, सम्मानीय मनुष्य। क्योंकि, इस्राएल में एक भविष्यव्यक्ता होने के लिए, आपको अवश्य ही सम्मानिय होना है, या एक इस्राएली भी होना है। यदि नहीं तो आपको पत्थरवाह किया जाता था। वे सम्मानिय मनुष्य थे। वे चतुर पुरुष थे। वे शिक्षित पुरुष थे। वे आहाब के राष्ट्र में चुने हुए लोग थे। (इसे देखा, बहन राइट?) राष्ट्र के चुने हुए, अच्छी तरह से फिट थे उस...

और अब, जब मिकायाह ने उसका दर्शन देखा, तो वह अपने हृदय में जान गया कि वचन ने क्या कहा था, लेकिन वह यह देखना चाहता था कि उसमें का आत्मा क्या कहता है।

101 इसलिए उन्होंने उसे बताया, उन्होंने कहा, "तुम भी वही बात कहो जो ये दूसरे भविष्यव्यक्ता कहते हैं। और जब तुम ऐसा कहते हो, क्यों, तुम्हें, हम तुम्हें फिर से संगति के अंदर ले लेंगे, कोई संदेह नहीं। समझे? हम तुम्हें हम में से एक बना देंगे। हम तुम्हें वापस हमारे संप्रदाय में ले जायेंगे। तुम... हम जानते हैं कि तू एक भविष्यव्यक्ता हैं, लेकिन तू हमेशा ही शापित चीजों को बोलते हो। तुम हमेशा ही आहाब को शाप देते हो। अब, सिदकिय्याह, मुख्य व्यक्ति, पोप, या... " वह जो कुछ भी था। "अब उसने आहाब को आशीष दी है, और कहा है, 'जाकर इसे करो।' अब तुम उसी बात को कहना, इम्ला। क्यों, तुम बस एक निर्धन व्यक्ति हो। शायद, तुम्हारे पास कोई सभा के लोग भी नहीं होंगे, बिल्कुल भी नहीं। और इन लोगों के पास

लाखों लोग है। सारा राष्ट्र उनके लिए है। अब तुम वैसा ही कहो जैसा वे कहते हैं, देखो तुम जो करोगे, तुम—तुम देश के धनी लोगों को हड़प लोगे।" वह वहां गलत व्यक्ति से बात कर रहा था!

क्या होता यदि ऐसा कहा गया होता, "क्या तुम सिदकिय्याह में कोई दोष ढूंढ सकते हो, मिकायाह? "

"नहीं।"

"क्या तुमने कभी उसे पाप करते हुए पकड़ा है? "

"नहीं।"

"क्या तुमने कभी उसे किसी को गाली देते हुए सुना है? "

"नहीं।"

"क्या तुमने कभी उसे शराब पीते पकड़ा है? "

"नहीं।"

"क्या तुम उसकी शिक्षा पर तर्क कर सकते हो? "

"नहीं।"

"क्या तुम्हें लगता हैं कि उसकी डॉक्टर की डिग्री झूठी है? "

"नहीं।"

"क्या तुम्हें विश्वास हैं कि उसकी—उसकी पीएच.डी. की डिग्री सही है? "

"निश्चय ही। प्रशासनिक परिषद के द्वारा, मुझे लगता है यह पूरी तरह... परिषद ही है, मुझे लगता है यह पूरी तरह सही है।"

"तो, फिर, तुम उसके साथ जुड़ते क्यों नहीं? "

"क्योंकि वो वचन से दूर है!"

102 तो ठीक है, हमारे पास तब इसका एक निर्णायक मुकाबला होगा, एलिय्याह की तरह, जो इससे पहले भविष्यव्यक्ता था। और यदि तुम परमेश्वर की संतान हो, तो तुम इस बाईबल के भविष्यव्यक्ता के साथ बने रहोगे। यह वचन है। इस घड़ी, ऋतु पर ध्यान दो।

तो ठीक है, क्या हो यदि सिदकिय्याह कहता है, "ओह, मैं जानता हूं कि भविष्यव्यक्ता ने ऐसा कहा है, लेकिन यह आगे आने वाली पीढ़ी के लिए है। यह अब से लंबे समय बाद के लिए है"?

उसने कहा, "रुको जब तक मैं परमेश्वर की ओर से एक दर्शन को ना देख लू, और तब मैं तुम्हें बताऊंगा।"

कहा, "तो तुम उसी बात को कहोगे? "

उसने कहा, "मैं केवल वही कहूंगा जो परमेश्वर कहता है; कुछ भी और नहीं, कुछ भी और नहीं। मैं इसमें एक शब्द भी नहीं जोड़ सकता, या इसमें से एक वचन भी नहीं निकाल सकता हूं।"

इसलिए उस रात, प्रार्थना में, प्रभु एक दर्शन में उसके पास आया। वह अगली सुबह बाहर आया, उसने कहा...

वहां दो भविष्यव्यक्ता है!

103 राष्ट्र में सबसे महान व्यक्ति, सेना में और राष्ट्रीय दृष्टि में, सिदकिय्याह था। वह राजा के द्वारा नियुक्त मुख्य भविष्यव्यक्ता था। वह संगठन के द्वारा नियुक्त दूसरे सभी भविष्यद्वक्ताओं का प्रमुख था। वह उसके संगठन के द्वारा नियुक्त किया गया था, उन सब का प्रमुख था; शायद सबसे अच्छा पढ़ा–लिखा, सबसे अच्छा शिक्षित, उस काम के लिए अधिक योग्य था। और वह पवित्र आत्मा से अभिषिक्त था, क्योंकि उसे एक "भविष्यव्यक्ता" कहा जाता है। निश्चय ही, ना ही केवल एक साधारण भविष्यव्यक्ता, वह एक इब्रानी भविष्यव्यक्ता था। अब उस पर ध्यान दे।

104 सिदकिय्याह ने कहा, "प्रभु मुझसे बोला, 'मेरे लिए लोहे के ये दो सींग बनाओ,' एक चिह्न।" एक भविष्यव्यक्ता अक्सर चिन्हों को देता है। "उसने कहा, 'इन लोहे के सींगों को बनाओ।' पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा, 'इसे ले लो,' वह अभिषेक जिसने मुझे आशीषित किया।" यह एक बलिदान के रूप में ना समझना, लेकिन एक बात को समझाने के लिए है। "पवित्र आत्मा जो मेरे द्वारा अन्य जुबान में बोलता है, वो एक जिसने मुझे प्रमाणित किया है, उसने कहा, 'इन सींगों को ले, और, इसके द्वारा, राजा को बताओ कि वह सीरिया को देश से बाहर कर देगा। और मैं उसे उस देश को वापस दे दूंगा जो वास्तव से इस्राएल का है, अर्थात कलीसिया का।'"

105 भाई, यह बहुत ही मूल बुनियादी बात है, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि बालाम यहाँ पर था। बालाम बिल्कुल ठीक मूल बुनियादी रूप से उतना ही बोल रहा था जितना मूसा था। मूसा... परमेश्वर की सही संख्या सात है। और बालाम ने कहा, "मेरे लिए सात वेदियां बनाओ; सात शुद्ध बलिदान, बैल और सात मेढ़े।" यह चीजें परमेश्वर के पुत्र के आगमन के विषय में

बता रही है। बुनियादी मूल रूप से, वो उन में से किसी के भी समान बस उतना ही सही था।

106 और यहाँ सिदकिय्याह है, बिल्कुल मूल रूप से उतना ही सही है, "क्योंकि यह देश हमारा है। क्यों, वे सीरियायी और पलिश्तियों वहां पर अपने बच्चो और इत्यादि का पेट भर रहे है, जो हमारे शत्रु है, और हमारे बच्चे उसी भोजन के बिना रह जाते हैं! जब कि, परमेश्वर ने हमें इस देश को दिया था!"

107 भाई, यह एक अच्छा तर्क है। मुझे लगता है कि वह इस्राइली के सामने चिल्ला सकता है, और वे जितना जोर से हो सके, चिल्ला सकते थे। अब, मैं आज की ही बात कर रहा हूं। मैं आशा करता हूं कि आप मुझे समझ रहे हैं। सारे चिल्ला रहे थे, चीख रहे थे!

108 पिछले रविवार आपको दाऊद के विषय में याद है? देखा? आप जो वहां रेडियो के देश में, मेरा मतलब इस टेलीफोन संचार के द्वारा जुड़े है; आपको पिछले रविवार का संदेश नहीं मिला, तो उसे जरुर प्राप्त करें। *बिना ठहराये हुए परमेश्वर की सेवा करने का यत्न करना,* कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कितना सच्चा, अच्छा है, यह पूरी तरह से परमेश्वर के द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है। समझे?

अब, यहाँ सिदकिय्याह था, वो सोच रहा था कि वो सही है।

मिकायाह ने कहा, "मैं परमेश्वर से पूछूंगा।" इसलिए वह अगली सुबह **यहोवा यों कहता है** के साथ नीचे आया। उसने अपने दर्शन को वचन के साथ जांचा।

अब यदि उसने सिदकिय्याह से कहा होता, "क्या तुम जानते हो कि बाईबल के भविष्यव्यक्ता ने यहां क्या कहा कि इस व्यक्ति के साथ क्या होगा? "

109 "लेकिन ना ही इस समय पर, क्योंकि यह मनुष्य एक सम्मानित व्यक्ति है। वह कोशिश कर रहा है।" इसे समझने से चूकना नहीं। "वह कलीसिया में उन चीजों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है जो कलीसिया की है। वह उसकी संपत्ति को वापस करने की कोशिश कर रहा है," ना ही आत्मिक बातें; यदि ऐसा होता, तो वह उस सारे राष्ट्र को हिला देता जैसे एलिय्याह ने किया। लेकिन, उन्हें भौतिक चीजें देने की कोशिश कर रहे हैं, "हमारे पास खुद की संपत्ति है। हम एक बड़ा संगठन है। हम इससे संबंध

रखते हैं। हम सभी, आप सारे लोग, आप प्रोटेस्टेंट, सभी को हमारे साथ जुड़ना चाहिए।" उह–हुंह।

110 हम इस बात पर थोड़ी देर में आ रहे हैं। "जो भी हो, यह सब भाई और बहन है।" ऐसा नहीं है! ना कभी हुआ था और ना कभी होगा, वास्तविक सच्ची परमेश्वर की कलीसिया के साथ। नहीं हो सकता!

111 ध्यान दे, उसने दर्शन को देखा। और इसलिए उसने कहा, "परमेश्वर ने मुझसे बात की।" अब, देखो, वह मनुष्य सच्चा था। उसने कहा, "परमेश्वर ने कहा, 'इन सींगों को बनाओ, और वहां उस राजा के सामने जाकर और पश्चिम की ओर धकेल दो,'" या जिस भी दिशा में वह देश स्थित था जहाँ पर वे खड़े हुए थे। "'धक्का दो, और यह **यहोवा यों कहता है** वाला वचन होगा, कि वह विजय को प्राप्त करने जा रहा है और वापस आएगा, जो कलीसिया के लिए एक विजय होगी।' वो उन्हें बाहर खदेड़ देगा!" यह बात काफी सही लगती है, क्या ऐसा नही है? फिर समस्या क्या थी?

यहाँ मिकायाह नीचे आया। उससे कहा, "अब तुम अपनी भविष्यवाणी को दो।"

"आगे बढ़ो! लेकिन मैं इस्राएल को भेड़ों की तरह तितर–भीतर देखता हूँ, बिना चरवाहे के।" उफ़! बिल्कुल उल्टा।

112 अब, आप सभा के लोग है। अब कौन सा एक सही है? वे दोनों ही, भविष्यव्यक्ता है। केवल एक ही तरीका है कि आप उनमें अंतर को बता सकते हैं, वो है, इसे वचन के द्वारा जांचना।

कहा, "तुम्हें यह कैसे मिला? "

उसने कहा, "मैंने परमेश्वर को सिंहासन पर बैठा हुआ देखा।" कहा, "मैंने उसके चारों ओर सारी सभा को देखा।"

113 अब याद रखें, सिदकिय्याह ने तभी कहा था कि उसने भी परमेश्वर को भी देखा, उसी आत्मा में। "मैंने परमेश्वर को देखा। उसने मुझसे कहा कि इन सींगों को लोहे में—में से बना। वहां जाकर और राष्ट्रों को यहां से बाहर कर दो, क्योंकि यह हमारा है। दूसरों का इसमें रहने का कोई अधिकार नहीं है।" वे ऐसा करते यदि वे ठीक परमेश्वर के साथ बने रहते। उनके पास यह होता था, लेकिन वे परमेश्वर से दूर हो गए।

114 इसी तरह से यह संगठन है, अर्थात कलीसिया। उसे इन सब बातों का अधिकार प्राप्त है, लेकिन आपको इनसे वंचित कर दिया गया है, क्योंकि आप परमेश्वर के वचन और परमेश्वर के आत्मा से दूर हो गए हैं, अभिषेक से, कि उस ऋतू के वचन को प्रमाणित करें। आप इस संदेश को समझने से चूकना मत।

115 ध्यान दें कि अब क्या बात ने जगह ली। उसने कहा, "मैंने परमेश्वर को देखा," मिकायाह ने देखा, "स्वर्ग में सिंहासन पर बैठा हुआ है। उसके सभा के लोग उसके चारों एकत्र हुए थे। उसने कहा, 'हम में से कौन नीचे जाकर आहाब को भरमा सकते हैं, कि एलिय्याह के वचनों को सच्चा बनाये, मेरा भविष्यव्यक्ता जो प्रमाणित हुआ था। मैंने बोला कि वह आएगा। और एलिय्याह के पास मेरा वचन था। और आकाश और धरती टल जायेंगे, लेकिन मेरा वचन कभी नहीं टलेगा। मैं परवाह नहीं करता कि वे कितने भी आधुनिक हो जाए, या वे कितने भी अच्छे हो जाये, या वे कितने शिक्षित हो जाये, या वे कितने भी बड़े क्यों न हो जाये, मेरे वचन कभी असफल नहीं होंगे।'

116 "और एक झूठ बोलने वाली आत्मा अधोलोक से निकलकर आयी, अपने घुटनों के बल गिर पड़ी, और कहा, 'यदि आप मुझे अनुमति दे, मैं उन्हें अपना अभिषेक दे सकता हूं, उन्हें कोई भी चिन्ह या आश्चर्यकर्म करवा सकता हूं, बस इतना हो कि मैं उन्हें परमेश्वर के वचन से दूर कर दूँ। उसे यह भी पता नहीं चलेगा कि यह आपका वचन है। वो इसे लोकप्रियता के लिए इस पर ध्यान भी नहीं देगा।'" भाई, समय नहीं बदला है। भाई नेविल, यह सच है। आप याद रखें, यह सच है। "'मैं उस पर आऊंगा, उससे वही काम करवाऊंगा जो बाकी के लोग करते हैं। मैं उससे भविष्यद्वाणी करवाऊंगा, और झूठ बुलवाऊँगा।'" यह झूठ कैसे हो सकता है? क्योंकि यह वचन के विपरीत था।

117 आप इनमें से किसी भी झूठे बपतिस्मा को लेते हैं, झूठे *फलां–और–फलां–और–फलां,* मैं परवाह नहीं करता कि यह कितना वास्तविक सुनाई पड़ता है, तो वे कितना भी नकल करने की कोशिश करें, यदि यह इस घड़ी के परमेश्वर के वचन के विपरीत है तो यह झूठ है। बिल्कुल ऐसा ही है।

आप कहते हैं, "ठीक है, हमारे बीच में, अच्छा, हमने *यह* किया, और हम *यह* करते हैं, और हमारी कलीसिया *इस* तरह से और *उस* तरह से

है।"

118 मैं परवाह नहीं करता कि यह क्या है। यदि यह इस घड़ी के लिखित वचन के विपरीत है, तो यह एक झूठ है। परमेश्वर का इससे कोई लेना–देना नहीं होगा, कोई फर्क नहीं पड़ता कितना सच्चा, कितना शिक्षित, कितना चतुर, यह कितना सच्चाई से भरा, यह कितना उचित दिखाई पड़ता है, यदि यह इस घड़ी के वचन के विपरीत है। हम कुछ ही मिनटों में यदि समय हमें अनुमति दे हम इसकी गहराई में जायेंगे। यदि हम नहीं लेते हैं, तो हम इसे आज रात फिर से ले लेंगे।

119 ध्यान दें, वह ईमानदार, भला मनुष्य था, इसमें कोई संदेह नहीं। और उसने कहा... तब, अन्यथा, मिकायाह ने उससे कहा, सीधे उसके मुंह पर नहीं, लेकिन दूसरे शब्दों में, "तुम एक झूठी आत्मा से अभिषिक्त हो।" क्या किसी बिशप से ऐसी बात कहना कोई छोटी बात है? लेकिन उसने इसे कह दिया।

120 और इसलिए यह बिशप वहां चलकर आया और कहा, "तुम अब और संगति में नहीं रहोगे," और उसके चेहरे पर थप्पड़ मारा। कहा, "तू जानता हैं कि मैं एक प्रमाणित मनुष्य हूं। मेरी कलीसिया ने मुझे इसका प्रमुख बनाया है, इस चीज का। परमेश्वर के लोगों के लोकप्रिय वोट ने मुझे यह बनाया है। मेरे संगठन ने मुझे यह बनाया है। और परमेश्वर ने हमें यह देश दिया है, और वह इसके लिए चाहता है कि यह हमारा हो। और मेरे पास **यहोवा यों कहता है,** है।" उसे थप्पड़ मारा, और कहा, "परमेश्वर की आत्मा जब इसने मुझे छोड़ा तो किस ओर चला गया?"

121 मिकायाह ने कहा, "तुम इन्हीं किन्ही दिनों में एक दिन पाओगे," जब कैलिफोर्निया उस ओर वहां समुद्र के नीचे होगा, और, या, लॉस एंजिल्स, "तुम देखोगे कि यह किस ओर चला गया जब तुम भीतर कैदखानों में बैठे रहोगे।"

122 अब, आहाब, तुम क्या कहने जा रहे हो? "मैं अपने भविष्यव्यक्ता पर विश्वास करता हूं," उसने कहा। क्या होता यदि उसने बस वचन में ढूंढा होता? देखो, वह अपने आप को शापित नहीं देखना चाहता था। मुझे सुनना! वह अपने आप को शापित नहीं देखना चाहता था। कोई भी व्यक्ति नहीं चाहता।

123 और मेरे संगठनात्मक भाई, यही समस्या आपके साथ है। आप यह

सोचना चाहते हो कि आप सही हो, जब कि, आप अपने हृदय में जानते हो, जब आप "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के नाम से बपतिस्मा देते हैं, तो आप झूठ बोल रहे हैं। आप जानते हो जब आप उन बातों के बारे में कहते हो जो आप कर रहे हैं, और आरंभिक प्रमाण को लेते हो, और इस प्रकार की सारी बातें, आप गलत हैं। कैसे वह आरंभिक प्रमाण अन्य जुबान में बोलना हो सकता है, और फिर इस घड़ी में परमेश्वर की प्रतिज्ञा के विपरीत कैसे बोल सकते हो? यह कैसे हो सकता है? आप शाप को नहीं चाहते, आप क्या चाहते हैं? लेकिन *यहाँ* पर ऐसा लिखा है, ऐसा ही होगा। यही पशु की छाप है, इतना समीप कि यदि हो सके तो चुने हुओ को भरमा दे।

124 हर एक चिन्ह, हर एक आश्चर्यकर्म, अभिषिक्त मनुष्य, भविष्यवाणी, सब प्रकार की बातें घटित हो रही है, सभी प्रकार के चिन्ह, सभी प्रकार के आश्चर्य कर्म, आप किस तरह से अंतर को बता पायेंगे? इस घड़ी के लिए वचन पर ध्यान दें। इसी तरह से आप लेते हैं...

मूसा पर ध्यान दें, वह कैसे बालाम को बता सकता था। यहां मिकायाह को देखें, हम कैसे जानते हैं कि वह सही था? उसके सामने वचन ने आहाब के लिए इसकी भविष्यवाणी की थी।

125 और वचन, हमारे सामने, इस दिन के लिए इन संगठनों की भविष्यवाणी की है, और यह शाप उन पर है। और वे बातें जो उसकी सच्ची अभिषिक्त कलीसिया के द्वारा स्थान लेगी, उसके पास वचन होगा, एक वचन दुल्हन। हम यहां है। आज ये यहां पर है, ठीक जैसा कि तब था।

126 बाईबल ने कहा, "दो या तीन गवाहों के मुंह से हर एक बात प्रमाणित की जाए।" मैंने बालाम के विषय में बोला, मैंने बालाम के विषय में और मूसा के विषय में बोला, और मैंने अब मिकायाह और सिदकिय्याह के विषय में बोला, अब मैं एक और के लिए बोलने जा रहा हूं, जो कि, वहां सैकड़ों है, लेकिन एक और लेता हूं, ताकि तीन गवाह को बनाऊं। मेरे पास यहाँ उनमें से एक पूरी श्रृखंला लिखी हुई है, लेकिन समय बचाने के लिए।

127 यिर्मयाह जो एक प्रमाणित, बहिष्कृत, लेकिन परमेश्वर का प्रमाणित भविष्यव्यक्ता था। उन्होंने उस व्यक्ति से घृणा की, उन्होंने उस पर पके हुए फलों को फेंका, और हर एक चीज को किया, और उसने उन पर शाप डाल दिया। और जो–जो काम उसने किए, अपनी करवटों पर लेटकर जो कुछ किया, और जो–जो चिन्ह दिए, और दिखाया कि इस्राएल गलत था।

128 हर एक भविष्यव्यक्ता, सच्चा भविष्यव्यक्ता जो कभी संसार में ऊपर आया, कलीसिया के उन संप्रदायिक संगठनों को शाप दिया। ना बदलने वाले परमेश्वर के द्वारा, इसे कैसे बदल सकता है?

129 पवित्र आत्मा इस घड़ी का भविष्यव्यक्ता है, वह उसके वचन को प्रमाणित कर रहा है, इसे साबित कर रहा है, पवित्र आत्मा मूसा की घड़ी का भविष्यव्यक्ता था, पवित्र आत्मा मिकायाह की घड़ी का भविष्यवक्ता था। पवित्र आत्मा, जिसने वचन को लिखा, आकर और वचन की पुष्टि करता है।

अब मिकायाह के समय में क्या हुआ? आहाब मारा गया था, और परमेश्वर के वचन के अनुसार कुत्तों ने उसका लहू चाटा।

130 तुम सब झूठे शिक्षकों, **परमेश्वर यों कहता है**: किसी दिन तुम वही काटोगे जो तुम बो रहे हो, तुम अंधे अंधों की अगुवाई करते हो! मैं गुस्से में नहीं हूं, मैं तो बस आपको एक सच्चाई बता रहा हूं। और मैंने यह नहीं कहा होता, यदि, यहाँ ऊपर, उस कमरे में यदि पवित्र आत्मा ने यह नहीं कहा होता, "इसे इस तरह से कहो।" क्या मैंने कभी तुम्हें कुछ ऐसा गलत बताया है, जिसे परमेश्वर ने इसे सही साबित किया है? मेरे भाइयों, जागो, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए!

131 लेकिन मुझे यह कहने दो। कैसे एक कांटा जाग कर और एक कांटेदार झाड़ी बन सकता है, जबकि यह पहले से इसी के लिए ठहराया गया था? चुने हुए लोग इसे देखने से कैसे चूक सकते है? क्योंकि, आपको इसे देखने के लिए चुना गया हैं। "वह सब जिसे पिता ने मुझे दिया है वे आयेंगे," यीशु ने कहा, "लेकिन उनमें से कोई भी नहीं आ सकता जब तक कि उसने इसे मुझे जगत की बुनियाद डालने से पहले नहीं दिया हो, जब उनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे गए थे," ना कि एक कलीसिया के पादरी के रजिस्टर पर, लेकिन पुस्तक पर, मेमने की जीवन की पुस्तक पर।

ध्यान दें, यिर्मयाह उठ खड़ा हुआ, लोगों के सामने प्रमाणित किया, फिर भी उन्होंने उससे घृणा की।

132 और सो वे बाहर चले गए और उसने एक जूआ बनाया, और उसे अपनी गर्दन पर रख दिया, और लोगों के सामने चला गया। उन्होंने कहा, "ओह, हम परमेश्वर के महान लोग हैं। क्यों, हम इस्राएल है। हम अपने आराधनालय में बहुत ही ईमानदार लोग हैं! हम हर रविवार को उपस्थित

होते हैं, हम, हम बलिदानों को चढ़ाते हैं, और हम हमारे पैसे को डालते हैं। कैसे नबूकदनेस्सर कभी परमेश्वर की पवित्र चीजों को पकड़ कर रख सकता है? " ओह! आपके पापों ने इसे किया था।

133 परमेश्वर ने कहा, "यदि तुम मेरी आज्ञाओ का पालन करोगे, तो मैं ऐसा नहीं करूंगा। लेकिन, यदि तुम नहीं करते हो, तो यह तुम्हारे लिए आ रहा है।" यह बिल्कुल सही है। अब भी वैसा ही है। उसकी आज्ञाओं का पालन करें, उसका वचन उस घड़ी के लिए, जो उसने प्रतिज्ञा की है।

134 अब ध्यान दें। अब, यिर्मयाह, परमेश्वर की इच्छा से, प्रमाणित भविष्यव्यक्ता, हालांकि घृणित... उन में से हर एक जन से उनके दिनों में घृणा की गई थी। उन्होंने उस दिन के संप्रदाय के विपरीत बहुत ही विचित्र काम को किए, हर एक जन ने उससे घृणा की, यहाँ तक कि राजा ने भी और बाकी के हर एक चीज। इसलिए उसने उसकी गर्दन पर एक—एक जूआ को रखा, और कहा, "**यहोवा यों कहता है**। वे सत्तर वर्षो के लिए वहां पर होने जा रहे हैं," क्योंकि उसके पास परमेश्वर के वचन से समझ थी। "सत्तर वर्ष!"

135 तब हनन्याह, हनन्याह, मैं समझता हूं कि आप इसका उच्चारण करते हैं, एच–ए–एन–ए–एन–आय–ए–एच। हनन्याह, लोगों के बीच से एक भविष्यव्यक्ता था, जिसने आकर, यिर्मयाह की गर्दन से जुए को लिया, और उसे तोड़ दिया। और कहा, लोगों के बीच में एक बड़ा व्यक्ति बनने के लिए, देखो, जब वह परमेश्वर के वचन के विपरीत बोल रहा था। और उसने कहा, "दो वर्ष में वे वापस आ जायेंगे। **यहोवा यों कहता है**।"

दो अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता। उनमें क्या अंतर था? एक के पास बोलने के लिए वचन था, और दूसरे के पास नहीं था। यिर्मयाह ने कहा, "आमीन।"

136 सारे प्राचीनो और सभा के लोगों के सामने, सारे इस्राएल के, देखो, वह यह दिखाना चाहता था कि वह बस यर्मयाह जितना बड़ा हो सकता है। "तुम जानते हो कि वह किसी भी तरह से तुम्हें पसंद नहीं करता हैं। वैसे ही मैं भी एक भविष्यव्यक्ता हूं। जो तुम हो उससे बढ़कर मैं एक भविष्यव्यक्ता हूं, क्योंकि तुम एक झूठी भविष्यवाणी कर रहे हो। तुम मुझे बताते हो कि परमेश्वर के लोग *ऐसी–और–ऐसी* चीज के नीचे होंगे? "

137 यही है जो वे आज कहते हैं, लेकिन आप वहां पर एक कलीसिया के रूप में बिल्कुल उसी तरह से रहेंगे। आप एक शाप के साथ शापित हो।

आप सारी कलीसियाये, संप्रदाय जो परमेश्वर के वचन के बजाए उनके रीति रिवाजों को पकड़े हुए है, आप परमेश्वर के द्वारा शापित है।

138 अब ध्यान दें, यहां पर वो आता है। हनन्याह ने अपनी गर्दन से इस जुए को उतारा, जो परमेश्वर का प्रतीक था, इसे तोड़ दिया, और कहा, "**यहोवा यों कहता है**। दो वर्ष में वे वापस लौटेंगे।" सिर्फ एक दिखावा करने के लिए, "मैं *फलां–और–फलां* हूं।" क्योंकि वह खड़ा हुआ था, वो एक संगठनात्मक भविष्यव्यक्ता था।

यिर्मयाह एक जंगल में रहने वाला मनुष्य था जो अपने आप में रहता था। वो हर समय उनके विरुद्ध बुरी भविष्यवाणी करता था, क्योंकि वे दुष्ट थे।

139 और यह मनुष्य उन्हें कह रहा था, "ओह, जब तक तुम संबंध रखते हो तब तक तुम सही हो। जब तक तुम इस्राएल हो, यही सब आवश्यक है। देखो, तुम, हम... परमेश्वर ऐसा नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि यहां कुछ तो जरा सा हुआ है, लेकिन घबराओ मत, डरना नहीं।"

140 ओह, भाई, वे आज भी जीवित है। "चिंता मत करो, सब कुछ ठीक है। हमारे पास सब कुछ नियंत्रण में है। हम कलीसिया है।" आप ऐसा मत सोचो। जी हां।

141 इसलिए उसने कहा, "सब कुछ ठीक है। वे दो वर्ष में वापस आएंगे। यही एक छोटी सी बात हुई है। यह कुछ भी असामान्य नहीं है। हमारे पास यह है। बस नबूकदनेस्सर यहाँ ऊपर आया, लेकिन हमारा परमेश्वर इस सब का ध्यान रखेगा।"

142 लेकिन वचन ने कहा कि वे वहां पर सत्तर वर्ष तक रहेंगे; यहाँ तक कि वह पीढ़ी धूमिल हो चूकी थी, और दूसरी पीढ़ी आ गई। चालीस वर्ष एक पीढ़ी होती है। "यह लगभग दो पीढियां होती है जो तुम वहां पर होने जा रहे हो।" और यिर्मयाह ने इसे परमेश्वर के वचन के अनुसार कहा।

हनन्याह ने उसे तोड़ दिया! यिर्मयाह ने कहा, "तो ठीक है। आमीन। लेकिन, हनन्याह, हमें इस बात को याद रखना है, हम दोनों भविष्यव्यक्ता हैं। हम सेवक हैं।"

143 और मैं तुमसे यह कहता हूं, मेरे भाई। आओ हम याद करे कि हमसे पहले भविष्यव्यक्ता आए थे, और उन्होंने राज्यों के विरोध में भविष्यवाणी

की, और उन्होंने कुछ–कुछ बातों के विरुद्ध में भविष्यवाणी की। लेकिन, स्मरण रखें, जब भविष्यवक्ता ने कुछ भी कहा, तो उसे अवश्य ही वचन के अनुसार भविष्यवाणी करनी चाहिए। जैसे मिकायाह, और मूसा, और बाकी के वे सारे। यह अवश्य ही वचन के अनुसार होना चाहिए। यदि ऐसा नहीं करते है, तो याद रखना क्या हुआ।

144 तब, हनन्याह, उसका धार्मिक क्रोध उठ खड़ा हुआ। "मैं हनन्याह हूं" (कोई संदेह नहीं), "प्रभु का भविष्यवक्ता, और मैं कहता हूं, 'दो वर्ष।'" दूसरे शब्दों में, "मैं परवाह नहीं करता कि वचन क्या कहता है।" उसका अभिषेक, "मैं कहता हूं, 'दो वर्ष, वे वापस आयेंगे।'"

145 यिर्मयाह उसके सामने से चला गया, बाहर चला गया, कहा, "प्रभु, मैं परवाह नहीं करता कि उसने क्या कहा, मैं अब भी विश्वास करता हूं और जानता हूं कि वचन ऐसा कहता है। मैं आपके प्रति सच्चा बना रहूंगा। मैं उसके द्वारा भरमाया नहीं जाऊंगा।"

146 परमेश्वर ने कहा, "जाकर हनन्याह से कह, 'अगला जुआ मैं इसे लोहे से बनाऊंगा।'" क्योंकि उसने ऐसा किया, वह धरती पर से उठा लिया गया, हनन्याह को, यह उसी वर्ष हुआ।

ये हमारे उदाहरण है, दोनों भविष्यव्यक्ता। इस समय पर और भी बहुत कुछ कहा और बोला जा सकता है।

147 लेकिन ध्यान दे। यीशु ने कहा, कि, इस अंत के समय में, फिर से, ये दो आत्माएं एक साथ फिर से बहुत ही नजदीक होंगी। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अब ध्यान दे। यह उससे भी अधिक नज़दीक होगा जो पहले था। यह अंत का समय है। ओह, बच्चों! परमेश्वर हम पर दया करे! इतना तक, "यह इतना वास्तविक भी होगा कि यदि हो सके तो यह चुने हुए को भी भरमा देगा।" अब आप कैसे जाकर... हमने इसे उन दिनों में किस तरह से बताया? आज आप इसे किस तरह से बताने जा रहे हैं? उसी तरह, वचन के साथ बने रहे, "यीशु मसीह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।"

148 अब इस सारे संदेश पर ध्यान रखे। और जब आप टेप को सुनते हैं, यहां तक कि हो सकता है किसी दिन मैं चला जाऊंगा, जब प्रभु का काम मेरे साथ धरती पर पूरा हो जाएगा, आप इसका उल्लेख करेंगे। मेरी आवाज को सुनेंगे, जो मैं आपको बता रहा हूं। यदि वह मुझे उसके आगमन से पहले

ले लेता है, बस याद रखना, मैंने प्रभु के नाम में, प्रभु के वचन के द्वारा आपसे बोला है। जी हाँ।

149 ध्यान दें, "कुल मिलाकर इतने नज़दीक होगा कि यह चुने हुओ को भी भरमा दे यदि यह संभव हो," उन्हीं चिन्हों को करेगा, वही अद्भुत कार्य, उसी आत्मा के द्वारा। क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] बिल्कुल वैसे ही भविष्यव्यक्ता थे जिनके बारे में हमने अभी बात की थी, भविष्यद्वक्ता। अब, यह भी लिखा है...

आइए इसे निकालेंगे, इस एक को, यदि आप चाहें तो, दूसरा तीमुथियुस 3। आइए हम इसे ना छोड़े। और मैं नहीं चाहता...

150 मैं वहां उस घड़ी की ओर देख रहा हूं, और मैं—मैं इसमें से बहुत कुछ छोड़ना चाहता हूं, और मैं नहीं सोचता कि हमें इसे अभी लेना चाहिए। समझे? ध्यान दें। बस... यदि मैं यहां पर खड़ा हूं, जैसे मुझे पसीना आ रहा है, देखो, लेकिन मैं खुश हूं। और मैं जानता हूं कि यह सत्य है। दूसरा तीमुथियुस 3:8।

151 पौलुस, वो मनुष्य जिसने कहा, "यदि एक दूत स्वर्ग से आकर और जो मैंने कहा है उसके आलावा कोई और शब्द बोलता है, उसे शापित होने दो," अब, एक दूत नीचे आता है। यह दूसरा थिस्सलुनीकियो... ओह, मुझे क्षमा करें।

152 दूसरा तीमुथियुस 3:8 में ध्यान दें। देखो पौलुस अब बोल रहा है। आइए लगभग... आइए पहले पद से आरंभ करें, और अब ध्यान से सुने। आप लोग जिनके पास अपनी बाईबल है, मेरे साथ पढ़े। आप जिनके पास बाईबल नहीं है, ध्यान से सुने। वो...

यह भी जानता है, कि अंतिम दिनों में...

इसे रेखांकित करें, "अंतिम दिनों में।" यही है जब यह होने जा रहा है।

... कठिन समय आएंगे। (हम इसी में हैं।)

क्योंकि मनुष्य ख़ुद को चाहने वाले स्वार्थी, धन के लोभी, डींगमार, अभिमानी, निन्दक, माता–पिता की आज्ञा टालनेवाले, कृतघ्न, अपवित्र,

153 इस झुंड की ओर देखे जो आज हमारे पास है, अर्थात सड़ा हुआ। यहां तक कि बाहर सड़क पर वे पुरुष, युवा पुरुष, उनके माथे पर उनके बालों को नीचे की ओर लटकाते है, जैसे एक महिला की तरह लटे होती है। बिगड़ा हुआ रूप! वे सदोमी!

154 क्या आपने इस वर्ष में पढ़ा है, इस महीने का *रीडर्स डाइजेस्ट*? कहा, "अमरीकी लोगों की उम्र जो कि," मैं सोचता हूं ये थी, "बीस से पच्चीस वर्ष के बीच की उम्र, वे पहले से ही अपनी अधेड़ अवस्था में है।" वे समाप्त हो चुके हैं! वे सड़े हुए हैं! विज्ञान यह कहता है कि, एक पुरुष और एक महिला जो अपनी मध्य उम्र की आयु में है, जब वे अभी भी अपने शुरुआती बीस–पच्चीस की उम्र के आयु में होते हैं। तब उनका शरीर इतना दूषित और अशुद्धता के वश में हो चुका होता है।

ओह, अमेरिका, कितनी बार परमेश्वर तुम पर मंडराया होगा, लेकिन अब तेरा समय आ गया है! तू संसार को गंदगी में अगुवाही करता हैं।

... निन्दक, माता–पिता की आज्ञा टालने वाले, कृतघ्न, अपवित्र,

स्वाभाविक प्रेम *रहित है,...*

यहां तक ना ही एक दूसरे के लिए सच्चा प्रेम है, पुरुष का स्त्री से, स्त्री का पुरुष से। "ना ही यहाँ तक स्वाभाविक प्रेम है।" गंदगी, कामुकता है!

... क्षमा रहित, झूठा दोष लगाने वाले, असंयमी, कठोर, और *वे जो भले है उनके बैरी,*

155 दूसरे शब्दों में, कहते है, "तुम पवित्र शोर मचाने वालो का झुण्ड हो।" किसी ने एक दिन किसी से यहाँ कलीसिया में आने के विषय में पूछा। कहा, "वहां मत जाना। यह सब शोर–शराबा और हंगामा करने वाला एक बड़ा झुंड है।"

देखो, "उन से बैर करने वाले।"

विश्वासघाती, हठी, अभिमानी, और परमेश्वर के नहीं वरन सुखविलास *ही के चाहने वाले होंगे;*

आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम, यह साम्यवादी है।" अगला पद क्या कहता है?

भक्ति का भेष तो धरेंगे, लेकिन (क्या?) *उसकी शक्ति का इन्कार करते हैः* (वो वचन, यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है, प्रगट हुआ, इस दिन की प्रतिज्ञा)...

बिल्कुल ठीक हनन्याह की तरह, बिल्कुल ठीक सिदकिय्याह की तरह, बिल्कुल ठीक बालाम की तरह, वहाँ पीछे, उन दूसरे झूठे भविष्यव्यक्ताओं की तरह।

वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, (अभिषिक्त... देखा?)

एक रूप धरते है, (अभिषिक्त, वे नियुक्त किए गए सेवक...)

वे भक्ति का भेष तो धरेंगे, लेकिन उसकी शक्ति को न मानेंगे (कि वह कल, आज एक सा है, और... उसके वचन का इन्कार करते है!)

156 कैसे उन्होंने उस दिन में यीशु का इन्कार किया? जब उन्होंने यीशु का इन्कार किया तो उन्होंने किसका इन्कार किया? वचन का। वे धार्मिक लोग थे। उन्होंने अपनी बाईबल से सिखाया, लेकिन वर्तमान के वचन का इन्कार किया।

157 वे आज क्या हैं? वही चीज, अभिषिक्त किए हुए, पेंटीकोस्ट के सुसमाचार का प्रचार कर रहे है, लेकिन आज के दिन की प्रतिज्ञा का इन्कार करते है जो वचन प्रमाणित हुआ है, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" क्या आप इसे देखते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

इन्हीं में से वे लोग हैं, जो घरों में दबे पांव घुस आते हैं, और... उन दुर्बल स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो पापों *से दबी और हर प्रकार की अभिलाषाओ के वश में हैं,*

158 "हमारी सिलाई की पार्टियां और हमारे *फलां–और–फलां* की।" कोई वचन का गलत अनुवाद करने की कोशिश करता है, और यह कहता है, "इसमें कोई बात नहीं, बहन, तुम्हारे लिए छोटे बाल को रखना। उस मूर्ख की ओर ध्यान ना दें। देखा? या, यदि तुम—तुम *इसे* पहनती हो; यह *ऐसा* नहीं है 'जो मनुष्य के हृदय से निकलता है, वही उसे अशुद्ध करता है।'" समझे? और क्या आपको एहसास हैं कि आप एक दुष्ट, कामुक, गंदी आत्मा से अभिषिक्त हैं? ध्यान रखे, हो सकता है आप छोटे बालो के साथ

गीत गानेवालों के समूह में गाते हो, लेकिन आपके पास एक दुष्ट आत्मा है। यह वचन के विपरीत है। ये सही बात है। यही है जो बाईबल ने कहा। और आप कहते हैं, "तो ठीक है, मैं छोटे कपड़े पहनती हूं। यह मुझे दोषी नहीं ठहराता है।"

"जो कोई भी, यदि कोई स्त्री ऐसे वस्त्र पहनती है जो पुरुष से संबंधित है, तो यह परमेश्वर की दृष्टि में घृणित बात है।" न बदलने वाले परमेश्वर ने यह कहा है।

159 ओह, बहुत सारी बातें है, हम बस कैसे इसमें से होकर जा सकते हैं? हमारा समय निकल जाएगा। लेकिन आपका इतना जानना काफ़ी है कि जान ले क्या सही है और क्या गलत है। और मैं कैसे उन्हें इसे करने को लगा सकता हूं? मैं इसे कैसे कर सकता हूं? कहते है, "तो ठीक है, आप किस बात के लिए चिल्ला रहे हैं? " मैं आपके विरोध में एक गवाह हूं। किसी दिन, न्याय के दिन में, आपके पास छिपने के लिए कोई कोना भी नहीं होगा।

160 मिकायाह इसे कैसे रोक सकता था? मूसा कैसे कर सकता था, वो चिल्ला रहा था, इसे रोकने की कोशिश कर रहा था? और यहोशू और वे लोग लोगों के बीच में भाग–दौड़ कर रहे थे? और लेवी ने यहाँ तक अपनी तलवार को बाहर निकाला, और उन्हें घात किया? वे बस वैसे ही चलते रहे।

161 इसकी भविष्यवाणी की गई है कि वे इसे करेंगे। और वे इसे करने जा रहे हैं, क्योंकि यह **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन है कि वे इसे करने जा रहे हैं। आप सोचते हैं कि वे पद पर नियुक्त कभी टूटेंगे, उनके संप्रदाय वचन की ओर वापस लौटेंगे? यह **यहोवा यों कहता है**, वे नहीं लौटेंगे! क्या वे मसीह–विरोधी में चले जाएंगे? बिल्कुल। यह **यहोवा यों कहता है**, वे जायेंगे! "तो आप किस बारे में बोल रहे हैं? " मुझे एक गवाह होना है, और वैसे ही आपको भी होना है, सारे विश्वासी। ध्यान दे।

... मूर्ख स्त्रियां... हर प्रकार की अभिलाषाओं के वश में हैं,

"तो ठीक है, बाकी सारी महिलाये करती है।" झूठे भविष्यव्यक्ता! अब सुनना। झूठे भविष्यव्यक्ता, जिसके विषय में मैं बोल रहा हूं। अब वे अंतिम दिन में क्या करेंगे?

... मूर्ख स्त्रियों का नेतृत्व... जो अनेक प्रकार की अभिलाषाओं में फंसी हुई है,

"तो ठीक है, मैं बाकी की सारी महिलाओं को जानता हूं... " तो ठीक है, आगे बढ़े।

162 मैं यहाँ कैलिफोर्निया में इस बड़ी घटना से पहले मैंने क्या कहा था? "आप लोग जो यहां लॉस एंजिल्स में हैं, हर वर्ष जब मैं वापस आता हूं तो वहां अधिक बाल कटी हुई स्त्रियां होती हैं और पहले स्थान पर जो थे उससे अधिक कायर पुरुष, और अधिक प्रचारक संगठन में जा रहे थे। आप बिना किसी बहाने के नहीं हों! यदि वे महान कार्य सदोम और अमोरा में किए गए होते थे, तो ये आज भी बना रहता। ओह, कफरनहूम, तुम जो अपने आप को दूतों के नाम से पुकारता है, लॉस एंजिल्स!" देखा क्या हो रहा है? वो ठीक समुद्र की तलहटी में जा रहा है। कब? मैं नहीं जानता कि यह कब जाएगा, लेकिन यह जाएगा। आप युवा लोग, यदि मैं इसे अपने दिन में नहीं देखता हूं, तो आप नज़र रखना। वह जा चुका है!

और सदा सीखती तो रहती है,... पर सत्य की पहचान तक कभी नहीं पहुंचतीं।

अब यहाँ अचंभित करने वाली बात है, यहाँ अचंभित करने वाला भाग है। इसे सुनना।

अब जैसे यर्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया था, वैसे ही ये भी सत्य का विरोध करते हैं: ये तो ऐसे मनुष्य हैं, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है वे विश्वास के विषय में निकम्मे हैं, जो एक बार संतों को दिया गया था, अवश्य ही।

"विश्वास के विषय में।" "और वह पूर्व–पिताओं के विश्वास को, मेरा मतलब बालकों के, वापस पूर्व–पिताओं की ओर फेरेगा।"

163 "विश्वास के विषय में निकम्मा।" उह! क्या आप जानते हो कि *निकम्मे* का क्या अर्थ होता है? " यदि आपके पास एक स्कोफिल्ड बाईबल है, तो वहाँ एक शब्द *एच* है। ठीक वहां पर, कहता है, "विश्वास से भटका हुआ।" एक विश्वास से भटका हुआ, इसका यही अर्थ है।

164 अब, बस एक मिनट। मैं यहां ऊपर कुछ तो देखना चाहता हूं। मैं सोचता हूं कि मैंने यहां पर ठीक लिखा है। मुझे पक्का नहीं है, लेकिन मैं

इसे कहना चाहता हूं, और इससे पहले कि मैं—मैं इसे कहूं देखूंगा। अब, बस एक मिनट। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] "सच्चाई के विषय में निक्कमा, विश्वास के विषय में।" "विश्वास," वहां केवल एक ही विश्वास है। बिल्कुल सही। "विश्वास के विषय में, निकम्मे!"

अब मैं लूका 18 पढ़ना चाहता हूं। बस एक मिनट। आप नहीं... आप इसे लिख सकते हैं; आपको पढ़ने की आवश्यकता नहीं है।

और उस ने उन से इस विषय में *एक दृष्टान्त कहा, कि मनुष्य* सदा *प्रार्थना करते रहे, और... साहस नहीं छोड़ना चाहिए;*

कहते हुए—कहते हुए, किसी नगर में एक न्यायी रहता था, जो न परमेश्वर से डरता था, और न *किसी मनुष्य की* परवाह करता था*:*

और उसी *नगर में एक विधवा भी रहती थी; और जो उसके पास आ आकर कहा करती थी,* मेरा *न्याय चुकाकर मुझे मुद्दई से बचा।*

और उसने कितने समय तक तो न माना—और उसने नहीं माना: परन्तु अन्त में *मन में विचार कर कहा, यदपि मैं न परमेश्वर से डरता, और न मनुष्यों की कुछ परवाह करता हूं;*

फिर भी यह विधवा मुझे सताती *रहती है, इसलिए मैं उसका न्याय चुकाऊंगा, कहीं ऐसा न हो कि... घड़ी–घड़ी आकर अन्त को मेरी नाक में दम करे।*

और प्रभु ने कहा, सुनो कि यह अधर्मी न्यायी क्या कहता है।

और क्या परमेश्वर अपने... चुने हुओं का न्याय न चुकाएगा, जो रात–दिन उसकी दोहाई देते रहते, *और क्या वह उनके विषय में देर करेगा?*

मैं तुमसे कहता हूं वह तुरन्त उनका न्याय चुकाएगा। पर मनुष्य का पुत्र जब आएगा, तो क्या वह पृथ्वी पर विश्वास पाएगा?

165 अब यही सवाल है। यही है जहां मैं इसे लेना चाहता था: प्रकाशितवाक्य 10 में (हम इसे कुछ ही मिनटों में लेने जा रहे हैं, दूसरे वचन का उल्लेख करते हुए।), उसने कहा, "सातवे दूत के सन्देश देने के दिनों में, परमेश्वर का रहस्य समाप्त हो *जाएगा*।" यहां वो सवाल है, ये, यदि आप इस घड़ी में

उसी लीक पर चलते हैं, तो क्या यह समाप्त हो *जाएगा*? "क्या मैं विश्वास को पाऊंगा? " क्या मलाकी 4 इस समय में पूरा होगा, "बालको के विश्वास को वापस लौटायेगा, वापस पूर्व–पिताओ के विश्वास की ओर फेरेगा, मूल, वचन पर"? देखा?

166 "निंदा करने वाले, यम्ब्रेस और यर्नेस, जैसे उन्होंने विरोध किया।" अब, यह भी सुनना, दूसरा तीमुथियुस 3:8। "जैसा कि... मूसा का विरोध किया, अंत के दिनों में भी यही निकम्मे लोग आयेंगे, " अब देखें कि यहाँ ये कहाँ पर कहता है, "भक्ति का भेष धरते है, " अभिषिक्त जन। अब आइए हम बस... आप वापस जाए और—और जब आप घर पहुंचे तो इसे पढ़ें, जिससे कि मैं इसे आज सुबह को ही समाप्त कर सकूं, यदि मैं कर सकता हूं। "विषय में निकम्मे लोग... " ना ही जीवन को जीने में—में—में निकम्मे; वे अच्छे, सभ्य लोग होते है।

167 अब ध्यान दे, जब मूसा **यहोवा यों कहता है** के एक सन्देश के साथ मिस्त्र में चला गया, और प्रमाणित हुआ था; इस्राएल को बुलाया, जो कि एक लोग थे, ना कि एक कलीसिया। इस्राएल एक लोग थे; वे कभी एक कलीसिया नहीं थे। क्योंकि, *कलीसिया* शब्द का अर्थ होता है "बाहर बुलाए गए लोग।" वे परमेश्वर के लोग थे। फिर जब वे वचन के नीचे अभिषिक्त हो जाते, और बाहर बुलाए गए, तो वे परमेश्वर की कलीसिया बन जाते है। और फिर पीछे हट गए, क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के वचन का विश्वास नहीं किया, और एक झूठे भविष्यव्यक्ता को सुना। मैं आशा करता हूं कि यह अंदर जा रहा है।

168 इस्राएल, परमेश्वर के लोग होने पर, परमेश्वर के हाथ के नीचे से बाहर आए, वचन के साथ अभिषिक्त... परमेश्वर की सामर्थ के साथ, परमेश्वर के चिन्हों और अद्भुत कार्यो को देखा। और फिर जब परमेश्वर उनके साथ आगे बढ़ रहा था, एक झूठा भविष्यव्यक्ता आया, अभिषिक्त, और परमेश्वर के मूल वचन के विपरीत कुछ सिखाया जिसे उन्होंने सुना था; और उन में से हर एक जन जंगल में नष्ट हो गया, सिवाय तीन लोगों के। अब इसे पकड़े रहना।

169 "जैसा कि यह नूह के दिनों में था, जब जल के द्वारा आठ प्राण बचाए गए थे, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" "जैसा कि यह लूत के दिनों में था, जहां तीन लोग सदोम में से बाहर निकले, ऐसा ही उस

समय में होगा जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा।" मैं केवल वचन का हवाला दे रहा हूं, प्रभु का वचन, जो, "आकाश और धरती टल जाएंगे... " यह कुछ ही संख्या में होंगे!

170 यहां ध्यान दें। मूसा हारून के पास गया। मूसा को परमेश्वर होना था। परमेश्वर ने उसे परमेश्वर बनने के लिए कहा, कहा, "तू परमेश्वर है, और तेरा भाई हारून तेरा भविष्यव्यक्ता हो। यदि तुम अच्छी तरह से नहीं बोल सकते हो तो तुम उसके मुंह में वचनों को डाल देना।" कहा, "लेकिन किसने मनुष्य को गूंगा बनाया? किसने मनुष्य को बोलने को लगाया? " प्रभु ने किया।

171 और वह चलकर वहां गया। उसने क्या किया? उसने एक सच्चा और न्यायोचित अद्भुत कार्य किया जो परमेश्वर ने उसे करने के लिए कहा था। परमेश्वर ने उसे बताया कि, "जाकर अपनी लाठी को नीचे फेंकना।" इसे उठाया, और यह एक सर्प था। उसने उसे उठा लिया, और वापस लाठी में बदल गया। कहा, "जाकर फिरौन के सामने ऐसा करो, और कहो, '**यहोवा यों कहता है**।'"

172 और जब फिरौन ने यह देखा, हम कहते हैं, "क्यों, ये कितनी घटिया जादू की चाल है।" कहा, "इसमें कुछ भी नहीं है। यह मानसिक मनो को पढ़ना है या ऐसा ही कुछ तो और है, तुम जानते हो। हमारे पास हमारे संगठन में ऐसे लोग हैं जो इसी काम को कर सकते हैं। 'यहां आओ, बिशप *फलां–और–फलां।* और, तुम, तुम यहाँ सामने आ जाओ।' हमारे पास ये लोग है जो इसी काम को कर सकते हैं।" यह शैतान था जो फिरौन के जरिए से बात कर रहा था।

यह परमेश्वर था जो मूसा के जरिए से बात कर रहा था।

173 लेकिन देखो यह व्यक्ति बाहर आता है। यर्नेस और यम्ब्रेस मूसा के सामने आए, और लोगों के सामने सार्वजनिक रूप से, और हर एक अद्भुत कार्य को किया जो मूसा कर सकता था। "वे यदि हो सके तो चुने हुओ को भी भरमा देंगे।" सही बात है? उसी काम को किया जो मूसा ने किया था। आप इसे पकड़ रहे है? अब याद रखना, **यह वचन यों कहता है** वाला वचन है, कि यह अंत के दिनों में फिर से दोहराया जाएगा।

मूसा और यम्ब्रेस के बीच क्या फर्क था?

मूसा ने कहा, "लहू को पानी में आने दो।"

और इन झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने कहा, "निश्चय ही, हम भी लहू को पानी में डालते हैं।" और ऐसा हुआ।

सो मूसा ने कहा, "वहां पर पिस्सू आने दो।" उसे यह कहाँ से मिल रहा था? सीधे परमेश्वर की ओर से। देखा?

और उसने क्या किया? उसने कहा, "ठीक है, निश्चय ही, हम पिस्सू भी ला सकते हैं।" और उन्होंने ऐसा किया। कोई भी अद्भुत कार्य जो मूसा कर सकता था, वे भी कर सकते थे!

174 याद रखें, इसे मन में रखें, हम इस पर आ रहे हैं, थोड़ी देर के बाद। वे कुछ भी कर सकते हैं जो बाकी के लोग कर सकते हैं, लेकिन वे वचन के साथ बने नहीं रह सकते है। वे वचन के साथ बने नहीं रह सकते।

175 अब ध्यान दें, उन्होंने इसे किया, लेकिन मूसा, परमेश्वर की ओर से सच्चा भेजा हुआ भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर के द्वारा आदेश पाया हुआ, उसने उनके साथ कभी भी विवाद नहीं किया, ये कहते हुए, "यहाँ, तुम ऐसा नहीं कर सकते! तुम नहीं कर सकते!" उसने बस उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया, बस उन्हें आगे बढ़ने दिया। वे संगठन के भविष्यवक्ता हैं, लेकिन आगे बढ़ते रहे।

176 मूसा बस ठीक आगे चलता गया, परमेश्वर को सुना। जो कुछ भी परमेश्वर ने कहा, "अब तुम *ऐसा* करो," मूसा ने जाकर और इसे किया। उसने एक नई चीज को किया। जब उन्होंने किया, उनमें से हर एक के पास सनसनी थी या कुछ तो था, यहाँ वे आते हैं। उन्होंने भी इसे किया, बिल्कुल वैसे ही जैसे मूसा ने किया।

177 अब ध्यान दें। ये लोग सामने आए... ओह, आप लोग, आप इसे चूकना नहीं! ये धोखेबाज, नकल करने वाले, वे उस एक असली वाले के जाने के बाद ही प्रगट हुए। देखा? वे नकल करने के लिए आये। देखिए, उन्हें करना ही है। शैतान कुछ भी सृष्टी नहीं कर सकता; वह तो केवल मूल को बिगाड़ने का काम करता है।

और पाप क्या है? ये धार्मिकता का बिगड़ा हुआ रूप है। व्यभिचार क्या है? सही क्रिया का बिगड़ा हुआ रूप है। झूठ क्या है? गलत रूप से प्रस्तुत किया सत्य। एक बिगड़ा हुआ रूप!

178 हनन्याह को देखें, मूल वचन का बिगड़ा हुआ रूप। बालाम को देखें, मूल वचन का एक बिगड़ा हुआ रूप। सिदकिय्याह को देखें, मूल वचन का बिगड़ा हुआ रूप।

और बाईबल ने कहा कि ये लोग बाहर निकल आएंगे, बिगाड़ करने के बाद... या मूल वचन का बिगाड़ करने के लिए जो प्रमाणित और सत्य साबित हुआ।

179 "एक सुसमाचारक के काम को कर," वहां कहीं उस कोने में, "अपनी सेवकाई का पूरा प्रमाण दे। क्योंकि वह समय आएगा जब वे खरा उपदेश सहन नहीं करेंगे, लेकिन अपने कानो की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओ के अनुसार, अपने लिये बहुत से उपदेशको को इकट्ठा करेंगे; फिर आगे बढ़कर और जो कुछ भी वे करना चाहते हैं वे करते है, और, 'इसमें कोई बात नहीं, हमारे पास वही चिन्ह और अद्भुत कार्य हैं।' और वे सच्चाई से फिर कर, और कथा कहनियों, मत– सिद्धांतों पर मन लगाएंगे।"

180 ओह, पवित्र आत्मा की जागरूकता, वो आदर और भय जो एक मनुष्य के प्राण के अंदर उत्पन्न होता है, जब वह यह सोचने के लिए रुक जाता है कि यह कितना वास्तविक और स्पष्ट रूप से हमारे सामने है! यहां उस कोने के पत्थर को निकालकर और वहां तैतीस वर्ष पहले रखें गए एक कागज के टुकड़े को पढ़े। देखिए, उसने वहां सातवे मार्ग पर—पर क्या कहा, उस सुबह जब यह कोने का पत्थर रखा गया था। अब इस पर ध्यान दे। ध्यान दे यहाँ नीचे नदी पर, जब प्रभु का दूत एक अग्नि के स्तंभ के रूप में नीचे उतर आया, सैकड़ों कलीसियाये, या कलीसिया के लोग, किनारे पर चारों ओर खड़े हुए थे; उसने जो कहा, देखो क्या यह पूरा हुआ है। क्या घटित हुआ है उसे देखो।

181 यह बहुत ही कठिन है। मैं जानता हूं कि यह कठिन दिखाई देता है, वहां पर भाइयों। लेकिन यह... बाईबल ने कहा, यीशु ने स्वयं कहा, "यदि संभव हो तो यह चुने हुए को भी भरमा देगा।" इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। वे इसे कभी नहीं देख पाएंगे। यदि यह संभव हो, तो चुने हुए इसके द्वारा भरमाये जायेंगे।

182 ध्यान दें, ये लोग परमेश्वर के सच्चे अभिषिक्त को भेजे जाने के बाद प्रकट हुए; उसके सच्चे भविष्यव्यक्ता, मूसा के द्वारा। और जब मूसा कुछ भी करता, तो वे उसकी नकल करते।

183 अब, भाइयों, बहनों, मैं... यह मेरी अपनी कलीसिया है। मुझे प्रचार करने का अधिकार है जो मैं करना चाहता हूं, जब तक यह परमेश्वर के वचन में से कहता हूँ। और मैं आप लोगों को दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, लेकिन

आइए हम बस इसे उस समय और उस घड़ी के लिए जांचे, जिसमें हम अब रह रहे हैं।

184 भाई रुडेल को, जूनियर जैक्सन को, और उन्हें जो यहां पर है, हमारी सहयोगी कलीसियाओ को शुभकामानाये। मैं उन्हें कुछ समय पहले भूल गया। मैं सोचता हूं कि वे भी आज सुबह जुड़े हुए हैं, क्योंकि कलीसिया में कोई जगह नहीं—नहीं है।

185 अब जरा इस पर सोचे, बस एक मिनट के लिए। उन्होंने वही अद्भुत कार्य किए जो मूसा ने किए। मूसा ने पिस्सू को लाया; उन्होंने उसकी नकल की और पिस्सूओं को लाया। समझे?

परमेश्वर ने कहा, "जिस दिन तुम इसे खाओगे, उस दिन तुम मर जाओगे।"

186 शैतान ने वहां आकर और कहा, "निश्चय ही, तुम नहीं मरोगे। तुम बस बुद्धिमान हो जाओगे। तुम्हारे पास एक बेहतर संगठन होगा, एक बेहतर... " आप जानते हैं। "आप जानते हैं, तुम्हारे लिए सब कुछ हर एक चीज बेहतर हो जायेगी, तुम्हारे पास अधिक उजियाला होगा।" देखो, बस एक बिगड़ा हुआ रूप। चाहिए...

187 और याद रखे, **यहोवा यों कहता है,** दूसरे तीमुथियुस 3:18 के अनुसार, कि, "अंत के दिनों में, कि यह यम्ब्रेस और यर्नेस धरती पर होंगे।" अब, मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें कि उनमें से दो है, देखो, नकल करने वाले।

188 अब हम वापस सदोम में वापस जा रहे हैं, कुछ समय के बाद, वे तीन, उन तीनों को देखें जो वहां पर आए थे, और नकल, और इत्यादि चीजों जो देखें, देखो, देखो कौन सही है और कौन गलत है। समझे? समझे?

189 ध्यान दें, उन्होंने वही अद्भुत कार्य किए। लेकिन, ध्यान दें, जब परमेश्वर के द्वारा भेजे गए सच्चे जन ने सच्चे वचन का अभिषेक किया, तब उन्होंने उसकी नकल की; दूसरे क्रम में, उसके पीछे–पीछे आए।

190 मैं सोचता हूं कि क्या हम एक मिनट के लिए सोच सकते हैं। ज़्यादा समय नहीं हुआ, लगभग बीस वर्ष पहले, लोगों के हाथ को पकड़ने के द्वारा, और एक चिन्ह दिखाया। भाई, वहां सारी चीजों पर और भी चिन्ह थे, और हर कोई... एक के पास यह उसके दाहिने हाथ में है; एक के पास

यह उसके बाएं हाथ में है; दूसरा एक इसे सूंघता है। देखो, सब प्रकार के... और मैं सोचता हूं... परमेश्वर मुझे इस समय पर आपको नहीं बताने देगा कि वास्तव में सच्चाई क्या थी, लेकिन एक दिन आपको पता चल जायेगा। बस यह उनकी मूर्खता को प्रगट करने के लिए था। यह आरंभ में यह ठीक नहीं था। एक दिन, मैं आपको बताऊंगा, यदि प्रभु ने अनुमति दी।

191 ध्यान दें, उन्होंने वही आश्चर्यकर्म किए, लेकिन उन्होंने नहीं... ध्यान दें, उन्होंने इसे तब तक नहीं किया जब तक मूल वचन पहले आगे नहीं चला गया। इसी प्रकार से शैतान ने अदन की वाटिका में किया। वह हमेशा इसी प्रकार से काम करता आया है। पहले किसने भविष्यवाणी की? मूसा ने। पहले दृश्य पर कौन आया, मूसा या बालाम? मूसा। पहले दृश्य पर कौन आया, यिर्मयाह या हनन्याह? आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है?

192 ध्यान दें, उन्होंने नकल की। शारीरिक नकल करने वाले, ईमानदार, यह सोचते हुए कि वे "परमेश्वर की एक सेवा कर रहे है," जैसा कि दाऊद ने किया, पिछले सप्ताह इस बात को लिया था, लेकिन शारीरिक नकल करने वाले। मैं बस एक मिनट प्रतीक्षा कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि आप इन स्थानों के बीच सोचें। यदि मैं इसे नहीं कहता हूं, तो निश्चित रूप से पवित्र आत्मा इसे प्रकट करेगा, विशेषकर चुने हुओ को। समझे?

193 फिरौन का संप्रदाय कहता है, "हमारे पास मनुष्य है जो इस बात को कर सकता है," और उन्होंने इसे किया। समझे? फिरौन ने ऐसा क्यों किया? परमेश्वर ने इसकी अनुमति क्यों दी? परमेश्वर क्यों एक सच्चे, अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता को वहां फिरौन के सामने एक चिन्ह को दिखाने के लिए भेजेगा, और उसके बाद एक संप्रदाय को इसकी नकल को करने दे और लोगों के सामने इसकी नकल करने दे? वह क्यों एक नकल करने वाले को इसे करने के लिए खड़ा करेगा, और ठीक उसी काम को करें जो परमेश्वर की सच्ची आत्मा ने किया? देखो, वचन को पूरा होना ही है।

194 ध्यान दें, उसने ऐसा इसलिए किया ताकि वह फिरौन और मिस्त्रियों के ह्रदय को कठोर कर दे, यह साबित करने के लिए कि केवल मूसा ही ऐसा नहीं था जिसके पास वचन था। वे हर एक चीज बस वैसे ही कर सकते थे जैसे मूसा कर सकता था।

195 और क्यों परमेश्वर ने इस बात को अंत के दिनों में घटित होने दिया?

तो, वही बात जैसा कि झूठी आत्मा ने सिदकिय्याह से कहा, "हम आहाब को वहाँ कैसे ले जाएंगे, ताकि ये बातें पूरी हों?" वह इन लोगों को, जो उनकी कलीसियाओं पर भरोसा कर रहे हैं, यहाँ कैसे लाएगा, ताकि वह बात पूरी हो सके, जिसकी उसने भविष्यवाणी की थी? वे, इस लौदिकियन कलीसिया युग में, "क्योंकि तू कहती है कि तू 'धनी है, और मुझे किसी चीज की आवश्यकता नहीं। मैं एक रानी के समान बैठी हूं।' किसी चीज की आवश्यकता नहीं! क्या तू नहीं जानती कि तू अभागी, दयनीय, अंधी है? और मैं सम्मति देता हूं कि आकर मुझसे मोल ले," उसने कहा, "तेल और सोना।" उसने ऐसा क्यों किया?

196 क्यों उसने इस अंतिम दिनों में इस नकल करने वालों को ऊपर आने दिया, जबकि ये चीजें परमेश्वर के सच्चे वचन के द्वारा पूरी हो रही हैं; और नकल करने वालो को आकर और उसी काम को करने दिया, और वे परमेश्वर के सच्चे वचन का इन्कार करते है? उसने ऐसा मूसा के लिए किया। और फिरौन ने इसे मूसा के विरोध में किया; और वे, यर्नेस और यम्ब्रेस उन्होंने मूसा के विरोध में किया। और बाईबल ने कहा कि यह अंत के दिनों में फिर से दोहराया जाएगा। यहां हम है। अब, यदि यह वचन पूरा नहीं हुआ है, तो यह कहां पर है?

197 क्या मूसा ने उन पर विवाद किया और कहा, "यहाँ! यहाँ! तुम यह नहीं कर सकते। मैं ही केवल ऐसा करने के लिए नियुक्त किया गया हूं। यहाँ! तुम इसे अभी के अभी रोक दो"? उसने बस उन्हें करने दिया।

198 उन्हें आगे बढ़ने दिया। याद रखें, बाईबल ने कहा, "जैसा की उनकी मूर्खता प्रकट हुई थी, ऐसे ही इनकी मुर्खता अंतिम दिन में प्रकट हों जायेंगी.," जब दुल्हन रैपचर में चली जाती है और आकाश में उठा ली जाती है। ध्यान दें।

मूसा, सच्चा प्रकट हुआ वचन, कभी कुछ भी नहीं कहा, बस इसे होने दिया। लेकिन उसने ऐसा इसलिए किया ताकि वह फिरौन के ह्रदय को कठोर कर सके, फिरौन को भरमा सके।

199 उसने उसी बात को किया जिससे कि वह आहाब को भरमा सके। और वो एक छोटा सा व्यक्ति वहां अकेला खड़ा था, छोटा मिकायाह, उन्हें बता रहा था, "**यहोवा यों कहता है**।" यहाँ एक और खड़ा था, अभिषिक्त, "**यहोवा यों कहता है**।" और इसके विपरीत, एक दूसरे से।

200 हम आज **यहोवा यों कहता है** के साथ खड़े हैं, कि अंतिम दिनों में पानी का बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में होना है। और दूसरा व्यक्ति खड़ा होता है और आश्चर्यकर्म करता है, और, वो एक त्रिएकतावादी है।

201 मुझे बाईबल में *त्रिएकता* शब्द दिखाओ। मुझे दिखाओ कि तीन परमेश्वर कहाँ पर है। मुझे दिखाओ कि इस तरह की चीजें कहां पर है। यह परमेश्वर के वचन में नहीं है। ऐसी कोई चीज नहीं है जैसे किसी ने कभी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," के नाम में बपतिस्मा लिया हो, उन उपाधियों का उपयोग करते हुए। ये सारी बातें, "ओह, यह सब ठीक है, बहनों। इसमें कोई बात नहीं, बस लंबे... अपने बाल छोटे रखना। इसमें कोई बात नहीं है, आपको *ऐसा*, *वैसा, वह,* या *कुछ और* नहीं करना है। ओह, यह बकवास है, किसी पुराने दकियानूसी व्यक्ति की।"

202 लेकिन बाईबल ने कहा! और उसने प्रतिज्ञा की, "अंतिम दिनों में, वह एलिय्याह की आत्मा को भेजेगा, और लोगों को बुलाएगा, परमेश्वर के बच्चों को, मूल विश्वास की ओर वापस फेरेगा, जैसे कि यह आरंभ में था, जो वचन का है।" उस वचन की पुष्टि हुई थी, अंत के दिनों में मनुष्य का पुत्र, ठीक वैसे ही होगा जैसे यह सदोम में था; कल, आज, और युगानुयुग एक सा है। उसने इसे करने की प्रतिज्ञा की। यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा है। यह **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन है।

ध्यान दें, उन्होंने उसी चीज को किया, जैसा मूसा ने किया, इतना तक कि परमेश्वर ने कहा ये बहुत हुआ।

203 अब याद रखना, यह **यहोवा यों कहता है**, ये इस दिन में पूरा होगा। अब, संसार भर में खोजें; हर संप्रदाय को ले, हर एक कुल को ले, हर एक व्यक्ति को ले, हर एक कलीसिया को ले! मैं आपको मसीह के नाम में आज्ञा देता हूं, आप प्रचारकों, कि इसे करे। मैं आपको आज्ञा देता हूं कि समाचार पत्र को पढ़े या आप जहां भी जाना चाहते हैं, उस पर विचार करें, और देखें कि क्या ऐसा ठीक अभी धरती पर नहीं है। समझे?

204 तब, मत्ती 24:24 ये बिल्कुल सही है। "क्योंकि झूठे मसीह अंत के दिनों में उठ खड़े होंगे और झूठे भविष्यव्यक्ता होंगे, और बहुतों को भरमा देंगे।" अब इसे प्रतिछाया में देखें, जैसा कि यह अभी आता है, देखो, "बहुतों को भरमाएगा।" "वे भविष्यव्यक्ता," बहुवचन; "वे मसीह," अभिषिक्त जन, बहुवचन; बहुत से भिन्न–भिन्न जन, मेथोडिस्ट, आप जानते

हैं, और बैपटिस्ट, और पेंटीकोस्टल, और इत्यादि। देखा?

लेकिन वहां पर एक सच्चा मसीह का आत्मा है, और यही वचन का देहधारी होना है जैसा कि उसने इसे करने की प्रतिज्ञा की थी।

अब हम थोड़ा और आगे बढ़ेंगे, कुछ और कुछ वचनों को लेंगे।

इतना तक, परमेश्वर ने कहा ये बहुत हुआ, तब ये समाप्त हुआ था। उनकी मूर्खता प्रगट हो गई थी।

205 ध्यान दें, याद रखें, भूसी बिल्कुल गेहूं के दाने के समान दिखाई देती है। देखा? अब, आप वहां पहले लूथरन युग में नहीं कह सकते थे, "डंठल गेहूं था," फिर भी इसमें जीवन है। डंठल ठीक है, डंठल में जो जीवन था वो सही था, लेकिन, याद रखें, जीवन आगे बढ़ गया; एलिय्याह से एलीशा की ओर आगे बढ़ गया, जीवन आगे बढ़ता ही रहता है, लेकिन, याद रखें, यह किसी और चरण में है, यह उस चरण में बना नहीं रह सकता है। हम किसी और युग के सड़ा भोजन नहीं खा सकते, हम पेंटीकोस्टल का सड़ा भोजन नहीं खा सकते हैं, मेथोडिस्ट, या बैपटिस्ट, देखो, यह सड़ा भोजन बन गया है। हमारे पास ताजा भोजन है, इस घड़ी का वचन, इत्यादि।

206 याद रखें, भूसी बिल्कुल गेहूं के दाने के समान होती है। आप नहीं कर सकते... यह पत्ती में ऐसा नहीं दिखाई दिया, यह लटकन में ऐसा नहीं दिखाई दिया, लेकिन यह निश्चय ही भूसी में दिखाई दिया। ऐसा नहीं दिखाई दिया... यीशु मसीह कल एक सा है, लूथर में नहीं दिखा; ऐसा वैसली में नहीं दिखा; लेकिन यह निश्चित रूप से पेंटीकोस्ट में दिखता है, "यदि संभव हो तो चुने हुओं को भी भरमा देता था।" समझे? वहां पर आपका युग है।

207 लेकिन याद रखें, वो पेंटीकोस्टल कलीसिया, अंतिम दिनों में, लौदीकिया थी; और मसीह को बाहर निकाल दिया गया, वो दाना, स्वयं, गेहूँ को। जब उसने कोशिश की... याद रखें, जब उसने खुद को कलीसिया में प्रकट करने की कोशिश की, तो उसे बाहर निकाल दिया गया था। यह अभी भी एक कलीसिया थी, जो ऐसा होने का दावा करती है; कि वो अभिषिक्त है।

208 लेकिन *यहाँ* वचन है, स्वयं मसीह, यही वो अभिषिक्त वचन है जो उसके बाकी देह के लिए आयेगा, अर्थात दुल्हन। अभिषिक्त, उसी जल से, जिसने गेहूं को जल से सींचा, जिस पर हमने बात की थी जो जंगली दाने

को जल से सींच रहा था, उन अभिषिक्त लोगों को। केवल चुने हुए, या पहले से ठहराये हुए, जो उनके बीच के अंतर को पहचानने में सक्षम होंगे। अब, इफिसियों 5:1 आपको ऐसा बताता है, और इस बारे में कि यह कैसा था।

209 वे अभिषिक्त लोग है। हर कोई कहता है, "परमेश्वर की महिमा हो! हमारे पास यहां पर स्वतंत्रता है। हाल्लेलुय्या! हम... ओह, हाल्लेलुय्या! हम अन्य जुबान में बोलते हैं, और कूदते हैं। हमारे पास स्त्रियों की स्वतंत्रता है; आप लोग उन्हें इस तरह की सारी चीजों के नीचे रखने की कोशिश करे।" देखा? आगे बढ़ो। आप कुछ नहीं कर सकते। कहते है, "तो ठीक है, हम अन्य जुबान में बोलते हैं। हम चिल्लाते हैं। हम आत्मा में नाचते हैं। हम वचन को प्रचार करते हैं।" बिल्कुल। इसके विरोध में कुछ नहीं कहना है। वैसे ही ये मनुष्य जो यहाँ पीछे बाईबल में करते थे।

यीशु ने कहा, "यह चुने हुओं को भी भरमा देगा यदि यह संभव होता था, चुने हुओ को।"

210 अब ध्यान दें, भूसी... उस मूल दाने से, वो दाना जो जमीन के अंदर चला गया, यह कोई संगठन नहीं था। यह अपने आप में एक दाना था। लेकिन जब यह ऊपर आता है, तो यह एक दाना नहीं था; यह एक संगठन था, देखो, पत्तियां, बालियां।

तब यह दूसरे चरण में चला गया, जो कि एक लटकन था। अभी भी यह आरंभ के दाने के जैसा नहीं था। यह एक संगठन था।

211 यह भूसी के अंदर चला गया, बहुत सी पत्तियां, पेंटीकोस्ट, अब लगभग आकार ले चुका है। इसे देखो। यह हर समय आकार को ले रहा है, लगभग बिल्कुल उसी की तरह, बिल्कुल गेहूं के दाने के समान दिखाई देता है, जब आप उस छोटे से छिलके को वहां देखते हैं।

212 लेकिन अंत में यह प्रकट हुआ है, और कोई संगठन नहीं। अब कोई और वाहक नहीं है। संगठन तो बस एक वाहक है। कोई और वाहक नहीं; डंठल को मरना ही है, भूसी को मरना ही है, बाकी की हर एक चीज को मरना ही है, लेकिन गेहूं जीवित रहता है। यही पुनरुत्थान की देह है, ठीक नीचे आकर और उन्हें ऊपर उठा लेता है। "वे जो अंतिम हैं वे पहले होंगे, और जो पहले हैं वे अंतिम होंगे।" देखिए, उन्हें ठीक पुनरुत्थान में उठा

लेता है। क्या आप इसे पकड़ रहे हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो ठीक है। ध्यान दे, वो दाना है...

213 भूसी बिल्कुल दाने के समान दिखाई देती है। और एक मनुष्य गेहूं की फसल को उगा रहा है, या कुछ तो और, देखकर और कहता है, "परमेश्वर की स्तुति हो, मेरे पास गेहूं की फसल है," जब कि उसके पास गेहूं का एक दाना भी नहीं है। हम्म? यह बिल्कुल ठीक गेहूं की तरह दिखाई देता है, लेकिन यह भूसी है।

214 अब, मित्रो, मेरे साथ पीछे चले: पहली बेदारी कहाँ से आई, उन—उन दिनों के बाद जब गेहूं का दाना जमीन में गिरना था, वो देह, मसीह की दुल्हन? मसीह ने अपनी दुल्हन को संगठित किया, क्या यह सही बात है, अर्थात उसकी कलीसिया को? उसने कभी इसे संगठित नहीं किया; उसने बस प्रेरितों, और भविष्यद्वक्ताओं, और इत्यादि को कलीसिया में रखा, ताकि इसे साफ रखे। लेकिन तीन सौ छह वर्ष बाद, रोम के निसिया में उन्होंने इसे संगठित किया और इसमें से एक संगठन को बना दिया। क्या यह सही है? और यह मर गयी। हर एक चीज जो उस कलीसिया से सहमत नहीं थी, उसे मार डाला गया। और यह सैकड़ों वर्षो तक मिट्टी में पड़ा रहा।

215 लेकिन, कुछ समय बाद, वह लूथर में आता है। दाने की पहली छोटी टहनी ऊपर आती है। दूसरा, यह वहीं से अंकरित हुआ। वे आगे बढ़ते गए, वहाँ ज़िंगली और इत्यादि थे, और दूसरे संगठन और इत्यादि। फिर, थोड़ी देर के बाद, साथ–साथ एंग्लिकन आते है।

216 और तब क्या हुआ? यहां साथ ही वैसली एक नई बेदारी के साथ आता है, लटकन, जो कुछ अधिक गेहूं की तरह दिखाई देता है। तब इसका क्या हुआ? यह संगठित हो गया, और सूख गया और मर गया।

217 जीवन सीधे भूसी के अंदर चला गया, और भूसी लगभग पूरी तरह से गेहूं की तरह सामने आई। लेकिन, अंत में, इसकी मूर्खता पिछले आठ या दस वर्षों में प्रकट हो गई थी, विशेषकर पिछले तीन वर्षों में। अब यह क्या करता है? गेहूं से अलग हो जाता है।

218 अब क्यों इस बड़ी बेदारी के इन अंतिम बीस वर्षों में क्यों कोई संगठन आरंभ नहीं हुआ; वे अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता है, अभिषिक्त शिक्षक, इत्यादि है, लेकिन वहां क्यों नहीं होता है? ये उस दाने के आगे कुछ भी नहीं है।

देखो, यह वापस आता है, बिना किसी संगठन के। ओह, प्रभु, एक अंधा मनुष्य भी इसे देख सकता है। यह संगठित नहीं हो सकता; यह बहुत ही दृढ़ता से इसके विरोध में है। यह स्वयं गेहूं का दाना है। मनुष्य का पुत्र प्रगट होगा। गेहूं का दाना अपने आप में फिर से वापस आएगा, अंतिम दिनों में मनुष्य का पुत्र।

219 "और अंत के दिनों में इसकी झूठी नकल करने वाले आएंगे, यदि संभव हो तो यह चुने हुओ को लगभग भरमा देगा।" देखो उनकी संगठनात्मक भूसी अब हटकर अलग हो रही है।

220 यह केवल गेंहू को, चुने हुओ को ज्ञात होने देता है, जो कि इसके भाग है। ध्यान दे कि अब इसे यहाँ कितना खूबसूरती से लाया गया है। केवल... ध्यान दें, अभिषिक्त लोग सक्षम होंगे; सच्चे चुने हुए, पहले से ठहराये हुये, इफिसियों 5:1, या, मेरा मतलब, 1:5, नियुक्त किए हुए, चुने हुये होंगे। वे ही केवल एक हैं जिन्हें ये नहीं भरमायेंगे।

221 ध्यान दें, अभिषिक्त भविष्यद्वक्ता झूठे होंगे, और वहां उनके बीच में ये सच्चा अभिषिक्त होगा। आप इसे कैसे बता पाएंगे? वचन के द्वारा। जैसे कि, हमारे पास यह छाया के रूप में है। क्या आप इसे देखते हैं? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] देखा?

222 ध्यान दें, अभिषिक्त किए हुए, केवल वचन ही उन्हें अलग करेगा, ना ही वे चिन्ह। ओह, नहीं। वे उन्हीं चिन्हों को करेंगे, लेकिन वचन ही है जो उन्हें अलग करता है। निश्चय ही। उन सब ने भविष्यवाणी की। उन सब ने *यह*, *वह,* और *इत्यादि* चीजें की, निश्चय ही, बिल्कुल वैसा ही किया। यीशु ने कहा कि वे उसी चीज को करेंगे। लेकिन वचन ही है जो उन्हें अलग करता है, ध्यान दें, ना ही वे चिन्ह।

223 क्या आपने ध्यान दिया? यीशु ने यहां मत्ती 24 में कहा। उसने यह नहीं कहा, "अंत के दिनों में झूठे यीशु उठ खड़े होंगे।" ओह, नहीं, वे इसके लिए कभी भी शांत नहीं खड़े रहेंगे। नहीं। आप एक पेंटीकोस्टल को ले जो कि एक सच्चा पेंटीकोस्टल है, जो स्वयं को कहे, वह "यीशु" है? देखा? आप एक झूठा मेथोडिस्ट, या एक बैपटिस्ट ले, या ऐसा ही कोई एक, या संगठनों में से एक, जो कहता हो, "हम यीशु हैं"? वे इससे बेहतर जानते हैं। वे ऐसा नहीं करेंगे। लेकिन बाईबल ने कहा कि वे "झूठे मसीह" होंगे, ना ही वे यीशु, लेकिन, "झूठे मसीह।" वे नहीं पहचानेंगे, कहे, "मैं यीशु

हूं।" ओह, नहीं।

224 लेकिन वे "झूठे मसीह" हैं, और वे इसे नहीं जानते, क्योंकि वे वचन के विपरीत हैं। और परमेश्वर उसी को प्रमाणित करता है। अब, मैं बस इसे अब आगे एक निर्णायक मुकाबले को ला रहा हूं, क्योंकि आपने उसी काम को देखा है जो इन लोगों के द्वारा किया गया है जो वास्तव में किया गया है। और यीशु ने ऐसा ही कहा।

225 अब, जैसा कि मैंने कहा है, अब आप लोग, जो वहां टेलीफोन के द्वारा जुड़े है, मैं—मैं आपको दोषी नहीं ठहरा रहा हूं, लेकिन यह मेरी कलीसिया है और—और मेरा झुण्ड है कि पवित्र आत्मा ने मुझे सौंपा है, और मुझे उन्हें सच्चाई को बताना ही होगा। समय निकलता जा रही है।

226 अब, वे इसके लिए नहीं खड़े होंगे, लेकिन, "झूठे मसीह," झूठे, अभिषिक्त लोग, लगभग हर एक चिन्ह और वचन के हर अक्षर के साथ। "वे पवित्र आत्मा के बपतिस्मे का विश्वास करते हैं?" बिल्कुल करते है। "*इस* सब में विश्वास करेंगे?" जी हां। "अन्य भाषा बोलने में विश्वास करेंगे?" जी हां। "विश्वास करेंगे चिन्ह और अद्भुत काम पीछे आते हैं, चिन्ह उनके पीछे जायेंगे?" जी हां। यह वे मैथोडिस्ट नहीं है, यह वे बैपटिस्ट नहीं है। नहीं, नहीं। यह पेंटीकोस्टल है। देखो, यह अन्तिम दिन है।

227 अब, पहली कलीसिया युग ने इस पर कभी भी ध्यान नहीं दिया होगा। मेथोडिस्ट कलीसिया युग ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया; बैपटिस्ट कलीसिया युग, उन्होंने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया; प्रेस्बिटेरियन कलीसिया युग, उन्होंने इस पर कभी भी ध्यान नहीं दिया। लेकिन, पेंटीकोस्टल, ये बहुत ही नजदीक था जैसे वास्तविक चीज हो! यही है जहां, गेहूं... भूसी लगभग गेहूं के जैसी दिखती है। वे इस पर कभी भी ध्यान नहीं देंगे। देखा? वे ध्यान नही देंगे। लेकिन ये अंतिम दिन है, अर्थात यही दिन। जी हां, महाशय।

228 ध्यान दें, जैसे यह आरंभ में था, वैसे ही यह अंत के दिनों में होगा। जैसे हव्वा ने बस एक वचन का गलत अनुवाद किया, शैतान ने हव्वा के लिए ऐसा किया, और उसने इसका विश्वास किया। *नारी* ने, *नर* ने नहीं; कलीसिया ने, ना ही नर ने। समझे? कलीसिया ही वो एक थी जिसके पास झूठा वचन था। समझे? ना ही आदम; लेकिन हव्वा। ना ही मसीह; लेकिन कलीसिया, जिसे दुल्हन, अभिषिक्त होना चाहिए, जो अपने आप

को दुल्हन कहती है, देखिए, उसी के पास झूठा वचन है।

229 क्या तुम इसे नहीं देख सकते? क्यों, यह जूते के फीते की तरह आपस में जुड़ता जाता है, जैसे तुम्हारी आँखों की पलकों के बाल। क्यों, आप बाईबल में हर के चीज की ओर देखे, ये ठीक हर चीज़ को आपस में जोड़ देती है। हव्वा, ना ही आदम; हव्वा ने इसका विश्वास किया, ना ही आदम ने। आज जो कहलाने वाली दुल्हन है, इसका विश्वास किया; ना ही मसीह। दुल्हन के पास हर प्रकार के होते है, कहलाने वाली दुल्हन; वही चिन्ह, वही अद्भुत कार्य, वही सब कुछ; लेकिन ना ही एक जो सच्ची है। "यदि संभव हो तो चुने हुओ को भरमा दे।"

230 अब जल्दी से, यदि हम इसे पंद्रह मिनट में समाप्त कर सकते हैं, तो हम समय पर होंगे। अब आप बहुत ही ध्यान दे, जिससे कि आपके—आपके लिए गलतफहमी ना हो।

231 अब, नहीं, वे "झूठे यीशु" कहलाना सहन नहीं करेंगे। वे नहीं करेंगे, "यीशु" कहलाना भी सहन नहीं करेंगे। निश्चित रूप से नहीं। यह बहुत ही साधारण है। हर कोई यह जानता होगा। हर कोई जानता होगा कि वे यीशु नहीं थे। मैं परवाह नहीं करता यदि उनकी पीठ पर तेल होता है, और उनके हाथों पर लहू होता है और ये उनकी आंखों पर ऊपर–नीचे होता है, वे फिर भी जानते थे कि यह... जिसके पास भी अच्छी समझ होती है, वह जानता है कि यह यीशु नहीं है। समझे? वे इसे सहन नहीं करेंगे। लेकिन वे खुद को "अभिषिक्त" कहते हैं। और वे चिन्ह और अद्भुत कार्य करते हैं, "लगभग चुने हुओ को भरमाने के लिए।" "लेकिन झूठे मसीह, अभिषिक्त लोग उठ खड़े होंगे, और यदि हो सके तो चुने हुओ को भी भरमा देंगे।"

अब ध्यान से देखे। इस बयान से ना चूके, क्योंकि यह बात सुनने योग्य है।

यह माइक्रोफोन ऊपर न उछले, इसलिए वह अब इस पर टेप चिपका रहा है। मेरा पसीना गिर रहा है; पसीना टेप पर गिर गया, आप देखिये।

और सो यह ठीक वैसा ही होगा जैसा कि बाईबल ने कहा कि ऐसा होगा। समझे?

232 ध्यान दे, ना ही झूठे यीशु। "झूठे मसीह!" वे विश्वास करते हैं कि वे अभिषिक्त हैं, लेकिन वे जानते हैं कि वे यीशु नहीं हैं। देखो, यह बहुत ही साफ़–साफ़ है। यदि मनुष्य आज उठकर और कहता है, "मेरे हाथ के

घावों को देखो। मेरे आँख की बोहों की ओर देखो। मैं यीशु हूं।" खैर, अब, हम जानते हैं कि यह गलत है। और, याद रखें, यीशु ने कभी भी नहीं कहा कि वे लोग प्रकट होंगे। उसने कहा कि वहां "झूठे मसीह" प्रकट होंगे। "वे मसीह," बहुवचन, संप्रदाय, और इत्यादि, *अभिषिक्त लोग*; संप्रदायिक आत्मा से अभिषिक्त, और ना ही वचन। आप इसका अनुकरण करते हो? झूठा यीशु नहीं। "झूठे मसीह," झूठे, अभिषिक्त लोग। देखा? ओह, कितना स्पष्ट है! हम कैसे... निश्चय ही आप इसे चूकेंगे नहीं!

233 अब, याद रखे, मैंने हमेशा ही आपको बताया है कि वहाँ तीन वर्ग के लोग होते हैं। वहां लोगों की तीन जातियां हैं: हाम, शेम और येपेत, तीन जातियां। तीन वर्ग, और मैंने कहा, यह विश्वासी, ढोंगी विश्वासी और अविश्वासी है। ऐसा हमेशा से रहा है, हमेशा ही रहेगा। समझे? वहां मूसा था, विश्वासी; वहां यर्नेस और यम्ब्रेस थे; अविश्वासी। देखा? वहां बालाम था; मूसा... हमेशा ही तीन वर्ग के लोग, तीन वर्ग; विश्वासी, ढोंगी विश्वासी, और अविश्वासी।

234 अब याद रखें, अविश्वासी, संप्रदायिक कलीसिया, किसी भी चिन्ह में बिल्कुल भी विश्वास नहीं करते; ठंडा, औपचारिक, ढीठ, कलीसिया जो संसार में है, संप्रदाय। लेकिन ढोंगी विश्वासी वह भूसी है। यही वो व्यक्ति है जो ढोंगी–विश्वास है। और फिर वहां एक सच्चा विश्वासी है जो वास्तव में सच्चा होता है। अब, उन पर ध्यान दें जैसे वे अब साथ–साथ चलते हैं, बस एक मिनट के लिए।

235 और ध्यान दें कि ये अविश्वासी कितने निडर होते हैं, या ये ढोंगी विश्वासी और अविश्वासी। ओह! वे निडर होते हैं, देखिए, यहां तक कि जैसे ही शैतान सच्चे वचन की उपस्थिति में खड़ा हुआ, और कहा, "ऐसा लिखा है!" क्या यह सही है?

236 शैतान ने ऐसा क्यों किया? क्योंकि उसने वचन को नहीं जाना जो उसके लिए... वह जानता था कि वचन उस घड़ी के लिए था, लेकिन उसने इस नम्र छोटे मनुष्य के वचन होने पर संदेह किया। "यदि तू परमेश्वर का पुत्र है। मैं जानता हूं कि परमेश्वर का पुत्र आने वाला है, क्योंकि इसने कहा कि वह ऐसा करेगा। और ऐसा लिखा है, 'वह अपने दूतों को तेरे निमित आज्ञा देगा।' देखा? इसे मुझे साबित कर! अद्भुत कार्य कर! मुझे इसे देखने दो कि तू इसे करता हैं।" देखा? समझे?

237 देखो, अविश्वासी, ढोंगी विश्वासी, नकल करने वाला। ठीक उनके बीच में यहूदा को देखें, उसी समय, ढोंगी विश्वासी! देखा? ध्यान दे, और वहां वो सच्चा वचन था।

238 वे कितने निडर हैं! "अब, उस बेकार की बातों पर ध्यान ना देना। इसमें कुछ भी नहीं है। वहां ऊपर मत जाना। यह तो बस शोर करने वाला एक झुंड है। इसमें कुछ भी नहीं है। यह बस सब कल्पना है। यह तुम्हारे दिमाग़ में होता है।" देखो, मेरा क्या अर्थ है? सीधे वचन की उपस्थिति में खड़े हो जाए और इसे कहे।

239 शैतान सीधे अन्दर चला गया। जैसा कि बाईबल में यहाँ यहूदा में कहा, "यहां तक कि प्रधान दूत ने भी, जब शैतान के साथ विवाद किया, कहा, 'प्रभु तुझे फटकार लगाये।'" स्वयं वचन के विरोध में!

और यहाँ मसीह विरोधी है, वो अभिषिक्त, ठीक यहां उस दिन के सच्चे वचन के विरोध में खड़ा हुआ है, अर्थात यीशु मसीह, और कहा, "ऐसा लिखा है।"

240 अंत के दिनों को देखें। "यह इतना नज़दीक होगा कि यदि यह संभव हो तो यह चुने हुए को भी भरमा दे।" ओह, प्रभु! वो कारण कि चुने हुए को भरमाया नहीं जाएगा, आप जानते हैं क्यों? क्योंकि वे वचन है। समझे? बिल्कुल वैसे ही जैसे वो जीवन जड़ में होता है, मैंने कुछ समय पहले कहा था, यह खुद का इंकार नहीं कर सकता है। देखो, यह वचन है और वचन के ऋतु में है। यह सही है।

241 बिल्कुल जैसे यिर्मयाह, वह जानता था। इससे कोई मतलब नहीं हनन्याह ने क्या कहा, वह जानता था कि वह कहां पर था। यह बिल्कुल ठीक वैसे ही है जैसा मूसा ने किया, और—और बाकी के लोगों ने। यही है, वह जानता था, कोई फर्क नहीं पड़ता कि झूठे भविष्यव्यक्ता ने क्या कहा, वहां परमेश्वर का वचन था। ऐसा लिखा था।

यही कारण है कि मिकायाह कह सकता है, "तो ठीक है, तुम बस प्रतीक्षा करो और देख लो।"

242 आहाब ने कहा, "मैं अपने भविष्यव्यक्ताओं का विश्वास करता हूं। मेरा संगठन सही है। जब मैं शांति से वापस आता हूं... उस व्यक्ति को वहां पीछे जेल में डाल देना। मैं उसे देख लूँगा! उसे दुःख की रोटी दो। उसे

बाहर निकालो, उसके साथ बिल्कुल भी संगति मत करना। जब मैं शांति से लौटूंगा, तो हम उस व्यक्ति को देख लेंगे।"

243 मिकायाह ने कहा, "यदि तुम वापस आते हो, तो प्रभु ने मुझसे बात नहीं की है।" वह जानता था कि उसके पास **यहोवा यों कहता है,** वाला वचन है और उसका दर्शन ठीक **यहोवा यों कहता है** के अनुसार था; किसी और ऋतु के लिए नहीं, लेकिन उसी ऋतु के लिए। आमीन! हाल्लेलुय्या! वो ऋतु!

हिम्मत करके, खड़े हो जाते है और एक प्रधान दूत के साथ विवाद करते है! यह कहा गया है कि, "मूर्ख लोग कील के जूतो के साथ चलेंगे जहां दूतों को चलने से डर लगता है।" यह सही है।

244 कारण वे चुने हुए है, यीशु ने कहा, भरमाया नही जायेंगे, क्योंकि वे वही वचन हैं। वे कुछ और हो ही नहीं सकते। वे और कुछ नहीं सुन सकते। वे और कुछ भी नहीं जानते। यह सही है।

245 याद रखें, मूसा उनके सारे नकलों से आवेश में आ नहीं गया था। क्या वह आया था? मूसा ने कहा, "अब, एक मिनट रुको, फिरौन। क्या तुम आप जानते हो? प्रभु ने मुझसे यह करने के लिए कहा था, लेकिन, परमेश्वर की महिमा हो, मैं देखता हूं कि तुम्हारे लोग भी उसी काम को कर सकते हैं। इसलिए, मैं बताऊंगा कि मैं क्या करूंगा, मैं तुम्हारे साथ जुड़ जाऊंगा"? ओह! यह तो परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता की तरह नहीं लगता है। वास्तव में नहीं लगता! वह जितना दृढ़ खड़ा हो सकता था खड़ा था। वह ठीक–ठीक जानता था, परमेश्वर किसी भी तरह से इसका ध्यान रखेगा, क्योंकि उसने यह प्रतिज्ञा की है। "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा। मैं तुम्हें नहीं छोडूंगा।"

246 वह जानता था, इसलिए वह उनके साथ नहीं जुड़ा। ओह, नहीं। वह ठीक उनके साथ बना रहा। वह उनके किसी भी संप्रदाय को नहीं चाहता था। वह ठीक परमेश्वर के साथ ही बना रहा। वह आवेश में नहीं आ गया था उन सारी चीजों से जो वे कर सकते थे। जब उन्होंने एक काम किया... वह जूँ को लेकर आया; वे जूँ को ले आए। उसने लहू को लाया; वे लहू लेकर आये। वह सब कुछ लेकर आया; उन्होंने हर तरह से ठीक साथ ही उसकी नकल की। वह बस वहीं शांत खड़ा रहा। वह ठीक–ठीक जानता था कि परमेश्वर कार्य पर था।

247 अब आप समझ गए? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आप

दो और दो लेकर, और चार बनाते हैं? ["आमीन।"] आप बहुत अधिक झुलसना नहीं चाहते। इसलिए, आप—आप समझते है, देखो।

क्यों? वे इसके द्वारा भरमाये नहीं जायेंगे, वह सच्चा विश्वासी, वे पहले से ठहराये हुए बीज हैं जो उस दिन खड़े रहेंगे।

248 बस, यीशु ने यह भी कहा, "उस दिन बहुत से मेरे नाम से आएंगे, और कहेंगे, 'प्रभु, क्या मैंने तेरे नाम से शैतानों को नहीं निकाला?'" यीशु ने कहा, "अंत के दिनों में, जब समय पूरा हो जाता है और वो महान पुनरुत्थान आएगा, तो बहुत से आकर और राज्य में बैठेंगे।" परमेश्वर का राज्य आपके भीतर है।

249 बहुत से जंगली दाने आयेंगे और गेहूं के साथ बैठ जायेंगे, कहेंगे, "अब, एक मिनट रुकना, प्रभु! मैंने अन्य जुबान में बोला। मैं चिल्लाया। मैं आत्मा में नाचा। मैंने दृष्ट आत्माओं को बाहर निकाला। मैंने अन्य जुबान में बात की। मैंने ये सभी कार्य किए।"

उसने क्या कहा? ध्यान दें। "तुम अधर्म के काम करने वालो, मैं तुम्हें कभी जानता भी नहीं।"

250 *अधर्म* क्या है? किसी से पूछो। यह "कुछ ऐसा है जो आप जानते हो कि आपको करना चाहिए, और आप इसे नहीं करते।" वे उस वचन को जानते हैं। वे इसे सुनते हैं। आप इस टेप को सुन रहे हैं। आप इस संदेश को सुन रहे हैं। आप देखिए, प्रभु परमेश्वर ऐसा कहता हैं; आप उसे इसकी पुष्टि करते हुए देखते हैं, इसे सत्य बनाता हैं। और आप जानते हैं कि यह उतना ही स्पष्ट है जितना सूर्य बाहर चमक रहा है, लेकिन तुम जो अपने संप्रदाय को पकडे रहते हो, उन झूठी बातों को पकड़े रहते हो; तुम अधर्म के काम करने वालो!

"ओह, हाँ, मैंने बड़े–बड़े अभियान किए थे। मैंने *यह* किया है। मैंने *वह* किया है।"

कहा, "तुम मुझ से दूर हो जाओ, तुम अधर्म के काम करने वालो, मैं तुम्हें कभी नहीं जाना।"

251 "तो ठीक है, पवित्र आत्मा मुझ पर उतरा।" मैं इस पर जरा भी संदेह नहीं करता। "मैंने अन्य जुबान में बात की। मैं आत्मा में गाया। मैंने यह किया... " मुझे इस पर थोड़ा भी संदेह नहीं है। उस पर कोई सवाल नहीं है। ओह, भाईयों, बहनों, किस प्रकार की स्थिति है!

यह एक कांपने वाला समय है। हम कहाँ पर है? यह वचन अब जीवन के अंदर आ रहा है। ध्यान दें।

252 जी हाँ, उसने कहा कि वे ऐसा करेंगे। ध्यान दे, "तुम अधर्म के काम करने वालो।" मेरे पास यहाँ पर एक वचन लिखा था। मैं नहीं जानता कि यह कहां था। मैंने बहुत समय ले लिया है। मैं इसे देखूंगा, बस एक मिनट, और देखूंगा कि यह क्या था। मेरे पास—मेरे पास मत्ती 7:21 है। मैं—मैं बस नहीं जानता कि कहां है। मैं, कभी–कभी इसे लेकर कुछ लिख नहीं पाता, तो ठीक है, मैं—मैं इस तरह से प्रचार करता हूं, मैं—मैं भूल गया कि मैं वचन पर क्या उल्लेख कर रहा था। मत्ती 7:21।

> *जो मुझसे, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा; परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है।*
>
> *उस दिन बहुत लोग* मुझसे कहेंगे, *हे प्रभु, हे प्रभु, क्या* हमने *तेरे नाम से भविष्यद्वाणी* नहीं *की...*

253 वे भविष्यव्यक्ता, अभिषिक्त लोग! यह सही है? "क्या हम एक भविष्यव्यक्ता नहीं थे? क्या हम अभिषिक्त, अभिषिक्त लोग नहीं थे? क्या मैंने तेरे नाम में भविष्यवाणी नहीं की? और क्या मैंने तेरे नाम से दृष्ट आत्माओं को नहीं निकाला? " आप यह कैसे कर सकते हो, और यीशु के नाम में बपतिस्मा लेने से इन्कार करते हो? देखा? ओह, प्रभु! देखा कितना धोखे से भरा? ठीक उसी बिंदु तक जाकर, फिर वापस गिर जाते है। वे सीधे वचन तक पहुँचते हैं, फिर वापस गिर जाते हैं। अब इस पर ध्यान दें। हम इसे पढ़ेंगे, बस एक मिनट।

> *बहुत से मुझ से कहेंगे... हे प्रभु, हे प्रभु, क्या* हमने तेरे नाम से *भविष्यद्वाणी* नहीं की, हम भविष्यव्यक्ता नहीं थे? ...

जी हाँ, मैंने इसके बारे में मत्ती 24:24 में बात की थी।

> *... और तेरे नाम से... शैतानो को निकाला? और तेरे नाम से बहुत से* आश्चर्य–... बहुत से *कार्य किए?*
>
> *और तब मैं उनसे कहूँगा, कि मैं तुम्हें कभी नहीं जानता:* हे *अधर्म के काम करने वालो, मेरे पास से दूर हो जाओ।*

254 "जब ये ठीक तुम्हारे सामने रखा गया था और तुमने इसे देखा, और इसे चलते हुए देखा, देखा कि यह वचन था; और तुम्हारे संप्रदाय के कारण, तुम बस उसी पर अड़े रहे। मैं तुम्हें कभी जानता भी नहीं। मैं परवाह नहीं करता कि तुमने कितने शैतानों को बाहर निकाला, तुमने कितने लोगों को *ऐसा* और *वैसा* किया है; मैं तुम्हारे विषय में कुछ नहीं जानता।"

बालाम ने कहा, "मैंने तुम्हारे नाम में, सही भविष्यवाणी की। यह पूरी हुई।"

"यह बिल्कुल सही है, लेकिन, जब यह वचन पर बात आई, तो तुमने इसे ठुकरा दिया।"

255 ओह, भाई, भरमाने वाले भाग को देखा? ना ही "भविष्यव्यक्ता," बिल्कुल; लेकिन वचन के साथ, सच्चा वचन, प्रमाणित किया हुआ वचन प्रकट बना। "तुम अधर्म के काम करने वालो!"

कोशिश, शैतान ने सारे युगों में से होते हुए सच्चे वचन की नकल करने की कोशिश की है। हम यह जानते हैं, क्या हम नहीं जानते?

256 ध्यान दे, सीमा रेखा पर आकर और छोड़ देते है। यहाँ पर देखो, उसने कहा, इब्रानियों के 6वें अध्याय में (अब, हम कुछ समय पहले पढ़ रहे थे, मैंने आपको बताया था, "इसका वापस उल्लेख करूंगा," और हम अगले कुछ मिनटों के लिए लेंगे।), उसने कहा:

> ... पर *यदि* वह *झाड़ी और* उंटकटारे... *उगाती है,* जो कि निकम्मी *और श्रापित होने पर है; उसका अंत जलाया जाना है।* (सीमा रेखा!)
>
> ... तुम जिन्हों *ने... स्वर्गीय दान का स्वाद चखा है,...*

257 "चखा है," दूसरे शब्दों में, तुमने इसे देखा है! आप [भाई ब्रन्हम अपने होठो को एक साथ मिलाते है—सम्पा।] इसे बस अपने मुंह से नहीं चख सकते है। लेकिन आपने इसे देखा, और आप जानते थे कि यह सत्य था। आप जानते थे कि यह सत्य था। "स्वर्गीय दान का स्वाद चखा।"

> ... और *पवित्र* आत्मा *के भागीदार बने,* जब वह तुम पर उतरा,
>
> *... परमेश्वर के अच्छे वचन का स्वाद चखा है,...*

"चखा है," आपने देखा कि यह सही था। "और पवित्र आत्मा आप पर उतरता है," खेत में जंगली झाड़ी।

... और फिर पीठ *घुमा ली*, ...

"उसी मसीह का इन्कार करते है जिसने तुम्हे पवित्र किया, और तुम्हे बुलाया, और उस अभिषेक को तुम पर डाल दिया।"

... *अब* पाप *के लिए और कोई बलिदान नहीं रहा,* उसके लिए।

यह क्षमा करने योग्य नहीं है! "यह उनके लिए असंभव है कि वे कभी भी सत्य के ज्ञान में आए।"

क्योंकि यह उनके लिए असंभव है जो... पवित्र आत्मा *के भागी बने है,*

258 जंगली झाड़ी पर गिरा, देखो, "यीशु के साथ आरंभ किया, और, 'प्रभु, मैं इसमें से होकर जा रहा हूं,'" लेकिन जब आप वचन पर पहुंचते है, तो आप पीठ घुमा लेते हैं। "पवित्र आत्मा के सहभागी बनाए गए, और यहां तक कि चखा, या वचन को स्वयं प्रगट होते हुए देखा।" और फिर इससे मुंह मोड़ने लगते है, "यह उनके लिए पूरी तरह से असंभव है कि वे कभी इसे देखे या इसके पास आए।"

259 यही **वचन यों कहता है**, वाला वचन है। अब, आप... "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन यह नहीं टलेगा।" आप इसे देखते हैं? "पूरी तरह से असंभव।" बाईबल ऐसा कहती है, और आत्मा इसकी गवाही देता है।

260 ध्यान दे, मैं आपको एक छोटा सा उदाहरण देता हूं। उन लोगों की ओर देखो जो बाहर आये मूसा की भविष्यवाणी के तहत, उस संगठन से बाहर आए, और हर चीज से बाहर आए, भविष्यवाणी के तहत, बड़े–बड़े कामों और अद्भुत कामों को देखा, और इस तरह की चीजों को देखा, और अंदर जाने की सीमा रेखा पर आ पहुंचे।

261 अब, ली, वहां आपका "नाम पुस्तक में" आता है। समझे? आपने इसे पक्का कर लिया है। और आप लोग जो यहां पर उपस्थित नहीं है, और बाहर प्रसारण के—के ज़रिए से जुड़े हुए है, यह डॉक्टर ली वायल यहां बैठे हुए है। वो सात कलीसिया युगों के संदेश की इस पुस्तक में व्याकरण पर काम कर रहे है। और समस्या आती है, या सवाल, आपके बारे में कि, "मेमने की जीवन की पुस्तक में से नाम निकाला गया है।" देखो, इसने बहुत से सेवकों को उलझन में डाल दिया है। लेकिन रुकिए जब तक आपको किताब

नहीं मिल जाती, यदि आपके पास केवल आपके अंदर जरा भी प्रकाश है तो आप इसे समझ जाएंगे। देखा?

262 ध्यान दें, अब, आप अपना सिर घुमा लेंगे और इसे देखेंगे भी नहीं यदि आप इसे नहीं देखना चाहते हैं। जैसे कि मेरी मां कहा करती थी, "आप शलगम से लहू नहीं निकाल सकते है, क्योंकि इसमें कोई लहू नहीं है।"

263 ध्यान दें, उजियाले को आना ही है; यह अंधकार में नहीं है। उजियाला अंधकार के लिए आता है, और अंधकार इसे नहीं समझता है। अब इस दिन में अभिषिक्त लोगों पर ध्यान दें।

264 जैसे मूसा ने उन इस्राएल की संतान को बाहर निकाला; और वे वहां उस महान राष्ट्र की बातें सुनकर वे पूरी तरह उलझन में पड़ गए। अब, इस्राएल अंतरसंप्रदाय था। उसके पास कोई देश नहीं था, उसके पास कोई घर नहीं था। यह एक घर की ओर जा रहा था।

265 हमारे पास कोई कलीसिया नहीं है। हम नहीं... हम—हम एक कलीसिया में जा रहे हैं, अर्थात पहलौठे की कलीसिया, कलीसिया जो महिमा में है; पृथ्वी पर मनुष्य द्वारा स्थापित कलीसिया नहीं। वह कलीसिया जो महिमा में है, बाहर बुलाये हुए लोग, अनंत जीवन के लिए पहले से ठहराये हुए, देखिए, अपने घर जा रहे है।

266 और जब वे उस पार जाने के स्थान पर आए, तो उन्होंने वचन पर संदेह किया, और वापस आ गए। यहोशू और कालेब के बाद और वे लोग वहां जाकर वापस अंगूरों का एक गुच्छा लेकर आए, ताकि उन्हें साबित करे कि देश वहां पर था, परमेश्वर की प्रतिज्ञा का वचन, "यह एक अच्छा देश है, दूध और शहद।" और इसे वापस लेकर आए, इस ओर, ताकि उन्हें ये साबित कर सके। और उन्होंने इसका स्वाद चखा और कहा, "ओह, ओह, हालांकि हम ऐसा नहीं कर सकते"

267 क्या हुआ? वे जंगल में ही नाश हो गए। वे ठीक वहीं पर बने रहे और अपने आप को संगठित किया, और उनमें से हर एक जन मर गया, लेकिन वे लोग जो वहां पर गए और उन्हें वापस लेकर आए, अर्थात यहोशू और कालेब; मूसा का रूपांतरण हुआ था। कलीसिया के प्रतीक्षा करने का एक नमूना; और पुराने नियम, नए नियम का पुनरुत्थान; और रैपचर हुई देह। वहां तीन को देखा? उन तीनो को पंक्ति में रखें, देखिए, सो, विश्वासी और अविश्वासी में। देखा?

268 ध्यान दें कि यह कैसे "पूरी तरह से" था। याद रखें, परमेश्वर ने उस पाप को कभी भी क्षमा नहीं किया। अब वे कैसे अंदर आयेंगे? यदि यह आरंभ से ही कटींली झाड़ी है, तो यह अंत में भी कटींली झाड़ी है। केवल पहले से ही ठहराये हुए ही इसे देखेंगे।

269 अब ध्यान से देखें। ठीक वैसे ही जैसे संत मार्टिन के दिनों में, ठीक अंधकार युग से पहले; एक धर्मी छोटा सा मनुष्य। कितने लोगों ने कभी संत मार्टिन के लेखों को पढ़ा है? आप में से बहुत से लोगों ने पढ़ा है। हम संत मार्टिन के लेखो को लेने के लिए वहां पर गए; याजक ने कहा, "लेकिन वह तो संत घोषित नहीं किया गया था।" निश्चय ही, वह नहीं किया गया था; ना ही उन लोगों के द्वारा, लेकिन वह परमेश्वर के द्वारा किया गया था। पवित्र आत्मा ने हमें बताया कि उसे वहां उस तीसरे कलीसिया युग में रखना। देखा?

270 देखो वह क्या ही धर्मी छोटा सा मनुष्य था; बुलाया गया, पहले से ठहराया गया। उसके माता–पिता, मूर्तिपूजक थे। उसके पिता, एक योद्धा थे। उसे एक सैनिक होने के लिए, उसकी परंपरा का अनुकरण करना था। और, जब उसने ऐसा किया, और हमेशा ही विश्वास किया कि कहीं तो परमेश्वर है; वो एक जंगल का मनुष्य था, और परमेश्वर को देख सकता था। एक दिन वह एक नगर से होकर गुजरा, और वहां एक बूढ़ा मांगने वाला पड़ा हुआ था, मर रहा था, किसी से माँग रहा था... उस रात उसे ठंड लग रही थी। "ओह," कहा, "मुझे ढांकने के लिए कुछ तो दे दे; मैं आज रात मर जाऊंगा।"

271 ऐसा कोई भी नहीं करेगा। और मार्टिन एक तरफ खड़ा रहा और उसे थोड़ी देर के लिए देखता रहा। कोई भी ऐसा नहीं करेगा। मार्टिन के पास केवल एक कोट था। वह ख़ुद ठंड से जम जाता, वह ड्यूटी पर था, यदि वह—वह उसे वह कोट दे देता है। इसलिए उसने सोचा, "हम दोनों के पास जीने का मौका होगा यदि मैं उसके साथ बांट दूँगा।" सो उसने अपना कोट लिया, और अपनी तलवार से उसे दो भागों में फाड़ किया, और उसमें बूढ़े भिखारी को लपेट दिया। उसने अपने कोट को अपने ऊपर लपेट लिया।

हर एक ने कहा, "देखो कितना अजीब सी दिखने वाला पहरेदार है। देखो क्या ही अजीब सा दिखने वाला सैनिक है, जिसके ऊपर आधा कोट लिपटा हुआ है!"

272 अगली रात को, जब वह डयूटी पर नही था और अपने बिस्तर पर लेटा हुआ था, तो वह जाग गया। उसने देखा, वहां कमरे में खड़े हुआ और वहां यीशु मसीह खड़ा था उस पुराने से कोट के टुकड़े में लिपटा हुआ था जिसे उसने उसके ऊपर डाला था। वो ठीक तभी जान लिया, "जो कुछ तुमने मेरे इन छोटे से छोटों के साथ किया, वही तुमने मेरे साथ किया है, मेरे अभिषिक्त के साथ," जो वहां पड़ा हुआ था।

273 वह परमेश्वर का एक महान सेवक था। कलीसिया ने उसका उपहास उड़ाया, उसे सताया, उसे बाहर निकाल दिया, और बाकी का सब कुछ, लेकिन वह परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता था। उसने जो कहा वह पूरा हुआ था। बहुत से लोगों ने उस युग में भी उस पर विश्वास किया।

274 मैं आपको दिखाना चाहता हूं कि शैतान कितना भरमानेवाला है। एक दिन वह अपने अध्ययन में बैठा हुआ था। एक बलवंत दूत सामने आता है, उसके सिर पर मुकुट था, सुनहरे जूते पहने हुए, उसके सोने के वस्त्र के चारों ओर लेस लगा था, और कहता है, "मार्टिन, क्या तुम मुझे जानते हो?" उसने कहा, "मैं तुम्हारा प्रभु और उद्धारकर्ता हूं। मैं वही हूं जिसने तुम्हें बचाया है। मेरी आराधना करो, मार्टिन।" लेकिन वह भविष्यव्यक्ता, यह जानते हुए कि वहां कुछ तो अजीब सा है, वह उसकी ओर देखता ही रहा। उसने कहा, "मार्टिन, मैं तुम्हारा उद्धारकर्ता, यीशु मसीह हूं। मेरी आराधना करो! क्या तुम मुझे नहीं जानते, मार्टिन?"

275 मार्टिन उसकी ओर देखता रहा, उसके मन में से होकर वचन चल रहा था। उसने कहा, "शैतान, मुझ से दूर हो जा।" उसने कहा, "तेरे सिर पर ताज है। और परमेश्वर का वचन कहता है कि उसके 'संत उसे ताज पहनायेंगे' युग के अंत में।"

क्या यह पेंटीकोस्टल को आकर्षित करने वाली चीज नहीं होगी? उस वचन पर ध्यान दे, भाई। यही है जहां यह बात असर करती है।

276 एक दिन, फिर से, आश्रम में, उनके पास वहां एक बूढ़ा संत था, युवा भिक्षुओ का झुंड। वहां उनमें से एक था जो एक प्रकार का चिड़चिड़ा सा था। इसे देखें, यहां आज के लिए एक अच्छा—एक अच्छा दृष्टांत है। वह उनमें से बाकी सभी के लोगों के ऊपर कुछ तो बनना चाहता था। वह अपने आप को दिखाना चाहता था, अधिकारी, कुछ तो बड़ा, कुछ तो बेहतर, सारे वर्ग, आप जानते हैं, और कुछ तो बहुत ही बड़ा। उसे प्रतिष्ठित बनना

था। वह हमेशा ही दूसरे भाइयों को चाहता था कि वे ना... आप जानते हैं, उसे भिन्न बनना था। समझे? वह, कोई मतलब नहीं यह क्या था, वह बहुत ही अभिमानी था। वो समुद्र किनारे का केवल कंकड़ था। वहां कोई भी उसे छू नहीं सकता था। अब देखो क्या हुआ। उसे कुछ तो बड़ा होना था। उसे उस—उस बड़े समाज के साथ बराबरी करनी थी। आप मुझे समझ रहे है? देखा? इसलिए, उसने कहा, उसने भविष्यवाणी की। उसने कहा, "प्रभु ने मुझे भी एक भविष्यव्यक्ता बनाया है। मैं एक भविष्यव्यक्ता हूं।"

अब वहां उस देश में एक पहचान पाया हुआ भविष्यव्यक्ता था, और वह संत मार्टिन था; उसने एक भविष्यव्यक्ता के रूप में जन्म लिया था।

277 लेकिन इस बालक ने कहा, युवा व्यक्ति ने कहा, युवा भिक्षु जो लगभग पच्चीस वर्ष का था, उसने कहा, "प्रभु ने मुझे एक भविष्यव्यक्ता बनाया है, और मैं इसे आपको साबित करने जा रहा हूं।" कहा, "आज रात प्रभु मुझे एक बड़ा, बढ़िया सा वस्त्र देने जा रहा है, इसे मुझ पर एक सफेद वस्त्र डालेगा, और तुम्हारे बीच में बैठूँगा। तब तुम सब मेरे पास आओगे, देखो, और तुम मुझ से आदेशों को लोगे।"

अब आज से इसकी तुलना करें, देखो, "मैं संगठन का प्रमुख बनूंगा। मैं तुम्हारी देखभाल करूंगा, और बाकी के तुम सभी भिक्षुओ की।"

278 और निश्चय ही ऐसा था, "उस रात, भवन के अंदर एक प्रकाश आता है," ऐसा ही संत मार्टिन का लेख कहता है। इसे पढ़ें। और यह प्रामाणिक है। यह इतिहास है। और वहां प्रकाश आया, और बाकी सभी ने देखा, और यहां वो आता है... उसने सफेद वस्त्र पहन रखा था, उनके बीच में खड़ा था। उसने कहा, "देखा मैंने तुमसे क्या कहा था?" लेकिन यह वचन के विपरीत था।

279 और जब वो जाकर और कॉलेज के पुराने प्रमुख अधिकारी को मिला, तो वह थोड़ी देर यहाँ से वहां चलने लगा, कहा, "पुत्र, यह ठीक नहीं सुनाई पड़ता।" उसने कहा, "केवल एक ही जरिया है।" यहाँ है ये! "हमारे पास इसे जानने का केवल एक ही जरिया है। यह अलौकिक दिखाई दिया।" भाई, पेंटीकोस्ट तो इसे बिना सोचे समझे इसे मान लेते, चारे से लेकर कांटे तक और बाकी की हर एक चीज! उसने कहा, "आश्चर्यकर्म ठीक दिखाई दे सकते है, लेकिन यह वचन के अनुसार सही नहीं लगता। अब, हमारे पास एक ऐसा व्यक्ति है, एक अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता, मार्टीन के नाम

से। आओ, उसके सामने जायें।"

उस व्यक्ति ने कहा, "नहीं, नहीं! मार्टिन का इस सब से कोई लेना–देना नहीं है।"

और कहा, "जो भी हो, तुम जाओगे।" और उन्होंने उसे हाथ से पकड़ लिया, ताकि उसे मार्टिन के सामने ले जाए, और वस्त्र उस पर से उतर गया।

देखिये, "यदि संभव हो तो चुने हुओ को भी भरमा दे।" देखो, वे उन्हें जानते हैं। यीशु ने कहा, "मेरी भेड़ मेरे वचन को जानती है।"

"ओह," आप कहते हैं, "'मेरी *आवाज* सुनती है।'"

280 यही उसका वचन है। "मनुष्य केवल रोटी से जीवित नहीं रहेगा, लेकिन हर एक वचन से।" समझे? पहले से ठहराया हुआ यह जानता है। "एक अजनबी का शब्द, या एक अजनबी की आवाज, वे उसके पीछे नहीं जायेंगे।"

281 इसी तरह से वहां पीछे उन लोगों के साथ है; वे पीछे–पीछे नहीं जाते है। वे जानते थे कि मार्टिन वहां उस युग का एक भविष्यव्यक्ता था, परमेश्वर के द्वारा वचन के द्वारा पहचाना गया, वचन को जानता था। और वह व्यक्ति इसके सामने नहीं खड़ा होगा।

282 उसने यह भी कहा, "जहां पर लोथ है," या वचन, "वहां उस ऋतु में, उकाब इकठ्ठा हो जायेंगे।" अब यह मत्ती... आप इसे लिखना चाहते है, यह मत्ती 24:28 है। बस इसके थोड़ा सा पहले, मत्ती 24:24 है; इसके चार पद नीचे, देखिये, यदि आप इसे लेना चाहते है। "जहां लोथ है," अर्थात मन्ना है, अर्थात वचन है, "वहां पर उकाब इकठ्ठा होंगे।"

283 अब मुझे जल्दी करना चाहिए। मैंने वहां ऊपर देखा और देखा कि किस समय... यह—यह बारह बजकर सात मिनट या आठ मिनट हुए है। मैं जल्दी–जल्दी करूंगा, या हम इसे आज रात समाप्त कर सकते हैं, या आप दोनों में एक ऐसा करना चाहते हैं। आज सुबह या आज रात को? हुह? आज कितने लोगों को सभा के बाद घर जाना है, आइए आपके हाथ को देखें, देखो। ओह, प्रभु, अच्छा होगा कि जारी रखूं!

284 मुझे खेद है कि उन लोगों को वहां बाहर फोन के ज़रिए से जुड़े हुए है जो इस तरह से रोके हुए हूं, लेकिन मैं जल्दी करूंगा। यह आपके पैसे से

ज्यादा मूल्यवान है। मैं सोचता हूं ऐसा मेरे लिए है, देखिये। आपका पैसा नष्ट हो जाएगा। यह नष्ट नहीं होगा; यह वचन है। देखा?

285 "जहाँ लोथ है, वहाँ पर उकाब इकट्ठा होंगे।" जहां पर लोथ है, जहां पर वो—वो—वो घात करना होता है, वहां पर उकाब इकट्ठा होंगे। जहां पर ताजा मांस है, उस समय का वचन, वहां पर उकाब इकट्ठा होंगे।

286 लेकिन इसके सड़ने के बाद, तब गिद्ध इसके लिए झुंड में आ जाएंगे। जी हां। देखा मेरा क्या मतलब है? जब एक घात किया जाता है, तो यहां उकाब आता है; लेकिन इसके बाद यह वहां पर पड़ा रहता है, और सड़ जाता है, तब यहां गिद्ध आते हैं। उकाब का इससे कोई लेना–देना नहीं होगा। समझे?

287 यीशु ने कहा, "जहां पर लोथ है," जहां पर मन्ना गिरता है, उस रात को मन्ना ताजा गिरता है, "वहां उकाब इसके लिए एकत्र होंगे।" उस दिन के लिए यही मन्ना है। देखा? ध्यान दें।

288 लेकिन इसके सड़ने के बाद, उसमें कीड़े लग जाते हैं, फिर यहां गिद्ध आते हैं। वे इसे तब तक नहीं सूंघ सकते जब तक यह सड़ न जाए। कोई आश्चर्य नहीं कि यीशु वहां खड़ा हुआ था और कहा, "यरूशलेम, तुम जिन्होंने हर एक भविष्यद्वक्ता पर पत्थरवाह किया!" ध्यान दें कि व्यक्तिगत सर्वनाम, देखो, "यरूशलेम, यरूशलेम, मैं कितनी बार चाहा कि मैं... " वह कौन था? "मैंने कितनी बार तुम्हें चाहा कि जैसे मुर्गी अपने चूजों को छिपा लेती है, तुमने उस प्रत्येक भविष्यव्यक्ता को जो मैंने हमेशा तुम्हारे पास भेजा," वो बड़ी कलीसिया, यरूशलेम।

289 वो यरूशलेम जो यहां धरती पर नहीं है, "लेकिन हम ऊपर के यरूशलेम से हैं," जहां से वचन आता है, पहले से ठहराये जाने से, देखो। ना ही पुराना यरूशलेम जो नष्ट होता है; नया यरूशलेम जो नष्ट नहीं हो सकता। ना ही वो पुराना यरूशलेम, जिसे मनुष्य के द्वारा बनाया गया; लेकिन नया यरूशलेम जो परमेश्वर के द्वारा बनाया गया, देखो, वहां पर वो वचन अब प्रगट हो रहा है। "मेरे पिता के घर में बहुत से स्थान है। मैं जाकर और उन्हें तुम्हारे लिए तैयार करूंगा," सृष्टिकर्ता सोने की सड़कों और इत्यादि चीजों को बना रहा है। यही वो एक है जो नष्ट नहीं होता।

290 "यरूशलेम, यरूशलेम, मैं कितनी बार मैंने चाहा," समय के आरंभ से; ना ही कोई तीसरा व्यक्ति, कोई तो और, लेकिन, "मैं तुम पर मंडराऊंगा

जैसे एक मुर्गी अपने बच्चे को पंखो के नीचे रखती है, लेकिन तुम नहीं चाहोगे। लेकिन अब तेरा समय आ गया।" समझे?

"जहाँ लोथ है, वहां उकाब इकट्ठा होंगे।" लेकिन लोथ के सड़ने के बाद, उसके बाद गिद्ध इकट्ठा हो जाते हैं। देखा?

291 ध्यान दें। मूसा, उसने कभी भी परमेश्वर के बच्चों को नहीं दिया... मूसा एक उकाब था, और उसने कभी भी परमेश्वर के बच्चो को नूह का बचा हुआ नहीं दिया। समझे? उसके पास परमेश्वर का ताजा वचन था। "प्रभु परमेश्वर ने मुझसे जंगल में भेट की, और उसके वचन की पुष्टि की, और मुझे यहाँ तुम्हें बाहर निकालने के लिए भेजा है।" फिर वहां पर नकल करने वाले आते हैं, इसकी नकल करते हुए। देखा? लेकिन उसके पास उस घडी का वचन था।

292 क्योंकि, परमेश्वर ने अब्राहम से कहा, वो एक जिसके पास प्रतिज्ञा थी, "तेरा बीज एक अजनबी देश में चार सौ वर्ष तक परदेशी होकर रहेगा। लेकिन मैं उनसे भेंट करूंगा और उन्हें एक सामर्थी हाथ से बाहर निकालूंगा।"

मूसा ने कहा, "अब, प्रभु परमेश्वर मुझसे बात करेगा और मुझे दिखाएगा, और उसने मुझे बताया कि क्या करना है, और मैं तुम्हें बताऊंगा।" कहा, "'**मैं हूं**' ने मुझे भेजा है।"

293 "**मैं हूं**!" ना ही "मैं था, या मैं होऊंगा।" "**मैं हूं**," वर्तमान काल, वचन अभी। ना ही वो वचन जो था, वो वचन जो आएगा; वो वचन जो अब है। देखा? आप इसे पकड़ पा रहे है? "**मैं हूँ**!" "**मैं हूं**" ये वचन है। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था।" क्या यह सही है? "**मैं हूँ**।" "परमेश्वर ने मुझे अपने भविष्यव्यक्ता के रूप में भेजा, कि इसे सच होने के लिए प्रमाणित करें। मैं इस वचन का उत्तर हूं, जो मुझे बताया गया कि यहां आकर और इसे करूं।"

और जब उसने ऐसा किया, फिरौन ने कहा, "तो ठीक है, हमारे झुण्ड में बहुत से लड़के है, वे भी ऐसा कर सकते हैं," नकल करने वाले।

294 यीशु ने कहा, "अब, यह अंत के दिनों में फिर से दोहराया जाएगा," देखो, उसी बात का दावा करते हुए। देखो पहले कौन नीचे आता है। देखो कौन वचन के साथ बना रहा। ऐसा ही है। इसी तरह से इसे जाना जाता है।

295 तो, आप देखते हैं, हम ध्यान देते हैं, मूसा ने उन्हें वो कभी नहीं दिया जो नूह का समय का था, "हम अब एक नाव बनाएंगे, क्योंकि यही वचन

है, तुम जानते हो। नूह ने एक दिन एक जहाज को बनाया था।" नहीं, गिद्ध इस पर भोज कर रहे थे। नहीं। नहीं।

यह एक प्रतिज्ञा किया हुआ वचन है। ध्यान दें, अपने संदेश के लिए जो उसके पास परमेश्वर की ओर से था, उसके पास उस घड़ी के लिए परमेश्वर का सच्चा ठहराया हुआ वचन था।

296 ना ही यीशु ने मूसा की उन बची हुई बातों को लेकर सेवा की। मूसा के पास उस घड़ी का वचन था, लेकिन मूसा एक भविष्यव्यक्ता था। यहां स्वयं परमेश्वर है, देखो, उसने कभी भी उनकी सेवा मूसा की—मूसा की बची हुई बातों को लेकर नहीं की।

लेकिन अब वहां पर उस संगठन में गिद्धों को देखें, इस पर पेट भर रहे थे। "हम जानते हैं! हमारे पास मूसा है! हमें तुम्हारी जरूरत नहीं है।"

उसने कहा, "यदि तुम मूसा को जानते होते, तो तुम मुझे जानते, क्योंकि मूसा ने मेरे विषय में कहा था।" देखा?

297 "जहाँ लोथ है, वहां उकाब इकट्ठा होंगे।" उकाब! वचन का ताजा शिकार, वह वचन जो ऊपर उठाया गया और हष्ट–पुष्ट किया गया, और प्रकट किया गया और बच्चों के लिए भोजन के रूप में दिया गया।

अब, वो पुरानी लोथ जो वहां सैकड़ों वर्षों से पड़ी हुई है, ये वहां पर होगी।

298 अब वही! लूथर के पास पश्चाताप का संदेश था; लेकिन, तुम लूथरन गिद्धों का झुंड! बैपटिस्ट के पास एक संदेश था; लेकिन, तुम बैपटिस्ट गिद्ध हो! देखा? पेंटीकोस्ट के पास एक संदेश था; अब घर आ रहा है, पेंटीकोस्टल गिद्ध!

"लेकिन जहां लोथ है, वहां उकाब इकट्ठा होंगे।"

याद रखें, पीछे उन दिनों में, आप एक लूथरन को नहीं खिला सकते थे (आप अभी खिला सकते हैं), कैथोलिक को एक सड़ा हुआ मांस नही खिला सकते थे। नहीं, महाशय। उसके पास ताजा मांस था। वह उस कलीसिया युग का भोजन था।

299 आप मेथोडिस्ट को, लूथरन संदेश को नहीं खिला सकते है। ओह, नहीं, उसने कोई सड़ा हुआ मांस नहीं चाहा। यह सड़ा हुआ है। देखो,

जीवन ने इसे छोड़ दिया था और आगे किसी और चीज में चला गया। यही वो पुराना डंठल है जो वहां पीछे मर गया है। जीवन आगे बढ़ रहा है।

ना ही आप यीशु मसीह की दुल्हन को पेंटीकोस्टलवाद खिला सकते हैं। वास्तव में नहीं! कीड़ों से भरे हुए सड़े–गले संगठन; यह नहीं चलेगा! नहीं, नहीं!

300 क्योंकि प्रतिज्ञा यह है, "और उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा। वह बच्चों के हृदय को फिर से पिता के विश्वास की ओर लौटाएगा।" "ये सारी प्रतिज्ञाये बाईबल में की गयी थी, मैं इसे पूरा करूँगा, और वहाँ उकाब इकट्ठा होंगे।" "वो सभी जिसे पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आएगा।" देखा?

301 यीशु ने कभी यह कोशिश नहीं की। लेकिन जब यीशु आया, उसने उन गिद्धों के झुंड को पाया, "हमारे पास मूसा और व्यवस्था है।" देखा? तो ठीक है, यह अच्छा खाना था वहां पहले जब इसे घात किया गया और उन्हें दिया गया। देखो, यह तब के लिए ठीक था।

302 लेकिन यह वही है जिसकी भविष्यवाणी स्वयं मूसा ने की थी, जिसने बलिदान को घात किया, कहा, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे बीच से, तुम्हारे अपने भाइयों के बीच से एक भविष्यद्वक्ता को उठा कर खड़ा करेगा। यह पूरा होगा, कि हर एक जन उस भविष्यव्यक्ता से जुड़ा नहीं रहेगा और जो वह कहता है, लोगों के बीच से अलग कर दिया जाएगा।" और ऐसा ही था।

303 देखिए कैसे लगभग छह सौ विभिन्न भविष्यवाणियां ठीक तभी वहां पर पूरी हुई, पुराने नियम की, जो यीशु मसीह के लिए थी। "उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को छेदा।" इस विषय में, मैं भूल गया कि उसके जीवन के अंतिम सात या आठ घंटों में कितनी भविष्यवाणियां पूरी हुई थी, उन सभी भविष्यवक्ताओं ने सिद्ध रूप से कहा।

304 यदि मैं आज किसी एक बात की भविष्यवाणी करता हूं कि अब से एक वर्ष में घटित होगी, हो सकता है मेरे पास—मेरे पास इसे घटित होने की बीस प्रतिशत संभावना है, कि यह सही हो या गलत। और यदि मैंने भविष्यवाणी की है कि ऐसा घटित होगा, और यह नहीं बताया कि कब होगा, तो मेरे पास कुछ ही प्रतिशत संभावना है। यदि मैं भविष्यवाणी करता हूं कि यह कब घटित होगा, तो यह मेरे लिए कुछ ही प्रतिशत संभावना को

देता है। यदि मैं उस स्थान की भविष्यवाणी करता हूं कि यह वहां घटित होगा, तो यह अब भी कुछ ही प्रतिशत बना रहता है। यदि मैंने भविष्यवाणी की है... यह किस पर होगा, तो यदि यह सच नहीं है, उसके पूरा होने की मेरी संभावना लगभग एक लाखवें प्रतिशत की ही होगी।

305 और हर एक वचन, हाल्लेलुय्या, जो उस मसीहा के लिए लिखा गया था, शब्द दर शब्द पूरा हुआ था। यहां तक कि एक दिन वचनों को पढ़ते हुए, वह ठीक वाक्य के बीच में रुक गया, और कहा, "परमेश्वर का आत्मा मुझ पर है कि सुसमाचार का प्रचार करूं, और उन को छुड़ाऊँ... " और ठीक वहां वाक्य के बीच में रुक गया, क्योंकि बाकी का यह उसके दूसरे आगमन पर होता है। आमीन! "आकाश और धरती टल जाएंगे; मेरे वचन कभी नहीं टलेंगे।" देखा?

306 वह तब वचन था, जो उन्हें तब खिला रहा था। मूसा ने उन्हें सत्य को बताया; लेकिन, आप देखते हैं, वे हमेशा इसमें से एक संप्रदाय बनाते हैं, गिद्धों के लिए...

307 उकाब के खाने और घर चले जाने के पश्चात वहां इसमें से कुछ बाकी का बच जाता है। तब वे कुछ तो और चीज को देखने के लिए प्रतीक्षा करते हैं। "वो वचन," वे कहते हैं, "यहाँ इसे आना चाहिए। हमारे पास कल का सड़ा हुआ खाना था, हमारे पास कल भेड़ होगी।" देखा मेरा क्या मतलब है? "वहां पर पुरानी हिरण की लोथ है, जिस पर वे मंडरा रहे है, लेकिन आज हमारे पास भेड़ आ रही है। यह कहाँ पर है? " देखा मेरा क्या मतलब है? दूतों का भोजन! वे लोग जो एक दिन मन्ना खाया, यदि वे इसे अगले दिन के लिए रखने की कोशिश करते है, तो यह दूषित हो जाता है। क्या आप सभी प्रकार के लोगो को नहीं देखते, कितना सिद्ध रूप से है? अब वैसे ही है!

308 ध्यान दे, यीशु के दिनों के गिद्ध भी शैतानों को निकाल रहे थे; अभिषिक्त लोग पुरानी लोथ पर। क्या यह सही बात है? वे शैतानों को निकाल रहे थे। यीशु ने ऐसा कहा।

309 और याद रखें, उन दिनों में उनके पास भविष्यव्यक्ता थे। कैफा, महायाजक ने भविष्यवाणी की। कितने लोग यह जानते हैं? कैफा ने भविष्यवाणी की। खेत में जंगली झाँडी की स्थिति का ध्यान रखें; इसे उसी अभिषेक के द्वारा सींचा गया। बाईबल ने क्यों कहा कि उसने भविष्यवाणी

की? "क्योंकि वो उस वर्ष का महायाजक था।" एक सड़ा हुआ गिद्ध, एक जंगली झाड़ी और एक काँटेदार पौधा, जो गेहूँ के बीच में बैठा हुआ है; लेकिन आत्मा उस पर था, परमेश्वर का सच्चा पवित्र आत्मा। परमेश्वर का पवित्र आत्मा उस पर था, ताकि प्रचार करे, भविष्यवाणी करे, और इसे घटित होने से पहले से बताये; और उसने इंकार किया और उस घड़ी के प्रमाणित वचन को क्रूस पर चढ़ाया।

310 ओह, दया, भाई! हमारे पास इन बातों को कहने के लिए और कितना समय है, देखो, वचनों में इसके बारे में और कितना बताया गया है? मैं जल्दी करूंगा। मेरे पास यहां वचन के लगभग दस पन्ने हैं, कैसे सारी बातों को साबित कर रहा हैं। "सूर्य धर्मी और अधर्मी दोनों पर एक सा होता है।"

311 यीशु ने इसे साबित करने के लिए कहा। "यदि मैं परमेश्वर की उंगली से शैतानों को निकालता हूं, तो तुम्हारे बच्चे किसके द्वारा उन्हें बाहर निकालते हैं? " अब, वे शैतानों को निकाल रहे थे। वे भविष्यवाणी कर रहे थे। क्या यह सही है? लेकिन उस घड़ी का वचन होने पर उसे नहीं पहचाना, (क्यों?) क्योंकि वह उनसे जुड़ा हुआ नहीं था।

312 अब मत्ती 24:24 को ले, "झूठे मसीह, " अभिषिक्त लोग, "वे उठ खड़े होंगे, और झूठे भविष्यव्यक्ता इसकी भविष्यवाणी करेंगे, " देखो, "और यदि यह संभव हो तो चुने हुओं को भी भरमा देंगे।" अब आप इसे पकड़ पा रहे है?

313 बच्चों पर ध्यान दें। "कौन यह बच्चे... यदि मैं परमेश्वर के वचन से शैतानों को निकालता हूं," जो कि, वो स्वयं परमेश्वर का वचन था, "तुम्हारे संप्रदायिक बच्चे उन्हें किसके द्वारा निकालते हैं? " अब, और केवल परमेश्वर ही शैतान को निकाल सकता है, हम यह जानते हैं, केवल परमेश्वर ही। क्योंकि, बलवान मनुष्य को उसके घर में रहने वाले से अधिक बलवान होना है। उनके पास इसे करने की सामर्थ थी।

314 आप जानते हैं, वहां प्रकाशितवाक्य में, कहा गया था कि वह... वह मसीह विरोधी जो अंतिम दिनों में उठ खड़ा होता है, "चिन्हों और अद्भुत कामों को किया, जिसने यहाँ तक कि उन लोगों को भी भरमाया, जो धरती पर रहते थे, और उनमें से हर एक को भरमाया गया, मसीही और सारे, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए थे, " मत्ती 24:24 का उत्तर, "जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में जगत की उत्पत्ति

से लेकर नहीं लिखे गए थे।"

315 वह जीवन जो उस—उस वास्तविक नारंगी के पेड़ की जड़ में था, जो उन सारे खट्टे फलों और बाकी हर चीज में से होते हुए ऊपर आता है, और आगे बढ़कर और फल को पेड़ के ऊपर लगाया, सभी सांटी गए संप्रदायिक और डालियों के ऊपर। आपने इसे समझा? मैं जल्दी करूंगा। बलवान मनुष्य...

अब दाऊद को याद करे, वह ईमानदार था, सच्चा था, परमेश्वर के एक काम को करने की कोशिश कर रहा था, और इसे करने के लिए नियुक्त नहीं किया गया था।

316 "वे," अभिषिक्त लोग; लेकिन यीशु ने कहा, "वे (वचन) के अनुवाद को ही सिद्धांत के रूप में सिखा रहे है, जो मनुष्य का अनुवाद है," देखो, ना ही परमेश्वर का वचन, ना ही उसका प्रमाणित वचन; एक ऐतिहासिक मसीह की शिक्षा दे रहे है, देखो, कुछ तो ऐसा जो था।

और बाईबल ने कहा, "वो है।" "**मैं हूं**," ना ही "मैं था या मैं होऊंगा।" "**मैं हूँ**, ठीक अभी।" वो वही वचन है जो यहाँ से होते हुए रहता है।

वो आरंभ में था, वह उसमें था—वह उस—उस डंठल में था; वह लटकन में था; वह भूसी में था; लेकिन अब वह दाने में है।

317 अब, आप वापस जाकर और फिर से जीने की कोशिश करते है? क्या हो यदि वो जीवन ने वापस नीचे चला जाए, तो क्या आप सोचते हो कि वह (बचा) हुआ जीवन उस पुरानी भूसी के छिलके के सूख जाने के बाद, कभी वापस जाकर उसमें फिर से जीवित रहेगा? यह कभी भी नहीं करता है। "क्योंकि यह उनके लिए असंभव है जिन लोगों ने एक बार ज्योति पायी है," और वो वचन के साथ आगे नहीं बढ़ा जब यह पूरा होता है, "वे मर गए, चले गए; और काँटे और झाड़ियाँ जो निक्कमे होने पर है, और जिनका अन्त जलाया जाना है।" क्या यह सही है?

अब मैं जितनी जल्दी कर सकता हूं उतनी जल्दी करूंगा।

318 अब वचन पर ध्यान दें। एक ऐतिहासिक परमेश्वर की शिक्षा दे रहे है, देखो, ठीक वैसे ही जैसे वे अतीत में जीने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे, "तो ठीक है, वैसली ने *ऐसा–और–ऐसा* कहा।" या, "*फलां–और–फलां* ने *ऐसा–और–ऐसा* कहा।" आप इस दिन के प्रतिज्ञा के वचन को अस्वीकार

कर रहे हैं, वो मन्ना जो साफ़ तौर से इस दिन के लिए पहचाना गया है। वे अपनी पुराने लूथरन, बैपटिस्ट, पेंटीकोस्टल दाखरस को हमारी नई बोतलों में डालने की कोशिश करते हैं। यह काम नहीं करता है। और हमारा नया दाखरस, उनके पुरानी बोतलों में, काम नहीं करेगा। यदि वे इस नई दाखरस को संप्रदाय में डालने की कोशिश करते हैं, तो उनकी मूर्खता प्रगट हो जाती है। वे इसे नहीं कर सकते। इससे ये फट जाएगी।

"अब, भाई, मैंने परमेश्वर के वचन को, वचन के द्वारा सिद्ध रूप से देखा है!"

319 "अब, यहाँ देखिए, डॉक्टर, यदि... हम—हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते है।" नेड, मुझे लगता है कि हाल ही में आपके साथ ऐसा कुछ हुआ है। "हम, हम अभी यहाँ इसे स्वीकार नहीं कर सकते है। मैं—मैं चाहूंगा कि हो सकता है आप बस आगे चले जाए।" आप समझते है। देखो, यह काम नहीं करेगा। यह फट जायेगा।

320 "तुम पुराने वस्त्र में नए कपड़े का टुकड़ा नहीं लगाते, क्योंकि इससे वह और भी फट जाता है।" समझे? क्या यीशु ने यह नहीं कहा? तुम नई दाखरस को पुरानी बोतल में नहीं डाल सकते। इससे वे फट जाती है। नया दाखरस इसमें जीवन होता है। तो ठीक है।

321 ध्यान दें, यहां पर कुछ तो है, अब बहुत जल्दी से, जब हम समाप्त कर रहे हैं... हमारी बातचीत को। प्रकाशितवाक्य 16:13 से 14 पर ध्यान दें, यदि आप इसे लिखना चाहते हैं। हो सकता है मेरे पास समय ना हो कि इसमें जाऊं। मैं चाहता हूं कि आप निश्चित हो जाए और इसे देखें। अब ध्यान दें, यह छठवे और सातवे कटोरे के बीच की आवाज़ को दे रहा है।

अब हम... हम बस एक मिनट में बंद कर देंगे, यदि आप बस कुछ मिनटों के लिए और धीरज धर सकते हैं। अभी बंद कर रहे है।

322 ध्यान दें प्रकाशितवाक्य 16:13 से 14, छठवे और सातवे कटोरे के बीच में, "मेंढक के समान तीन अशुद्ध आत्माये" (क्या आपने इस पर ध्यान दिया?) "किसी के मुंह से बाहर निकले।" अब जल्दी से ध्यान दे। क्या आप तैयार है? कहे, "आमीन।" [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आत्माओं की त्रिएकता!

323 अब संप्रदायिक भाई, बस एक मिनट के लिए शांत बैठे रहे। उठकर और कमरे से बाहर नहीं चले जाना, वहां बाहर जो इस रेडियो प्रसारण से

जुड़े है, टेलीफोन संचार व्यवस्था पर जुड़े है। अपने टेप रिकॉर्डर को बंद ना करें। एक मिनट के लिए शांत बैठे, और सुने। आप परमेश्वर से जन्मे हैं, आप सुनेंगे।

324 मेंढकों की एक त्रिएकता! मेंढक एक ऐसा जानवर है जो हमेशा पीछे की ओर देखता है। वह कभी नहीं देखता कि वह कहां जा रहा है; वह देखता है कि वह कहां से आया है। समझे? क्या आप नहीं देखते? त्रिएकतावाद का जन्म कहाँ पर हुआ? याद रखें, "तीन अशुद्ध आत्मायें," व्यक्तिगत आत्मायें। क्या आप इसे पकड़ पा रहे हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

325 ध्यान दें, वे वहाँ पीछे निसिया परिषद की ओर देखते हैं जहां त्रिएकता की शिक्षा का जन्म हुआ था, ना ही बाईबल में। ऐसी कोई चीज ही नहीं है। वे निसिया, रोम में निसिया परिषद की ओर पीछे देखते हैं, जहां पर त्रिएकता का जन्म हुआ था।

326 ध्यान दें कि वे कहां से आये हैं। ध्यान दें। और मेंढकों की त्रिएकता एक पुरानी त्रिएकता में से बाहर आयी, एक नई त्रिएकता को जन्म देती है, उनकी मां। यह किसमें से बाहर आया? एक त्रिएकता, "उस अजगर," से देखो, "वो पशु," और "झूठा भविष्यव्यक्ता।" एक त्रिएकता, नया। क्योंकि ये मेंढक कब बाहर आए थे? ये कब आए? ध्यान दें, वे हर समय वहां पर थे, लेकिन यह तब तक प्रकट नहीं हुआ था जब तक कि छठवे और सातवें कटोरे के बीच में, मोहरों के खुलने से ठीक पहले (हम्म?) कि इसे प्रकट करे।

327 "क्योंकि सातवें दूत के संदेश में, परमेश्वर के रहस्य प्रकट हो जाएंगे," ये सारी त्रिएकता की बातें, और झूठे बपतिस्मा, और हर एक चीज को प्रकट होना था। परमेश्वर हमारी सहायता करे कि हम देखें कि सत्य क्या है! और यह ना सोचे कि यह कोई कुछ तो कहने की कोशिश कर रहा है...

328 मैं उस आत्मा को इसका विरोध करते हुए महसूस करता हूं, आप देखो। भाई, मैं अपने विषय में नहीं बोल रहा हूँ। मैं प्रभु के दूत के विषय में बोल रहा हूं जो कि छावनी में है। यह बिल्कुल सही है।

329 ध्यान दे, एक त्रिएकता! "वो अजगर," कितने जानते हैं कि अजगर क्या था? यह रोम था। "और वह अजगर स्त्री के सामने खड़ा हुआ था कि जैसे ही वह बालक को जन्मे तो उसे निगल जाए।" यह सही है? बाईबल

में "पशु" का क्या अर्थ है? सामर्थ। तो ठीक है। "झूठा भविष्यव्यक्ता, एक झूठा भविष्यव्यक्ता," एक झूठा, अभिषिक्त। समझे?

330 कहां से आरंभ हुआ? यह "झूठा भविष्यव्यक्ता," है एकवचन। "झूठा भविष्यव्यक्ता," पहला पोप; और वहां से "वो—वो वेश्या, और वेश्याओं की माता," बाहर आती है, पूरा तंत्र।

331 एक झूठी त्रिएकता उठ रही थी; ना ही आरंभ के दिनों में, ये आरंभ के दिनों में प्रगट नहीं हुआ होगा, यह ठीक इसमें से होकर निकले। लेकिन जब सात मोहरे आई, और उन रहस्यों को खोला और उन्हें प्रगट किया, यही है जब "मेंढक, तीन अशुद्ध आत्माएं जैसे मेंढक, स्वयं को प्रकट करने के लिए बाहर आती है," सत्य के विरोध में एक त्रिएकता की शिक्षा। देखा? हुँह!

देखा ये कहां से आये? देखा कि ये कहां वापस जा रहे है? विश्वव्यापी परिषद। कुछ भी हो, वे सभी भाई–भाई है; वही आत्माएं, वही चीज।

332 और ध्यान दे। बहुत ही भरमाने वाले, अद्भुत काम करते हुए! और ये शैतान हैं जो पृथ्वी के सारे देवताओं के पास जाते हैं, आश्चर्य कर्म करते हुए, ताकि उन्हें अंतिम दिन में भरमाये, और ऐसा करने में सफल होंगे। परमेश्वर ने उस दुष्ट आत्मा के बारे में क्या कहा?

दुष्ट आत्मा ने कहा, "मैं नीचे जाऊंगा और उन भविष्यवक्ताओं के मुंह में बैठ जाऊंगा और उनसे झूठी भविष्यवाणी करवाऊंगा, ताकि आहाब वहां नष्ट होने के लिये बाहर आ जाए।"

333 परमेश्वर ने कहा, "जा। तू सफल होगा। तू उन्हें इस पर विश्वास करने को तैयार कर लेगा। वे आरंभ से ही उस वचन पर नहीं है।" देखा? "जा, क्योंकि तू उसे यकीन दिलायेगा। तू ही वो एक होगा जो इसे करेगा, जब तुम उन झूठे भविष्यद्वक्ताओं के अंदर चले जाते हो, क्योंकि वह ठीक उन पर भरोसा कर रहा है। और वह वचन के बारे में कुछ नहीं जानता, ना ही वह इसके बारे में जानने की कोशिश करेगा। वह ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि वह आरंभ से ही एक कंटीली झाड़ी है।" देखा? देखा? "तुम सफल हो जाओगे।"

यहाँ इन झूठे मेंढको की ओर देखें, वे पीछे की ओर देख रहे हैं, "क्यों, तुम जानते हो कि उन्होंने वहां पीछे निसिया में क्या कहा था?"

334 मैं परवाह नहीं करता कि उन्होंने वहां निसिया में क्या कहा। मैं वही कह रहा हूं जो उन्होंने यहां परमेश्वर के सिंहासन पर कहा; क्या होगा, ना कि क्या था; क्या होगा, क्योंकि वह "**मैं हूं"** है। देखा?

"झूठे।" इसकी ओर देखो। ओह! ध्यान दें कि ये कहां से आए हैं।

335 अब (ध्यान से सुनना।) हम साफ़–साफ़ देखते हैं, सात मोहरों के खुल जाने के बाद। यही उस रहस्य को प्रकट करने के लिए है: वो त्रिएकता क्या है? देखा? इसे कहाँ पर कभी त्रिएकता कहा गया था? देखा? बाईबल में यह कहाँ पर कभी त्रिएकता शब्द को बोला गया? वहां तीन परमेश्वर कहां हो सकते हैं, कि हम तीन परमेश्वर की आराधना करे और मूर्तिपूजक ना हो?

336 वे कैसे अलग हो सकते हैं, जबकि उसने कहा, "मैं और मेरा पिता एक हैं"? "जब तक तुम विश्वास नहीं करते कि मैं वह हूं, तुम अपने पाप में नष्ट हो जाओगे, देखो, तुम्हारे अविश्वास में।" पाप अविश्वास है। "तुम अपने अविश्वास में नष्ट हो जाओगे।"

ओह, तुम क्या कहते हो कि मैं कौन हूं, तुमने कहां से कहा कि मैं आया हूं,
ओह, क्या तुम मेरे पिता को जानते हो, या तुम उसका नाम बता सकते हो?
मैं शारोन का गुलाब हूं, वह चमकता हुआ और भोर का तारा हूं।

क्या तुम मुझे बता सकते हो कि वो कौन है?

मैं हूं जिसने मूसा से आग की जलती हुई झाड़ी में बात की,
मैं अब्राहम का परमेश्वर हूं, वह चमकता और भोर का तारा।
मैं शारोन का गुलाब हूं, ओह, तुमने कहां से कहा कि मैं आया हूं;
ओह, क्या तुम मेरे पिता को जानते हो, या तुम उसका नाम बता सकते हो? (आमीन!)
मैं हूं अल्फा, ओमेगा, अंत से आरंभ हूं;
मैं हूं सारी सृष्टि, और यीशु उसका नाम है।

यह सही बात है। कोई त्रिएकता नहीं! नहीं, महाशय। यह एक झूठी बात है।

337 सात मोहरे, जो उन रहस्यों को खोलती हैं जिन्हें "समाप्त हो जाना चाहिए," दिखाता है। मोहर खुल गयी; प्रगट करता है, दिखाता है, छिपे हुए सत्य को स्पष्ट करता है जो इन सारे वर्षों में मोहरों ने छिपाए रखा था, उन सभी कलीसियाओ और संप्रदायों में से होते हुए।

"वह बड़ी वेश्या," प्रकाशितवाक्य की सात–... वो कौन थी? लेकिन वह "**वेश्याओ की माता**," भी है। देखा?

"अब, आपने उन्हें 'गिद्ध' कहा," आप कहते हैं, "भाई ब्रन्हम।" यह सही बात है।

338 लेकिन, याद रखें, एक गिद्ध एक पक्षी है। वह उड़ने के लिए भी अभिषिक्त है। "दो आत्माएं, चुने हुओ को भरमाने के लिए इतने नजदीक होंगे... " एक गिद्ध एक—एक उकाब जितना बड़ा होता है। वह उस उकाब की तरह उड़ सकता है; और उसे उड़ने के लिए अभिषेक किया गया है, या प्रचार करने के लिए, या भविष्यवाणी करने के लिए, ध्यान दें, वैसे ही जैसे कि उकाब को। लेकिन वह उकाब के पीछे–पीछे ऊंचाई तक नहीं जा सकता। नहीं, नहीं। यदि वह उकाब के पीछा करने की कोशिश करेगा, तो उसकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी। जी हां, महाशय। वह उकाब के पीछे–पीछे नहीं जा सकता।

339 ओह, वह कह सकता है, "मैं विश्वास करता हूं कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर पिता, सर्वशक्तिमान, आकाश और धरती का रचियता; यीशु मसीह उसका पुत्र है," और इत्यादि। ओह, निश्चय ही, वे ऐसा कर सकते हैं। लेकिन उसके विषय में क्या है कि वह कल, आज और युगानुयुग एक सा है? देखा?

340 एक उकाब विशेष प्रकार का बना हुआ पक्षी होता है। उसके समान धरती पर कोई भी नहीं है। समझे? वो—वो... यदि एक गिद्ध उसके पीछे–पीछे जाने की कोशिश करता है, या कोई अन्य पक्षी, तो वह टूकड़े होकर बिखर जाएगा। उसकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी, निश्चित रूप से। जब वह नई दाखरस को पुरानी बोतल में डालने का यत्न करता है, तो वह फट जाएगी। देखो, वह फट जाएगा। वह टुकड़े होकर बिखर जाएगा। वह इस तरह से नहीं बना है, वह नहीं... उसके शरीर की संरचना ऐसी नहीं है कि

वह उसे वहाँ संभालकर टिकाए रख सके। जब वह उन बड़े–बड़े क्षेत्रों में वहां ऊपर पहुंचता है, यदि उसे वैसा नहीं बनाया गया था, ना ही नियुक्त किया गया, ना ही पहले से ठहराया गया, ना ही वो उकाब जन्मा था, तो वह फटकर टुकड़े–टुकड़े हो जाएगा। समझे? उसके पंखों से पर निकल जायेंगे, और वह धरती पर गिर जाएगा। निश्चय ही। वह उकाब के पीछे–पीछे ऊंचाई पर नहीं जा सकता। यदि वो कोशिश करता है, तो उसकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी। यह सही है। आप नहीं कर सकते।

341 क्यों? वो उकाब की तरह नहीं देख सकता। वास्तव में बहुत ऊँची छलाँग लगाने की कोशिश करने से क्या फायदा, जब ऊपर पहुँचकर आपको यह भी न दिखाई दे कि आप कहाँ हो? और यदि वह इस उकाब की नकल करने की कोशिश करे, यहाँ तक कि ऊँचाइयों में भी, तो वह इतना अंधा हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि वह किस स्थिति तक पहुँच गया है। यह सही है। वह चिल्ला रहा है, शोर मचा रहा है और करता जा रहा है; लेकिन बस उसे वचन सुना दो, भाई, तब उसकी मूर्खता प्रकट हो जाती है।

342 उससे यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मे के बारे में बात करें, या, वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है, सारी—सारी इसी तरह की बातें, और उसे बताये। "क्यों, ओह, अब बस एक मिनट रुकना!" देखा? ओह, हाँ, वहाँ अब उसके पंख गिरने लगते हैं। देखो, वह अभी उछल रहा है, भविष्यवाणी कर रहा है, शैतानो को निकाल रहा है, अन्य भाषाएँ बोल रहा है, जयजयकार कर रहा है, और इसी में लगे रहता है, और फर्श पर इधर–उधर दौड़ता है। लेकिन उस बात को आगे वहाँ तक ले जाने की कोशिश करे; क्यों, तब वह निश्चित ही प्रकट हो जाएगा कि वह क्या है।

343 फिर भी, वह नियुक्त किया गया है। वह अभिषिक्त है। वह उड़ सकता है। वह अपने आप को संतुलित कर सकता है, वहां ऊपर जा सकता है, लेकिन ना... बस कुछ ही दूर तक। देखिए, वह सड़े हुए मांस को खा सकता है, लेकिन वह ताजा मांस नहीं खा सकता है जो सिंहासन से आता है।

344 वह अंधा है। वह पूरी तरह से उत्तेजित है, लेकिन वह नहीं जानता कि वो किस विषय में उत्तेजित है। देखो, वही आत्मा जो उस पर उतरा है, बारिश के समान, कि उसे गेहूँ बनाए; वह आरंभ से ही गेहूं नहीं है। वह फट जाता है। "ओह, मैं कुछ नहीं जा सकता कुछ... ओह, नहीं, महाशय! मैं

जानता हूं कि डॉक्टर जोन्स ने कहा... " तो ठीक है, आगे बढ़े। समझे? आगे बढ़े, यदि आप चाहे तो।

345 नहीं, ध्यान दें, वह जन्मा नहीं है, या ना ही ऐसा बना नहीं है, या पहले से ठहराया हुआ है, उस प्रकार का एक पक्षी होने के लिए। वह कर सकता... वह एक... एक नारंगी के पेड़ पर उगने वाला नींबू हो सकता है, लेकिन वह कभी भी जड़ों से नहीं आया था। वह कुछ ऐसा है जिसे जोड़ा गया है। और जब वे अपने संप्रदायों में इतने ऊंचाई पर जाते हैं कि वे परमेश्वर के पहले से ठहराये हुए वचन को प्रमाणित होते हुए नहीं देख सकते, तब उनकी मूर्खता प्रकट हो जाती है। "ओह, वह चीज, उसके सिर के चारों ओर तेज़ प्रकाश, और वो सब, ओह, यह बकवास है।" देखा? प्रकट हो जाता है।

346 वह इतनी दूर देखने के लिए नहीं बना है। वह केवल उतना ही देख सकता है, जहां तक उसका संप्रदाय का चश्मा उसे दिखाता है। लेकिन, उसके बाद, वह एक चमगादड़ के समान अंधा हो जाता है। यह तो उसकी मूर्खता ज्ञात होती है। समझे? यही है जहां सच्चा उकाब खाने के लिए बैठता है। जी हां, महाशय। यही है जहां सच्चा, चुना हुआ उकाब देखता है कि वो क्या है। जब वह उस वचन को नहीं ले सकता, तो उन्हें ठीक पता चल जाता हैं कि वह एक सांप्रदायिक गिद्ध है।

347 क्यों, वह क्यों नहीं उड़ सकता? क्योंकि, देखो वह क्या खा रहा है। वह सड़े हुए सांप्रदायिक मांस को खा रहा है। वह—वह उसके शरीर को आत्मिक अवस्था में नहीं लायेगा, उसे आत्मिक रूप से तैयार नहीं करेगा, दूसरे शब्दों में, कि वह संप्रदायगत मतभेदों से ऊपर उठ सके। समझे? देखो, वह बस सड़ी–गली चीजों को खाता है; उसका शरीर उन्हीं से बना है। वह वहां ऊपर नहीं जा सकता जहां ताजा मांस उस उकाब को ले जाता है। वह बस इसे नहीं कर सकता है। समझे?

348 यह मत्ती 24:24 को पूरा करता है। वह उड़ता है, ऊपर हवा में छलांग लगाता है, अपने पंख फड़फड़ाता है, लेकिन वह बस इतनी ऊंचाई पर नहीं जा सकता है। देखा? यह सही है। देखो, वह नहीं जा सकता, वह इतना ऊंचा नहीं पहुंच सकता कि उस ताजा मन्ना को ले सके। वह बासी मन्ना खा सकता है जो यहां जमीन पर है, वे बासी मरे हुए खरगोश जो एक सप्ताह पहले कुचल गए थे, या एक महीने पहले, या चालीस वर्ष पहले, दूषित हो चुके है। वह इसे खा सकता है, और बस इस पर मग्न हो सकता

है, और शोर मचा सकता है और चिल्ला सकता है, और इसी में लगे रहता है, ऊपर छलांग लगा सकता है और दूसरे उकाब की तरह उड़ सकता है। वह अभिषिक्त है, अन्य दूसरे पक्षी की तरह।

349 और वह एक तरह का उकाब ही है, अर्थात जो एक गिद्ध है। हम यह जानते हैं। वह निश्चय ही है, परंतु वह उस सच्चे उकाब का अनुकरण नहीं कर सकता। समझे? वह बस ऐसा नहीं कर सकता। नहीं, महाशय। उसकी देह वैसी बनी ही नहीं है; वह भिन्न सड़े–गले मांस को खा रहा है, देखिए, और यह नहीं हो... यह ताज़ा मांस, ताज़ा मन्ना पर नहीं बैठेगा—नहीं बैठेगा। यह कुछ ऐसा होगा जो लूथर ने कहा, वैसली ने कहा, या डॉक्टर *फ़लां–और–फ़लां* ने कहा। यह उस पर नहीं बैठेगा जो यीशु ने इस घडी के लिए कहा।

350 आइए अब आगे बढ़े। अभिषिक्त लोग, "वे मसीह," अंत के दिनों में होगे, लेकिन "झूठे शिक्षक और झूठे भविष्यव्यक्ता।" ध्यान दें यह कितना प्रभावशाली है! अब, मैं चाहता हूं कि आप इसकी तुलना करें; हमारे पास इसे पढ़ने का समय नहीं है, मत्ती 24:24 दूसरे तीमुथियुस 3:8 के साथ।

351 मत्ती 24:24 ने कहा, अंत के दिनों में, देखो, "वहां झूठे मसीह आएंगे," झूठे, अभिषिक्त लोग, "झूठे भविष्यव्यक्ता, और चिन्ह और अद्भुत कामों को दिखाएंगे," बिल्कुल ठीक एक वास्तविक के समान, एक वास्तविक, "और—और वे लगभग चुने हुओ को भरमा देंगे।" अब ध्यान दें, यह यीशु बोल रहा था।

352 यहाँ पौलुस आता है, ठीक उसके पीछे, और कहता है, "अब, अंत के दिनों में, वहां धार्मिक लोग आएंगे, देखो, जो भक्ति का भेष धरते है। और मूर्ख स्त्रियों को वश में कर लेते है सब प्रकार की सांसारिक अभिलाषाओं के साथ बहकाते है।"

तब वे सोचते हैं, कहते हैं, "आप उन स्त्रियों को ही क्यों निशाना बनाते हो?" ओह, प्रभु... वे तो इसे देखते तक नहीं हैं।

"मूर्ख स्त्रियों को वश में कर लेते हैं, जो विभिन्न अभिलाषाओं से दबी हुई है," उन चीजों से दूर... जैसे... देखो, "और जैसे यर्नेस और यम्ब्रेस..."

मत्ती 24:24, "झूठे मसीह," झूठे, अभिषिक्त, चुने हुओ को भरमाने के लिए चिन्ह और अद्भुत काम करते है।

353 अब, जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया, वैसे ही ये निकम्मे, विश्वास के विषय में निकम्मे मन के लोग। *एक* विश्वास नहीं, *वो* विश्वास! "एक विश्वास, एक प्रभु, एक बप–... " आपके पास *एक* प्रभु में विश्वास किए बिना *एक* विश्वास नहीं हो सकता। आपके पास दो बपतिस्मा नहीं हो सकते हैं, ना ही पिता के लिए एक, और पुत्र के लिए, पवित्र आत्मा के लिए। एक बपतिस्मा: यीशु मसीह। समझे? यह सही है। देखो, झूठा बपतिस्मा!

354 ध्यान दें, जब आप घर जाए तो उन्हें एक साथ तुलना करें। ध्यान दें मत्ती 24:24, यीशु बोल रहा है; पौलुस, दूसरा तीमुथियुस 3:8; बहुत से दूसरे भी है। और अब इसकी तुलना करें।

और फिर एक और वचन को लिखे, लूका 17:30, मलाकी 4।

"जैसे यर्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया," उस समय का अभिषिक्त वचन, "वैसे ही वे मनुष्य," ना ही एक मनुष्य, "वे मनुष्य," अभिषिक्त लोग, "सत्य का विरोध करेंगे।"

355 "उसी दिन में जब मनुष्य का पुत्र प्रगट होगा।" प्रकाशितवाक्य 10:1 से 7 तक, जब आप घर पहुंचे तो इसे पढ़ें, "सातवें दूत का संदेश, मोहरों को खोल रहा है।" यह क्या है? ना हि वो दूत मनुष्य का पुत्र है; लेकिन सन्देशवाहक मनुष्य के पुत्र को प्रगट कर रहा है। क्या आप इसे अब अलग कर सकते हैं? यही है जहां यह आपके लिए बहुत कठिन प्रतीत होता है, आप देखिए। ना ही मनुष्य का पुत्र, स्वयं; लेकिन सातवां दूत, सातवां संदेशवाहक, मनुष्य के पुत्र को लोगों पर प्रगट कर रहा है, क्योंकि इसने भूसी को छोड़ दिया है। वह इसे संगठित नहीं कर सकता है। यह फिर से अपने आप में दाना है।

356 "और उस दिन, यन्नेस और यम्ब्रेस सामना करेंगे," अभिषिक्त किए हुए (ढोंगी विश्वासी और अविश्वासी, औपचारिक कलीसिया और पेंटीकोस्टल) सच्चे दाने के विरोध में खड़े होते हैं, "लेकिन उन्हें ऐसे ही छोड़ दो; उनकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी, जैसे उनकी हुई थी।" समझे? अब आप समझ गए? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

357 प्रकाशितवाक्य 10 में कहा, "सातवे दूत के आवाज़ देने के दिनों में।" अब याद रखें, सातवां, लौदकिया कलीसिया युग। "उस दूत के आवाज देने के," जब वह कलीसिया युग संप्रदायिक हो जाता है और एक कलीसिया

युग बन जाता है, जब यह उसके पेंटीकोस्टल संगठन में किया गया है; जब संदेशवाहक उस के लिए...

358 प्रत्येक संदेशवाहक क्या था? मार्टिन लूथर क्या था? कैथोलिक के लिए एक फटकार। वैस्ली क्या था? उन लूथरन के लिए एक फटकार। पेंटीकोस्ट क्या था? उन दूसरों के लिए एक फटकार था। अब जीवन कहाँ चला गया है? एक संगठन से दूर। अब कोई और भूसी नहीं है; यह दाना है। यह क्या है? पेंटीकोस्ट के लिए एक फटकार, देखो, ताकि इस घड़ी के वचन को पूरा करे। समझे?

359 ध्यान दें, उसी दिन जब यह संदेशवाहक... ना ही जब वह आगे बढ़ना आरंभ होता है, लेकिन जब वह अपने संदेश को घोषित करना आरंभ करता है। देखा? पहला खिंचाव, चंगाई; दूसरा खिंचाव, भविष्यवाणी करना; तीसरा खिंचाव, वचन का खुलना, रहस्यों का प्रकट होना। नहीं, वचन को प्रकट करने के लिए भविष्यवक्ताओं की तुलना में कोई और ऊँचा क्रम नहीं है। लेकिन केवल एक ही तरीक़े से भविष्यव्यक्ता प्रमाणित हो सकता है, वह है वचन के द्वारा। और, याद रखें, तीसरा खिचाव उन सात मोहरों का खुलना था, छिपे हुए सत्य को प्रकट करने के लिए जिसे वचन में मोहरबंद किया गया है। क्या आप इसे देखते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

360 यह तब होता है, उस दिन में जब इस बात को जगह लेना है, कि यर्नेस और यम्ब्रेस, नकल करने वाले, फिर से प्रकट होंगे। ठीक जैसे उन्होंने किया जब मूसा मूल वचन के साथ उपस्थित हुआ, ताकि इसे बोले, वे इसकी नकल करने के लिए उपस्थित होते है। बिल्कुल सही। अब आप देखते हैं कि मत्ती 24:24 क्या है? देखो, अभिषिक्त लोग!

361 अब वहां हम बंद करने से पहले तीन बातें कहने जा रहे हैं। बस इतना ही। मैं चाहता हूं कि आप अब ध्यान से सुने जैसे कि हम बंद करते हैं। तीन बातें, याद रखें, तीन बातें पूरी हो चुकी हैं। ठीक अभी आपके सामने तीन बातें रखी हुई है।

362 पहली। संसार एक सदोम की दशा में है। यीशु ने कहा ऐसा होगा। बिगड़े रूप की ओर देखो; हमारी महिलाएं पुरुषों की तरह व्यवहार करने की कोशिश कर रही हैं; हमारे पुरुष स्त्रियों के तरह व्यवहार करने की कोशिश कर रहे है, सड़े हुए, गंदे, गिरे हुए, शैतान से ग्रस्त और यह नहीं

जानते। बाईबल ने कहा कि ऐसा होगा, और यही है जहां पर ये है।

दूसरा। यह उस घडी में होता है, यहाँ वचन के अनुसार, कि यर्नेस और यम्ब्रेस प्रगट होते है। दूसरी बात।

तीसरी। यह उसी घड़ी में होता है कि जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होगा।

363 वहां आपका विश्वासी, आपका ढोंगी विश्वासी, और आपका अविश्वासी है। वहां एक सच्चा वचन खड़ा होता है, प्रमाणित हुआ; वहां पर ढोंगी विश्वासी है जो इसकी नकल कर रहा है; और वहां वो अविश्वासी है जो सारी बातों को अस्वीकार करता है।

> परंतु सांझ के समय पर उजियाला होगा,
> महिमा का मार्ग तुम निश्चय ही पा लोगे; (क्या यह सही है?)
>
> राष्ट्र टूट रहे हैं, इस्राएल जाग रहा है,
> वे चिन्ह जो हमारी बाईबल ने पहले से बताए थे;
> और अन्यजातियों के दिन गिने हुए है (सदोम), जो कठिन विपत्तियों से घिरे हैं;;
> "वापस आ जाओ, हे बिखरे हुए, अपनों के पास।"
>
> छुटकारे का दिन निकट है,
> मनुष्य के हृदय रुक रहे है, इस भय में;
> परमेश्वर के आत्मा से भर जाओ, अपने दीए को ठीक कर लो और साफ कर लो, (जिससे कि तुम उस घड़ी के वचन को देख सको।)
> ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।
>
> झूठे भविष्यद्वक्ता झूठ बोल रहे हैं, (उन्होंने कहा कि वे यहां पर होंगे; अभिषिक्त लोग।), परमेश्वर के सत्य का वे इन्कार कर रहे हैं,
> कि यीशु मसीह वो हमारा परमेश्वर है;

यही है, वे इसका विश्वास नहीं करते। बाईबल ने कहा कि यहां वह बात होगी। यह यहाँ पर है!

> लेकिन हम वहां पर चलेंगे जहां वे प्रेरित चले है।

वही उजियाला! "और बच्चों को पिताओं के विश्वास की ओर लौटाना।"

छुटकारे का दिन निकट है, (बहुत ही निकट है।)
मनुष्य के हृदय डर के मारे रुक रहे हैं; (धरती धंस रही है।)
ओह, परमेश्वर के आत्मा से भर जाओ, अपने दीयों को ठीक कर लो और साफ कर लो।
ऊपर देखो! तुम्हारा छुटकारा निकट है।

आप यह विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आइए हम अपने सिरों को झुकाए।

364 बाहर वहां उस देश के अंदर जहां यह संदेश जा रहा है, पूर्वी तट से पश्चिम तक, कैलिफोर्निया से न्यूयॉर्क तक, नीचे दक्षिण की ओर, ऊपर उत्तर में, बाहर मिशनों में, और जहां कहीं भी यह जा रहा है, और इस आराधनालय में। हम निर्धन है। हमारे पास ये बड़ी–बड़ी, विशाल, दिखावटी चीजें नहीं है, और टेलीविजन के कार्यक्रम नहीं हैं। हम बस सबसे अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं जो हम कर सकते हैं। "लेकिन वह जिसे पिता ने मुझे दिया है वह सब आएंगे।"

365 अब, मैं चाहता हूं कि आप जान लें कि यह निश्चित है, और आप जो इस टेप को सुन रहे हैं। आपने शायद आज सोचा होगा कि मैं यह अपने ख़ुद के विषय में कहने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि मैं इस संदेश को पहुँचा रहा हूँ। मेरा इससे कोई लेना–देना नहीं है, मैं तो केवल एक आवाज़ हूँ। और, मेरी आवाज भी, यहां तक कि मेरे बेहतर समझ के विरुद्ध है; मैं एक शिकारी बनना चाहता था। लेकिन यह मेरे पिता की इच्छा है जिसे मैं करने की घोषणा करता हूं उसे पूरा करूं, और मैंने ऐसा करने का दृढ़ निश्चय किया।

366 मैं ही वो एक नहीं था जो नीचे नदी पर प्रगट हुआ; मैं तो केवल वहां पर खड़ा था जब वो प्रगट हुआ। मैं वो एक नहीं हूं जो इन चीजों को करता हूं और इन बातों को पहले से बताता हूं जो बातें सिद्ध रूप से घटित होती हैं; मैं तो केवल वो एक हूं जो उसके पास रहता हूं जब वो इसे करता है। मैं तो केवल एक आवाज हूं जिसका उसने इसे कहने के लिए उपयोग किया। यह ऐसा नहीं था जो मैं जानता था; यह तो केवल इतना था कि मैंने बस अपने आपको समर्पित कर दिया, तब वो मेरे जरिये से बोला। यह मैं नहीं हूं, यह सातवां दूत नहीं था, ओह, नहीं; यह मनुष्य के पुत्र का प्रगटीकरण

था। यह दूत नहीं था, उसका संदेश; यह वो रहस्य था जिसे परमेश्वर ने प्रकट किया था। यह एक मनुष्य नहीं है; यह परमेश्वर है। वो दूत मनुष्य का पुत्र नहीं था; वह मनुष्य के पुत्र की ओर से संदेशवाहक था। मनुष्य का पुत्र मसीह है; वही वो एक है जिस पर आप भोज कर रहे हैं। आप किसी मनुष्य पर भोजन नहीं कर रहे हैं; एक मनुष्य, उसके शब्द असफल हो जायेंगे। लेकिन आप मनुष्य के पुत्र के ना चूकने वाले देह वचन पर भोजन कर रहे हैं।

367 यदि आपने हर एक वचन को पूरी तरह पर भोजन नहीं किया है, कि अपने आपको शक्ति दे कि इन सारे संप्रदायों और संसार की बातों से ऊपर उठने के लिए, क्या आप इस समय इसे करेंगे, जबकि हम प्रार्थना करते हैं?

368 प्रिय पिता, यह एक कठिन बात है। मरणहार के लिए इसे करना आसान नहीं है। आप सारी बातों को जानते है। और प्रिय परमेश्वर, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि इसे गलत नहीं समझा जाएगा। लेकिन, आपके वचन के उजियाले में, होने पाए लोग चले।

369 और, पिता परमेश्वर, मैं नहीं जानता कि चुने हुए कौन है; आप जानते है। मैं नहीं जानता कि आपका आगमन कब होगा। लेकिन मैं केवल इतना जानता हूं कि आपने कहा था जब यह बात जगह लेगी, ये झूठे, अभिषिक्त लोग; ना ही तब जब उन्होंने आरंभ किया।

370 मूसा ने बस उन्हें ऐसे ही छोड़ दिया, क्योंकि वह इसके बारे में और अधिक नहीं कर सकता था। वह केवल वही कह सकता था जो आप कह रहे थे। आपने उसे पिस्सू को बुलाने के लिए कहा; उसके बाद उन्होंने उन्हें बुलाया। आपने उससे कहा कि पानी को लहू में बदल दे; तब उन्होंने ऐसा किया। मूसा केवल वचन दर वचन को लेकर आगे बढ़ा, जैसा कि आपने कहा, लेकिन तब आप ही वो एक थे जिसने उनकी मूर्खता को प्रगट किया।

371 अब, पिता, आप अब भी परमेश्वर है। उसी वचन ने कहा था कि यह अंत के दिनों में घटित होगा। बहुत से ईमानदार व्यक्ति, जैसा कि हमने पिछले रविवार को कहा था, उस संदूक़ पर हाथ रखते हुए थे, एक नई गाड़ी पर, और ना ही लेवियों के कंधों पर, वे गिर कर मर गए, "पाप और अपराधों में मरे हुए," उनके अपने विवेक के विरोध में वाद–विवाद करते हुए।

372 बहुत से सेवक उसके अध्ययन कक्ष में बैठकर, उस वचन को पढ़ते है, और जल्दी–जल्दी पन्ने को पलटते है; ताकि उन्हें उसे खुलकर बोलना न पड़े, क्योंकि वे जानते हैं कि इससे वे लोगों के बीच अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा खो देंगे, उसकी कलीसिया के बीच और उसके संप्रदाय के बीच। परमेश्वर हमारी सहायता करें कि ऐसा कभी ना करे!

373 प्रभु, हमारे हृदय को शुद्ध करे, संसार की सारी गंदगी से। प्रभु, मैं शुद्धिकरण करने के लिए तैयार हूं। मैं इस कलीसिया के साथ और सारे सुनने वालों के साथ तैयार हूं, और जो कोई भी इस टेप को सुनेगा। मैं खड़ा हूं, हे प्रभु, और शुद्धिकरण के लिए मांगता हूं। प्रभु, मुझे कुम्हार के घर में ले जाए और मुझे तोड़ दे, मुझे एक दास के रूप में बनाये जो आप चाहते हैं।

374 क्योंकि, प्रभु यीशु, "मैं अशुद्ध होठों वाला मनुष्य हूं," जैसे यशायाह रो पड़ा, "अशुद्ध होठों वाले लोगों के बीच रहता हूं; और हाय मुझ पर, क्योंकि मैं परमेश्वर के प्रकाशन को प्रगट होते हुए देखता हूं," जैसे यशायाह ने दूतों को मंदिर में देखा। मैं अंत समय को देखता हूं, प्रभु, और मुझ पर और मेरे परिवार पर हाय; हाय मुझ पर और मेरे लोगो पर। हे अनंत परमेश्वर, हम पर दया करें। मैं अपने लिए और लोगों के लिए विनंती करता हूं। हम उनके साथ नाश ना होने पाये जो विश्वास नहीं करते, लेकिन होने पाए हम विश्वासियों के साथ रहे।

375 हर एक संप्रदाय, प्रभु, हर एक पुरुष या स्त्री... मैं आपसे एक संप्रदाय को आशीषित करने के लिए नहीं कह सकता, जब मैं जानता हूं कि आप इसके विरोध में हैं। लेकिन मैं केवल इतना ही कह सकता हूं, प्रभु, यदि आपकी कोई भेड़ उनके बीच में है, तो होने पाए वे इस टेप को सुने। होने पाए वे इसे सुने, प्रभु, और इसे उस समझ के साथ समझें जो आप उन्हें देंगे, और होने पाए वे बाहर आकर आपको ग्रहण करें। होने पाए वे इस दिन के अंधेपन और रीति–रिवाजों के द्वारा भरमाए ना जाए। होने पाए कि वे किसी चीज को खाने की कोशिश ना करें जो किसी और दिन की एक लोथ है। होने पाए वे वचन को ले।

376 हे प्रभु, इसी प्रकार से फरीसियो ने आपको क्रूस पर चढ़ाया। वे मूसा के दिन की लोथ को ले रहे थे, और इस पर घमण्ड करने की कोशिश कर रहे थे; जब आपने जंगल में प्रतिछाया के रूप में दिया था, हर रात के

उस ताजे मन्ना के विषय में, जिसका अर्थ हर एक पीढ़ी है। यहीं है जहां वे असफल हो गए। ये उनके लिए जहर हो गया। इसने उन्हें मार डाला, उस दूषित भोजन के खाने पर।

और, आत्मिक रूप से, आज भी यह उसी चीज को करता है; उन्हें आत्मिक रूप से एक संप्रदाय के साथ मार डालेगा।

प्रिय परमेश्वर, हमारी सहायता करें। अब सब कुछ आपके हाथों में है। यीशु मसीह के नाम में।

अपने झुके हुए सिरों के साथ, हम इसे गीत को गाने जा रहे हैं, जब कि आप अपना निर्णय को लेते हैं। क्या आप अंत तक जायेंगे?

मैं अपने उद्धारकर्ता को सुन सकता हूं... (और वो वचन है।) बुला रहा है,
मैं सुन सकता हूं...

"ओह, मैं एक लंबे समय से भटका हुआ हूं, लेकिन, वास्तव में, ठीक अभी मैं उसे सुनता हूं, 'मेरे पास आओ, तुम सब जो अँधेरे में टटोल रहे हो।'"

... सुन...

377 "'अपना क्रूस उठाकर, प्रतिदिन मेरे पीछे चल।' 'हां, भले ही मैं मृत्यु की छाया की घाटी में से होकर निकलू, तो भी मैं किसी बुराई से ना डरूंगा; छायादार हरी–हरी चराईयों में से होते हुए, और शांत जल के पास।'"

और जहां वह मेरी अगुवाई करता है मैं...

378 "प्रभु, मैं उस त्रिएकता की मूर्खता को देखता हूं। मैं देखता हूं कि सारा संसार उसमें बोया गया है; जंगली घास हर जगह बढ़ रही है। लेकिन अब जहां आप मेरी अगुवाई करेंगे, प्रभु, मैं उन लोगों के समान बनूंगा जो प्रेरितों के काम 19 में है। 'जब उन्होंने यह सुना, तो उन्होंने यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा लिया था।'"

... पीछे–पीछे जाऊं,

"प्रभु, मैं कुछ दूर तक आ चुका हूँ, इतना कि मैं आपको ग्रहण कर सकूँ।"

अब मैं सारा रास्ता उसी के साथ चलूँगा।

379 प्रिय परमेश्वर, मैं भरोसा करता हूं कि यह मेरे हृदय से आया है। मैं भरोसा करता हूं कि यह हर एक के हृदय से आया है जो इस समय पर गीत गा रहा है, हो सकता है बहुत से जो इस टेप को सुनेंगे, जो उपस्थित नहीं है या इसे अभी नहीं सुन रहे हैं। होने पाए हम इच्छा को रखे, प्रभु, चाहे जो भी कीमत चुकानी पड़े। कहते है, "जैसे एक मनुष्य दूसरी सेना का सामना करने जा रहा है, एक सिपाही, एक राजा; पहले वह बैठकर और हिसाब लगाता है, क्या वह इसे करने में सक्षम है, क्या वह संसार की चीजों को छोड़ सकता है? क्या आप छोड़ सकते हैं, परमेश्वर के लिखित वचन की सेना में जुड़ सकते हैं, उसके सैनिकों के साथ आगे बढ़ सकते हैं, उसके उकाबों के साथ उड़ सकते हैं? " प्रभु, इसे प्रदान करे, यीशु के नाम में।

380 आप विश्वास करते हैं? आप उसे स्वीकार करते हैं? तो ठीक है। हम आपको आज रात यहां फिर से मिलेंगे, प्रभु ने चाहा तो। क्या आप इसका सत्य होने का विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] क्या यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट है? ["आमीन।"]

तब यीशु का नाम अपने साथ ले,
दु:ख और शोक की संतान;
यह आपको आनंद और ढांढस देगा,
इसे हर जगह ले जाए...

अब, जो कोई भी आपके आसपास खड़ा है उससे हाथ मिलाए।

बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा, (धरती की आशा!) स्वर्ग का आनंद;
बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

यीशु के नाम में झुकते हुए,
उसके चरणों में दंडवत करते हुए,
स्वर्ग के राजाओं के राजा को हम ताज पहनायेंगे...
(तब, वो परमेश्वर है।)
जब हमारी यात्रा पूरी हो जाती है।

बहुमूल्य नाम, (बहुमूल्य नाम!) ओ कितना मधुर! (ओ कितना मधुर!)
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद;

बहुमूल्य नाम, ओ कितना मधुर!
धरती की आशा और स्वर्ग का आनंद।

मैं समझता हूं कि आज सुबह सारे सेवकों को अवगत कराया गया था, परिचय कराया गया था।

381 जब एक मनुष्य ने पूरे सप्ताह प्रार्थना की है, सोच रहा होता है क्या करूं, इन वचनों की ओर देखते हुए, वे ठीक आपके सामने स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। "और हाय मुझ पर," पौलुस ने कहा, "यदि मैं सुसमाचार को प्रचार ना करूं।" उसके मार्ग के अंत में, उसने कहा, "मैं तुम्हें परमेश्वर की सारी मनसा को बताने से नहीं चूका, जैसा कि मुझे ये दिया गया था।"

मैं कभी–कभी चीजों को पहचानने के लिए भूल जाता हूं, प्रस्तुत करना, बच्चों को समर्पित करना।

बिली ने कहा, एक दिन, एक व्यक्ति आया, उसने कहा, "मैं यहां पर दो वर्षों से आ रहा हूं, अपने बच्चे का समर्पण करवाने के लिए।"

382 बिली ने कहा, "इसके लिए बुरा ना माने। मेरा भी एक वर्ष का बालक है; उसका भी अभी तक समर्पण नहीं किया गया है। सो मुझे लगता है, मुझे बस इंतजार करना होगा जब तक वह खुद वहाँ चलकर आने जितना बड़ा नहीं हो जाता।"

इसलिए हम देखते हैं, भाईयों, बहनो, यह—यह ऐसा नहीं है, देखो, मैं... एक बात, हमें अपने बच्चों का समर्पण करना चाहिए।

383 हमें हर एक को बपतिस्मा देना चाहिए। यहाँ पर एक तालाब है; यहाँ पानी है। यदि आपने अभी तक नहीं लिया है, आपको कौन रोक रहा है? यहाँ पानी है। अभी आ जाये। आज रात तक प्रतीक्षा ना करें; ठीक अभी आ जाये। यहां पर एक मनुष्य खड़ा है जो किसी को भी बपतिस्मा देगा जिसने पश्चाताप किया है और अंगीकार किया है। यदि आपने एक दर्जन बार बपतिस्मा लिया हो, वे आपको पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा देंगे। देखा? हम वो है।

384 लेकिन, देखिये, सन्देश मेरे ह्रदय पर है। मुझे इसे अवश्य ही बाहर लाना है। यही मेरा एकमात्र उद्देश्य है, चाहे मेरी पत्नी, मेरे बच्चे कुछ भी कहे, मेरा पास्टर जो कहे, मेरे अपने जो कुछ भी कहने दो। यह मेरा प्रभु है। मुझे इसे बाहर लाना ही है। यही मेरा एकमात्र उद्देश्य है।

385 और अब, बहुत सी बार, मैं सेवकों को पहचान नहीं पाता हूं। मैं सोचता हूं हो सकता है... हमारे भाई, भाई नेविल, एक बहुमूल्य मनुष्य। ये दूसरे भाई लोग यहां पर है, हम सभी को पाकर खुश हैं।

386 यह ऐसा नहीं है कि हम आपसे असहमत हैं, भाई, ना ही आपसे भिन्न होने के लिए। आप में से बहुत से यहां पर त्रिएकता वाले प्रचारक हो सकते हैं। हम आप पर नाराज नहीं होना चाहते। हम आपसे प्रेम करते हैं। यदि हम नहीं करते, यदि मैं इसका विश्वास नहीं करता, तो मैं इस कलीसिया को तब तक कभी नहीं छोड़ूंगा जब तक कि मैं वहां अपने घुटनों पर जाकर और नही कहता, "परमेश्वर, मुझे सही करे।"

387 मैं नहीं चाहता कि वह अभिमानी, स्वार्थी आत्मा मेरी आत्मा के साथ मिश्रित हो। मैं चाहता हूं कि मेरी आत्मा शुद्ध और साफ हो, भाईचारे का प्रेम हो, पवित्र आत्मा के साथ पवित्र हो। अब, यदि कोई मेरे साथ कुछ भी गलत करता है, तो कोई बात नही। और भले ही हो सकता है मेरे पास उन्हें वापस उत्तर देने अधिकार हो, लेकिन मैं ऐसा अपने जीवन में नहीं चाहता। नहीं, मैं—मैं प्रेम को पाना चाहता हूं। मैं प्रेम के साथ बातों को सही करना चाहता हूं, उस प्रेम के साथ जो पूरी तरह से इसके लिए उत्तर देता है।

388 मेरा अर्थ कुछ भिन्न होने का नहीं है। मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, कैथोलिक, प्रेस्बिटेरियन, आप जो भी हैं, मैं ये बातें भिन्न होने या आपके साथ अभिमानी होने के लिए नहीं कहता हूं। यदि मैंने ऐसा किया है, तो मैं एक ढोंगी हूं और परमेश्वर से प्रार्थना करते हुए मुझे यहां इस वेदी पर होना चाहिए।

389 लेकिन मैं इसे कहता हूं, क्योंकि यह प्रेम है, और मैं देख रहा हूं कि आप किस ओर जा रहे है। अब, मैं इसे अपने आप से नहीं कहता हूं, और ना ही कहते हुए मैं अनुमान लगा रहा हूं। मैं आपको **यहोवा यों कहता है वाला वचन** दे रहा हूं। यही सत्य है। और मैं आपसे उन बातों के लिए प्रेम करता हूं। परमेश्वर आपको आशीष दे।

390 अब जब हम इस गीत के दूसरे पद को गाते हैं, आइये गायेंगे, इससे पहले कि हम जाये। हम चाहते हैं कि आप आज रात यहां पर हो, यदि आप आ सकते हैं। यदि आप नहीं आ सकते, तो परमेश्वर आपके साथ हो जब तक हम नहीं मिलते। हम बस प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीषित करे—करे और आपको उसके देश की सर्वोत्तम चीजों को दे, देखो।

उसके नाम को ले... 

65–0725M अंतिम समय में अभिषिक्त लोग
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org